THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 226 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.8 2082 बुधवार, 12 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पंजाब डीआईजी को ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा

चंडीगढ़, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर का 5 दिन का सीबीआई रिमांड खत्म होने के बाद मंगलवार को (11 नवंबर) उन्हें चंडीगढ़ स्थित सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उन्हें ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा गया। अब 20 नवंबर को मामले की सुनवाई होगी। इस दिन डीआईजी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी होगी। सुनवाई के दौरान सीबीआई के वकील ने कोर्ट में कहा कि भुल्लर पूछताछ के दौरान सहयोग नहीं कर रहे हैं। वह सीबीआई के पूछे गए सवालों का सही से जवाब नहीं दे रहे हैं। उधर, डीआईजी के वकील एचएस धनोआ ने कहा कि भुल्लर को जेल के अंदर मेडिकल सुविधा दी जाए।

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : पीएम मोदी

थिम्फू, 11 नवंबर (एजेंसियां)। भूटान के दो दिवसीय दौरे पर गए प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में हुई कार विस्फोट की घटना पर दुख व्यक्त किया और साथ ही ये भी कहा कि इस घटना के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली विस्फोट की घटना को साजिश करार दिया। उन्होंने ये भी कहा कि वे बीती रात जांच एजेंसियों के संपर्क में रहे और धमाके से जुड़ी जानकारी लेते रहे। सोमवार शाम दिल्ली में बम धमाका हुआ और पीएम मोदी तय कार्यक्रम के अनुसार, मंगलवार सुबह भूटान पहुंचे। यहीं उन्होंने दिल्ली विस्फोट की घटना पर बयान दिया।

'दोषियों को नहीं बख्शा जाएगा'

पीएम मोदी ने थिम्फू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि 'आज मैं यहां बहुत भारी मन से आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी के मन को व्यथित कर दिया है। मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूं। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मैं कल रातभर इस घटना की जांच में जुटी सभी एजेंसियों के साथ, सभी महत्वपूर्ण लोगों के साथ संपर्क में था। हमारी एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जाएंगी। इसके पीछे के षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।'

दिल्ली विस्फोट में मृतकों का आंकड़ा 12 तक पहुंचा

सोमवार की शाम दिल्ली में लाल किले के नजदीक एक कार में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं। जांच एजेंसियां विस्फोट की जांच में जुटी हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल कर धमाका गया। इससे पहले फरीदाबाद से जांच एजेंसियों ने एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और करीब तीन क्विंटल अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया था। जांच एजेंसियों को शक है कि दिल्ली विस्फोट के तार भी फरीदाबाद के आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट के पास धमाका 12 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के जी-11 सेक्टर स्थित न्यायिक परिसर में मंगलवार को एक शक्तिशाली सिलेंडर विस्फोट हुआ। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस घटना में 12 लोगों की मौत हो गई और 20 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। घटना के बाद शहर की आपातकालीन सेवाओं को तुरंत कार्रवाई करनी पड़ी। स्थानीय पुलिस के अनुसार, विस्फोट उस समय हुआ जब अदालत परिसर में भारी यातायात और भारी भीड़ थी। उन्होंने बताया कि विस्फोट में कई वकील और नागरिक घायल हुए हैं।

रिपोर्टों के अनुसार, पुलिस और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। विस्फोट के तुरंत बाद भड़की आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मियों को तैनात देखा गया।

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि विस्फोट न्यायालय परिसर के पार्किंग क्षेत्र में खड़ी एक कार के अंदर हुआ। सिलेंडर विस्फोट के बाद वाहन में आग लग गई, जिससे पूरे परिसर में घना धुआं फैल गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब सुरक्षाकर्मी न्यायिक परिसर के पास के हिस्से को खाली कराने के लिए दौड़े, तो अफरा-तफरी मच गई।

दूसरी तरफ पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों के काफिले को निशाना बनाकर आईईडी विस्फोट किया गया। इस घटना में कम से कम 16 जवान घायल हो गए। पाकिस्तानी सेना और फ्रंटियर कोर के जवानों का यह काफिला डेरा इस्माइल खान जिले की लोनी चौकी से लौट रहा था, तभी सोमवार देर रात लोनी गांव में आईईडी विस्फोट हुआ। इस बीच, सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को अफगानिस्तान की सीमा से लगे दक्षिण वजीरिस्तान जिले में कैडेट कॉलेज के मुख्य द्वार पर एक आत्मघाती हमलावर द्वारा किए गए विस्फोट में छह लोग घायल हो गए।

एक-एक को ढूंढकर निकालो...

दिल्ली ब्लास्ट के दोषियों पर फूटा अमित शाह का गुस्सा, ऐक्शन में अफसर

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में हुए कार धमाके को लेकर एक बार फिर उच्च अधिकारियों के साथ हाई लेवल बैठक की। इस बैठक में शाह ने साफ कर दिया है कि दोषियों का बचना मुश्किल है। उन्होंने एक्स पर इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि इस घटना के सभी दोषियों का पता लगाने के निर्देश दिए गए हैं। शाह ने जोर देकर कहा कि इस धमाके में शामिल हर व्यक्ति को हमारी एजेंसियां कड़ी सजा दिलाएंगी।

केंद्रीय गृहमंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों को दिल्ली विस्फोट के लिए जिम्मेदार हर शख्स को ढूंढ निकालने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, 'दिल्ली विस्फोट में संलिप्त प्रत्येक दोषी को हमारी एजेंसियों के कहर का सामना करना पड़ेगा।'

यह साफ संकेत है कि सरकार ने इस धमाके को एक आतंकवादी कृत्य माना है, क्योंकि गृह मंत्रालय ने इसकी जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। एनआईए को केवल आतंकवादी मामलों की जांच का अधिकार है।

इस धमाके में मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। गृह मंत्री ने बताया कि शीर्ष जांच एजेंसियां विस्फोट की जांच कर रही हैं और वे घटना की जड़ तक जाएंगी।

गृहमंत्री अमित शाह ने इस घटना को लेकर चिंता जताई है और दोषियों को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और ऐसे कृत्यों को अंजाम देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

दिल्ली ब्लास्ट-पुलवामा से डॉ. उमर का दोस्त डॉ. सज्जाद गिरफ्तार

भाई, मां-बाप हिरासत में; फरीदाबाद से अरेस्ट डॉ. शाहीन जैश महिला विंग की हेड

डॉ. मोहम्मद उमर नबी डॉ. शाहीन शाहिद

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में सोमवार शाम हुए कार ब्लास्ट की जांच करीब 20 घंटे बाद एनआईए को सौंप दी गई। इस बीच ब्लास्ट में मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 12 हो गई। इनमें 2 महिलाएं हैं। अब तक दो शवों की पहचान हो पाई है। बाकी की पहचान डीएनए टेस्ट से होगी। 20 घायलों का इलाज जारी है। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास सोमवार शाम करीब 6.52 बजे हुए ब्लास्ट में जिस सफेद i20 कार का इस्तेमाल हुआ, उसका सीसीटीवी फुटेज आज सामने आया। मेट्रो स्टेशन की पार्किंग से निकल रही कार में काला मास्क पहने एक शख्स बैठा दिखाई दिया। पुलिस के मुताबिक कार में बैठे शख्स का नाम डॉ. मोहम्मद उमर नबी है। वह पुलवामा का रहने वाला है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक उसने विस्फोटकों से खुद को उड़ा लिया था। उसके डीएनए टेस्ट के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुलवामा में उसके माता-पिता और दो भाइयों समेत को हिरासत में लिया है।

एनआईए करेगी दिल्ली ब्लास्ट मामले की जांच

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार की शाम लाल किले के पास हुए कार धमाके की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए करेगी. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसका फैसला किया है और जांच का जिम्मा एनआईए को सौंप दिया है. इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज हाई लेवेल मीटिंग की, जिसमें धमाके की जांच एनआईए से कराने का फैसला किया गया है। फिलहाल जांच एजेंसियां घटनास्थल से धमाके के सुराग इकट्ठा कर रही हैं। एनआईए को मामला सौंपने की बड़ी वजह इस धमाके के तार कई राज्यों से जुड़ा होना बताया जा रहा है।

दिल्ली में हुए कार ब्लास्ट के बाद पूरे दिल्ली में हाई अलर्ट है. हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों एवं बस अड्डों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है. सूत्रों के अनुसार पुलवामा का निवासी और पेशे से चिकित्सक उमर मोहम्मद कथित तौर पर वह हुंडई i-20 कार चला रहा था, जो लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास पार्किंग क्षेत्र में हुए विस्फोट में इस्तेमाल हुई थी. पुलिस सूत्रों ने बताया कि लाल किले के पास जिस कार में विस्फोट हुआ उसे चला रहे व्यक्ति की पहली तस्वीर इलाके के सीसीटीवी फुटेज में सामने आई है। उन्होंने बताया कि व्यक्ति के फरीदाबाद के आतंकी मॉड्यूल से कथित तौर पर संबंध थे, जहां से विस्फोटक सामग्री का एक बड़ा जखीरा जब्त किया गया था।

कर्नाटक सीएम ने मेकेदातु परियोजना पर फिर दिया जोर

बंगलूरू, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को एक बार फिर मेकेदातु परियोजना पर जोर दिया। बंगलूरू में पानी की समस्या को हल करने के लिए यह कर्नाटक सरकार की महत्वकांक्षी योजना है और यही वजह है कि कर्नाटक सरकार इस पर खासा जोर दे रही है। हालांकि तमिलनाडु की आपत्ति के चलते इस पर सहमति नहीं बन पा रही है। मंगलवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक बार फिर से मेकेदातु परियोजना पर जोर दिया और साथ ही कहा कि इससे पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के हित प्रभावित नहीं होंगे। सिद्धारमैया ने कहा कि इस साल कर्नाटक में भारी बारिश हुई है और तमिलनाडु को भी इस साल ज्यादा पानी मिलेगा।

हमारा नेटवर्क सिस्टम मजबूत है तभी तो हम सफल हैं: वायुसेना उप-प्रमुख

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि एक असरदार ऑपरेशन कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर हमारा एकीकृत कमांड नेटवर्क सिस्टम अच्छा और मजबूत नहीं होता तो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमें उतनी सफलता नहीं मिल पाती, जितनी हमें अब मिली।

एक रक्षा सम्मेलन के दौरान अपने संबोधन में भारतीय वायुसेना के वाइस चीफ ऑफ स्टाफ एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने कहा कि देश का मिलिट्री इंटीग्रेटेड नेटवर्क सिस्टम पिछले 20 वर्षों में काफी विकसित हुआ है, और इससे दुश्मनों को जवाब देने और पूरे देश की निगरानी करने की क्षमता बेहतर हुई है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना के इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम जैसे

एयर डिफेंस सिस्टम की भूमिका को सराहा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 7 मई की सुबह मिलिट्री ऑपरेशन शुरू किया और पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह कर दिया। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ हमले शुरू किए। हालांकि भारत ने अपने मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम से पाकिस्तान को हर हमले को नाकाम कर दिया। इस सैन्य टकराव के बाद 10 मई को दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम हो गया।

एयर मार्शल तिवारी ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि अगर हम सही तरीके से एकीकृत कमांड नेटवर्क से जुड़े हैं और हमारे पास फैसले लेने के लिए सही उपकरण हैं तो एक असरदार ऑपरेशन कैसे किया जा सकता है'। उन्होंने कहा, 'मैं यह रिकॉर्ड पर कह सकता हूं कि अगर एक अच्छा और मजबूत नेटवर्क नहीं होता, तो हम इतने सफल नहीं होते, जितने अभी हुए।' सीडीएस अनिल चौहान ने अपने एक बयान में कहा कि 'युद्ध सिर्फ जीतने के बारे में होता है। युद्ध में कोई रनर-अप नहीं होता। किसी भी तरह के संघर्ष में बहुत कुछ दांव पर होता है और देशों का भविष्य या देशों का अस्तित्व ही इस पर निर्भर करता है।

पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी 3 साल बाद जेल से रिहा

शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में मिली थी जमानत

कोलकाता, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कथित शिक्षक भर्ती घोटाले के मुख्य आरोपी और पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को मंगलवार को ज़मानत पर रिहा कर दिया गया। चटर्जी 23 जुलाई, 2022 से न्यायिक हिरासत में थे, जब ईडी ने उन्हें इस घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। पार्थ चटर्जी को शारीरिक अस्वस्थता के कारण दक्षिण कोलकाता के मुकुंदपुर आरएन टैगोर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ज़मानत मिलने के बाद मंगलवार दोपहर उन्हें वहीं से रिहा कर दिया गया।

तमिलनाडु-बंगाल में एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने ईसी से जवाब मांगा

2 हफ्ते का समय दिया; मद्रास और कलकत्ता हाईकोर्ट को सुनवाई करने से रोका

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर चुनाव आयोग (ईसी) से अलग-अलग जवाब मांगे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ईसी से दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है।

दोनों राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ डीएमके, सीपीआई(एम), पश्चिम बंगाल कांग्रेस इकाई और टीएमसी नेताओं ने याचिकाएं दाखिल की थीं। कोर्ट ने तमिलनाडु में एसआईआर का समर्थन करने वाली एआईएडीएमके पार्टी की याचिका को भी सुनवाई में शामिल करने की परमिशन दी।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट और कलकत्ता हाईकोर्ट से कहा कि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फिलहाल आगे की सुनवाई न करें।

ईसी ने 27 अक्टूबर को ऐलान किया था कि 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 28 अक्टूबर से 7 फरवरी तक एसआईआर प्रक्रिया होगी। बिहार पहला राज्य है, जहां एसआईआर को लागू किया गया है।

गैर सरकारी संगठन "एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' की ओर से 7 नवंबर को पेश हुए सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कहा था कि एसआईआर का मुद्दा लोकतंत्र की जड़ों तक जाता है। इसी के बाद जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने 11 नवंबर से सुनवाई शुरू करने का फैसला किया था।

आज से शुरू होगी भारत-नेपाल सीमा वार्ता

जेन जेड प्रदर्शन के बाद पहली बैठक

नई दिल्ली , 11 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और नेपाल के बीच वार्षिक सीमा वार्ता 12 नवंबर से दिल्ली में शुरू होगी। यह बैठक तीन दिनों तक चलेगी और दोनों देशों के शीर्ष सुरक्षा बलों भारत के सशस्त्र सीमा बल और नेपाल के आर्म्ड पुलिस फोर्स के प्रमुख इसमें शामिल होंगे। यह बैठक खास इसलिए मानी जा रही है क्योंकि यह सितंबर में काठमांडू में हुए "जेन जेड' प्रदर्शन के बाद दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों के बीच पहली उच्च स्तरीय वार्ता होगी।

वार्ता में सीमा पार अपराधों पर रोक, रियल-टाइम खुफिया जानकारी साझा करने की प्रणाली और दोनों देशों के बीच समन्वित सीमा प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जाएगा।

अधिकारियों का कहना है कि यह बैठक सीमा पर शांति और सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम साबित होगी।

बिहार में वोटिंग खत्म, 5 बजे तक रिकॉर्ड 67.14% मतदान

बगहा में 15 हजार लोगों ने किया चुनाव का बहिष्कार; जमुई, अररिया, नवादा में झड़प

पटना, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के आखिरी फेज का मतदान शाम 6 बजे खत्म हो गया। हालांकि कतार में खड़े वोटर्स वोट डाल पाएंगे। वहीं संवेदनशील 4,109 बूथों पर शाम 5 बजे तक वोटिंग हुई।

आखिरी फेज में 20 जिलों की 122 सीटों पर शाम 5 बजे तक 67.14% मतदान हुआ है। मुस्लिम बहुल किशनगंज में सबसे ज्यादा 76.26% मतदान हुआ है।

बंपर वोटिंग को लेकर केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने दावा किया कि, दूसरे फेज की 122 सीटों में से 80 हम जीतने वाले हैं। वहीं तेजस्वी यादव ने कहा है कि, लोगों ने बढ़-चढ़कर मतदान कर रहे हैं। मेरा मन गदगद है।

अरवल वोटिंग के दौरान हार्ट अटैक से पीठासीन पदाधिकारी अरविंद कुमार की मौत हो गई। शिवहर और बेलसंड के तारियानी में अलग-अलग बूथों पर गड़बड़ी के आरोप में 13 लोगों को हिरासत में लिया गया। बेतिया में पैसे बांट रहे राजद के दो समर्थकों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। पुलिस दोनों को थाने ले गई। बगहा में 19 बूथों पर सिर्फ 1 वोट पड़ा। 15 हजार से ज्यादा लोगों ने वोट बहिष्कार किया।

अररिया में बीजेपी और कांग्रेस समर्थक भिड़ गए। कांग्रेस समर्थकों का आरोप- बीजेपी वालों ने पटककर मारने की धमकी दी। नवादा के हिसुआ से बीजेपी प्रत्याशी अनिल सिंह को धरिया गांव के लोगों ने खदेड़ दिया। लोग बोले- कोई काम नहीं किया है। रोहतास में पंचायत भवन की मांग को लेकर लोगों का वोट बहिष्कार। जमुई में वोटिंग के दौरान दो समुदाय में झड़प हुई। ईंट-पत्थर चले। पुलिस ने मामला शांत कराया। जहानाबाद के बूथ संख्या 220 में दो गुटों के बीच झड़प हो गई। इसमें 4 लोग घायल हो गए। रोहतास में जदयू प्रत्याशी नागेंद्र चंद्रवंशी अपनी गाड़ी पर जेडीयू का झंडा लगाकर नोखा विधानसभा क्षेत्र में घूमते नजर आए। मोतिहारी में 10 लोगों को फर्जी वोट डालने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद यूएन में बोला भारत

सीमा पार से हो रही हथियारों की तस्करी, कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी होगी

संयुक्त राष्ट्र, 11 नवंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने यूएनएससी से आग्रह किया है कि हथियारों की तस्करी में मदद करने वालों के खिलाफ कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए। उनका यह बयान दिल्ली के लाल किले के बाहर हुए कार ब्लास्ट के बाद आया है।

सोमवार को उन्होंने कहा कि भारत सीमापार से आतंकवाद से पीड़ित है, जिसके तहत सीमा की दूसरी तरफ से तस्करी किए गए अवैध हथियारों का इस्तेमाल करके भारत को निशाना बनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को ऐसे हथियारों के उपयोग और उनकी आपूर्ति में मदद करने वाले लोगों के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए. हरीश ने सोमवार को "यूएन सिक्योरिटी काउंसिल स्मॉल आर्म्स ओपन डिबेट' में कहा, 'भारत कई दशक से आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष कर रहा है. इसकी वजह से यह छोटे हथियारों और गोलाबारूद की गैरकानूनी आपूर्ति और उनके आतंकवादी समूहों के हाथ लगने से जुड़े खतरों से पूरी तरह अवगत है।' हरीश ने नई दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में हुए विस्फोट के कुछ घंटे बाद संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में यह बात कही. इस ब्लास्ट में 12 लोगों की जान गई है और 25 लोग घायल हो गए. यह धमाका सोमवार शाम को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुआ। ट्रैफिक सिग्नल पर पर धीमा गति से चल रही कार में अचानक से धमाका हुआ। पर्वतनेनी हरीश ने पाकिस्तान का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, 'भारत को सीमा पार से आतंकवाद के कारण नुकसान उठाना पड़ा है, जिसके तहत हमारी सीमाओं के पार से तस्करी किए गए ड्रोन समेत अवैध हथियारों का उपयोग किया जाता है।'

एग्जिट पोल्स में 'बिहार में फिर नीतीशे कुमार'

10 पोल में एनडीए को बहुमत

सीटें 243 | **बिहार एग्जिट पोल-2025** | बहुमत 122

	एजेंसी	भाजपा+	राजद+	जनसुराज	अन्य
1	पोल डायरी	184-209	32-49	--	1-5
2	मैट्रिज आईएएनएस	147-167	70-90	0-2	2-8
3	पीपल्स पल्स	133-159	75-101	0-5	2-8
4	जेवीसी पोल	135-150	88-103	0-1	3-6
5	पीपल्स इनसाइट	133-148	87-102	0-2	2-8
6	चाणक्य स्ट्रैटजीज	130-138	100-108	--	2-3
7	पोलस्ट्रैट	133-148	87-102	--	3-5
8	प्रजा पोल एनालिटिक्स	186	50	--	7
9	टीआईएफ रिसर्च	145-163	76-95	--	3-6
10	पी-मार्क	142-162	80-98	1-4	0-3

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण का मतदान समाप्त होने के बाद सबकी नजरें एग्जिट पोल पर हैं। अलग-अलग सर्वे एजेंसियां बिहार में अगली सरकार को लेकर पूर्वानुमान जारी कर चुकी हैं। अधिकांश अनुमानों में एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिलने के आसार हैं। अब 14 नवंबर को होने वाली मतगणना में साफ होगा कि राज्य में किसके नेतृत्व में सरकार बनेगी।

बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 के मतदान समाप्त हो चुके हैं। अब तक सामने आए नौ एग्जिट पोल अनुमानों के मुताबिक बिहार में एक बार फिर नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए के जीतने के आसार हैं।

दिल्ली धमाके के बाद हिमाचल में बढ़ाई सुरक्षा, जगह-जगह वाहनों की चैकिंग

शिमला, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की राजधानी दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में हुए विस्फोट के बाद दिल्ली-एनसीआर, हिमाचल, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मुंबई और उत्तराखंड सहित कई राज्यों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। देशभर में रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, हवाई अड्डों और धार्मिक स्थानों की सघन निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। सीमावर्ती और संवेदनशील जिलों में विशेष निगरानी रखी जाए।

खुफिया इकाइयों व फील्ड स्टाफ को सतर्क करते हुए संदिग्ध वाहनों, लावारिस वस्तुओं और असामान्य गतिविधियों पर नजर रखने को कहा है। इसी के तहत हिमाचल में भी चौकसी बढ़ा दी है। शिमला प्रवेश द्वार शोघी सहित प्रदेश में अन्य स्थानों पर वाहनों की चैकिंग की जा रही है। हिमाचल पुलिस की ओर से नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। प्रदेश पुलिस ने सभी जिलों में, विशेषकर सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी और सुरक्षा प्रबंधों को मजबूत किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने निठारी कांड के दोषी सुरेंद्र कोली को किया बरी

18 साल बाद रिहाई का रास्ता साफ

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के चर्चित निठारी सीरियल हत्याकांड में दोषी ठहराए गए सुरेंद्र कोली को सभी आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने कोली की सजा को रद्द करते हुए कहा कि अगर वह किसी और मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। यह फैसला उन परिवारों और कानूनी हलकों के लिए अहम है, जो पिछले 18 वर्षों से इस मामले पर नजर रखे हुए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अभियोजन पक्ष सुरेंद्र कोली के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश नहीं कर पाया। अदालत ने माना कि जांच के दौरान कई गंभीर प्रक्रियागत खामियां रहीं, जिसके चलते दोषसिद्धि बरकरार नहीं रखी जा सकती। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर उम्रकैद या फांसी नहीं दी जा सकती, जब तक कि आरोप बिना किसी संदेह के साबित न हों।

कौन हैं सुरेंद्र कोली?

सुरेंद्र कोली 2006 के नोएडा निठारी कांड में मुख्य आरोपी थे। उस वक्त निठारी गांव में बच्चों के गायब होने और फिर उनके शवों के मिलने से पूरे देश में सनसनी फैल गई थी। जांच एजेंसियों ने कोली और उनके नियोक्ता मोनिंदर सिंह पंधेर को गिरफ्तार किया था। कोली को कई मामलों में दोषी ठहराया गया और उन्हें फांसी की सजा भी सुनाई गई थी, जिसे बाद में उम्रकैद में बदल दिया गया।

18 साल बाद मिला न्याय

कोली ने अपनी सजा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। अब अदालत ने उन्हें बरी करते हुए कहा कि न्याय का उद्देश्य सजा देना नहीं, बल्कि सच्चाई सामने लाना है।

क्या है निठारी कांड

निठारी गांव में रहने वाले बच्चे वर्ष 2004 से लापता हो रहे थे। बच्चों के लापता होने की जानकारी उनके परिजन थाना सेक्टर-20 पुलिस से लेकर बड़े पुलिस अधिकारियों तक से कर रहे थे। लेकिन पुलिस गुमशुदगी लिखने के बजाए उन्हें दुत्कार कर भगा देती थी। गायब होने वाले बच्चों में अधिकतर लड़कियां थीं। पायल नाम की एक युवती भी निठारी की पानी की टंकी के पास से लापता हो गई। उसके पिता सेक्टर-19 में रह रहे नंदलाल ने डी-5 सेक्टर-31 कोठी के मालिक व जेसीबी के बड़े डिस्ट्रीब्यूटर मोनिंदर सिंह पंधेर पर बेटी के अपहरण का शक जाहिर करते हुए पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने कार्रवाई के बजाय नंदलाल को ही बेटी से देह व्यापार करने का आरोप लगाते हुए भगा दिया।

इसके बाद उसने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश देकर सीओ स्तर के अधिकारी को प्रगति आख्या के साथ कोर्ट में बुलाया। इसके बाद उसी साल 15 दिसंबर को अधिकारियों ने कोठी मालिक मोनिंदर सिंह व नौकर सुरेन्द्र कोली से पूछताछ की लेकिन रात में ही दबाव के चलते उन्हें छोड़ दिया।

एससी: धर्मांतरण रोधी कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न राज्यों के धर्मांतरण रोधी कानूनों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। ये याचिकाएं उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों के धर्मांतरण रोधी कानूनों के खिलाफ दायर की गई हैं। एक याचिकाकर्ता के वकील ने तुरंत सुनवाई करने और धर्मांतरण रोधी कानूनों पर रोक लगाने की मांग की है। इस पर मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया।

पीठ ने कहा कि याचिकाएं दिसंबर में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की जाएंगी। इससे पहले धर्मांतरण रोधी कानून पर रोक की मांग वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने 16 सितंबर को विभिन्न राज्यों को नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा था। पीठ ने तब राज्यों को उनके जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया था और इसके बाद याचिकाकर्ताओं को दो सप्ताह में अपना उत्तर दाखिल करने की अनुमति दी थी।

इस मामले को छह सप्ताह के बाद सूचीबद्ध किया गया था। पीठ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक द्वारा बनाए गए धर्मांतरण रोधी कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

भूमि पूजन, प्राण प्रतिष्ठा और अब राम मंदिर की पूर्णता की घोषणा करेंगे मोदी

अयोध्या से है विशेष स्नेह

अयोध्या, 11 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के ऐतिहासिक पड़ावों में एक और स्वर्ण अध्याय जुड़ने जा रहा है। भूमिपूजन और प्राण प्रतिष्ठा जैसे युगांतकारी क्षणों के साक्षी रहने के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर की पूर्णता की घोषणा करने अयोध्या आ रहे हैं। यह अवसर केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्र के सांस्कृतिक स्वाभिमान की परिणति के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का अयोध्या से गहरा नाता है। रामलला की नगरी उनके नेतृत्व में न केवल मंदिर निर्माण की गाथा लिख रही है, बल्कि नवीन अयोध्या के पुनर्जागरण की मिसाल भी बन रही है।

मोदी प्रधानमंत्री रहते हुए अब तक चार बार अयोध्या आ चुके हैं और यह उनकी पांचवीं यात्रा होगी। 2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद 2020 में भूमिपूजन, फिर 2024 में प्राण प्रतिष्ठा समारोह और अब 2025 में पूर्णता की घोषणा, यह क्रम मानो मोदी और अयोध्या के बीच आस्था का संवाद बन गया है। महंत विवेक आचारी कहते हैं कि अब जब प्रधानमंत्री 'पूर्णता' की घोषणा करेंगे तो यह न केवल राम मंदिर के निर्माण का समापन होगा, बल्कि आस्था, विकास और राष्ट्रीय गौरव का शंखनाद भी होगा।

राम दरबार की आरती करेंगे पीएम

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में ध्वजारोहण समारोह की रूपरेखा व ध्वज की डिजाइन को अंतिम रूप दे दिया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को तीन घंटे अयोध्या में रहेंगे। वह रामलला समेत राम दरबार के दर्शन कर आरती उतारेंगे।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद फिर चर्चा में आया आतंकी हाफिज सईद, अभी कहां छिपा है?

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के लालकिले में कार ब्लास्ट के बाद लश्कर-ए-तैयबा के सरगना आतंकी हाफिज सईद चर्चा में है। दरअसल, ब्लास्ट से एक दिन पहले लश्कर के एक कमांडर सैफुल्लाह का वीडियो वायरल हुआ था। वायरल वीडियो में सैफुल्लाह हाफिज सईद के चुप न बैठे रहने की बात कह रहा था। हालांकि, दिल्ली ब्लास्ट को लेकर जो जांच हो रही है, उसमें अब तक लश्कर का कोई कनेक्शन नहीं निकला है। 1987 में लश्कर-ए-तैयबा नामक आतंकी संगठन की स्थापना पाकिस्तान में हुई थी। लश्कर पर अब तक भारत में 5 बड़े टेरर हमले कराने का आरोप है। इनमें मुंबई का आतंकी हमला सबसे बड़ा है। साल 2008 में मुंबई पर लश्कर ए तैयबा के आतंकियों ने सिलसिलेवार तरीके से हमला किया था। इस आतंकी हमले में 166 लोग मारे गए। वहीं 300 से ज्यादा लोग घायल हुए। लश्कर पर जैश-ए-मोहम्मद और द रेजिडेंट फ्रंट जैसे आतंकी संगठनों के साथ मिलकर भी आतंकी वारदातों को अंजाम देने का आरोप है। साउथ एशिया टेररिज्म पोर्टल के मुताबिक लश्कर में करीब 5000 आतंकी वर्तमान में एक्टिव है। लश्कर के सभी आतंकियों की ट्रेनिंग पाकिस्तान में ही होती है। 2025 के मई महीने में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने लश्कर के कई ठिकानों पर हमला किया था। लश्कर के मुरीदके स्थित मस्जिद को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया था। जैश के बाद लश्कर को इस ऑपरेशन में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ था।

सवाल- हाफिज सईद अभी है कहां पर?

लश्कर के कमांडर सैफुल्लाह एक वीडियो में हाफिज सईद के चुप न बैठने की बात कह रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि हाफिज सईद है कहां पर? 77 साल से आतंकी हाफिज सईद पहलगाम आतंकी हमला के बाद से ही अंडरग्राउंड है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हाफिज के बेटे तल्हा का एक बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस बयान में तल्हा ने कहा कि भारत की सेना मेरे पिता को मारने के लिए ढूंढ रही है, लेकिन उन्हें हमने एक ऐसे सुरक्षित जगह रखा है, जहां कोई पहुंच नहीं सकता है। 30 जून को हाफिज सईद का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें हाफिज बीमार नजर आ रहा था।

इसी के कुछ दिन बाद पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने एक इंटरव्यू में हाफिज सईद के लोकेशन को लेकर बयान दिया। बिलावल ने कहा कि हो सकता है आतंकी अफगानिस्तान में छिपा हो। भारत अगर ढूंढने की कोशिश करेगा, तो हम सहयोग करेंगे। इसी साल 2 नवंबर को लाहौर में हाफिज सईद ने एक रैली का कार्यक्रम रखा था, जिसे आखिरी वक्त में पोस्टपोन कर दिया गया। इसे सुरक्षा की वजहों से पोस्टपोन किया गया। इस कार्यक्रम का एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें आयोजक जल्द ही हाफिज की रैली कराने की बात कह रहे हैं। कुल मिलाकर कहा जाए तो हाफिज सईद फिर से लाहौर के आसपास सक्रिय है।

राम मंदिर के चंदे को लेकर दिग्विजय सिंह रखेंगे पक्ष

इंदौर हाईकोर्ट में लगी जनहित याचिका में हुई सुनवाई; 27 नवंबर को होंगे पेश

इंदौर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राम मंदिर का चंदा एकत्रित किए जाने को लेकर लगी एक जनहित याचिका के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह 27 नवंबर को हाई कोर्ट में अपना पक्ष रखेंगे। याचिकाकर्ता की ओर से सोमवार को एडवोकेट रविंद्र छाबड़ा ने पक्ष रखा था। उन्होंने कोर्ट से कहा कि इस केस को लेकर सिंह भी कुछ तथ्य कोर्ट के सामने रखना चाहते हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि अगर वे आना चाहते हैं तो 27 नवंबर 2025 को आ सकते हैं। हालांकि पिछली सुनवाई पर भी सिंह कोर्ट पहुंचे थे, लेकिन अपनी बात नहीं रख पाए थे।

2021 में लगाई थी जनहित याचिका

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने इंदौर हाई कोर्ट की डबल बेंच में 2021 में एक जनहित याचिका लगाई थी। उसमें कहा गया था कि राम मंदिर निर्माण को लेकर देशभर में जो चंदा एकत्रित किए जाने का काम किया जा रहा है। उसके कारण कई सांप्रदायिक घटनाएं भी देशभर में हो रही हैं। इन पर नियंत्रण लगाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भी आदेश जारी किया था। उसके बावजूद देश के अलग-अलग हिस्सों में घटनाएं थम नहीं रही हैं। जबकि इंटेलिजेंस के पास इसको लेकर पहले से इनपुट भी थे, फिर भी सरकार इन घटनाओं को रोक पाने में असफल साबित हो रही है।

दिग्विजय सिंह ने भी भेजा था चंदे का चेक

बता दें, 5 साल पहले दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर निर्माण में योगदान के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को 1 लाख 11 हजार 111 रुपए का चेक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के माध्यम से भेजा था। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री को एक पत्र भी भेजा था। जिसमें उन्होंने अपील की थी कि राम मंदिर के लिए देश में लोगों से चंदा एकत्रित करने का काम सौहार्दपूर्ण वातावरण में होना चाहिए। साथ ही, उन्होंने मांग की है कि विश्व हिंदू परिषद पुराने चंदे का लेखा-जोखा जनता के सामने प्रस्तुत करे।

शॉपर्स स्टॉप वालों ने कस्टमर से कैरी बैग के लिए 13 रुपये, अब लौटाने पड़ेंगे 26 हजार

गुरुग्राम, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे गुरुग्राम के शॉपर्स स्टॉप पर कैरी बैगी के 13 रुपये वसूलने पर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने जुर्माना लगाया है। आयोग ने इसे सेवा में कमी और अनुचित व्यवहार बताते हुए 13 रुपये ब्याज सहित लौटाने, 15 हजार रुपये मानसिक उत्पीड़न और 11 हजार रुपये केस खर्च देने का आदेश दिया है। शिकायतकर्ता दीपिका जैन ने 18 अगस्त 2023 को दुकान से 28 हजार 698 रुपये का सामान खरीदा था। बिल में कैरी बैग के 13 रुपये अतिरिक्त जोड़े गए। दीपिका ने कहा था कि सामान डिलीवर करने योग्य बनाने की जिम्मेदारी विक्रेता की है, बैग के लिए अलग शुल्क अवैध है। शॉपर्स स्टॉप की ओर से इस पर कोई जवाब नहीं दिया गया।

कोर्ट ने लगाया ये जुर्माना

आयोग सदस्य खुशविंदर कौर की पीठ ने कहा कि सेल ऑफ गुड्स एक्ट-1930 की धारा 36(5) के तहत पैकेजिंग खर्च विक्रेता वहन करेगा।

शिकायतकर्ता ने बिल सहित अन्य कागज भी पेश किए। कोर्ट ने 13 रुपये ब्याज सहित वापस करने, 15 हजार रुपये मानसिक उत्पीड़न और 11 हजार रुपये केस के खर्च के देने का आदेश दिया। वहीं एक अन्य मामले में महिला की शिकायत पर सूरत के कपड़ा विक्रेता पर जुर्माना लगाया गया है। ब्याज सहित रकम लौटाने का भी निर्देश दिया गया है। महिला 2099 रुपये का ऑनलाइन सूट मंगवाया था जिसकी क्वालिटी बहुत ही खराब थी। रिप्लेसमेंट और रिफंड की मांग पर कोई जवाब नहीं दिया गया। विक्रेता कोर्ट में भी पेश नहीं हुआ, इसपर एकतरफा कार्रवाई की गई। कोर्ट ने 28 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

लोडिंग ऑटो ने महिला को टक्कर मारी, मौत

भोपाल, 11 नवंबर (एजेंसियां)। भोपाल के लालघाटी में लोडिंग ऑटो की टक्कर से महिला की मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह 9 बजे की है। महिला काम पर जाने के लिए घर से निकली थी। हादसे के बाद आरोपी ऑटो को छोड़कर मौके से फरार हो गया। कोहेफिजा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मुन्नी बाई वर्मा (50) नयापुरा लालघाटी में रहती थीं।

वह विजय नगर में स्थित एक बंगले में काम करती थीं। सुबह करीब नौ बजे काम पर जाने के लिए पैदल घर से निकली थीं। लालघाटी चौराहा पर सड़क पार करते समय लोडिंग वाहन ने उन्हें सामने से टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके पर वाहन को छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों ने महिला को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई।

मॉडल की संदिग्ध मौत के बाद उठे कई सवाल, 'लव जिहाद' का आरोप

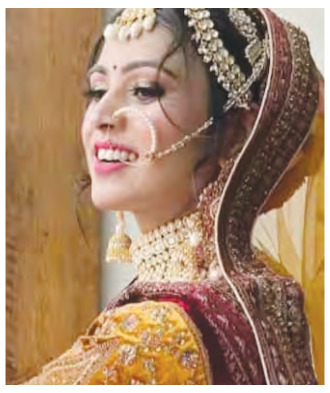

भोपाल, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 'लव जिहाद' का खौफनाक 'अंजाम' सामने आया है, जहां एक मॉडल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। हत्या की आशंका के साथ इसे लव जिहाद का नतीजा बताया जा रहा है। लड़की हिंदू और आरोपी मुस्लिम है। आरोपी ने दोस्ती के समय अपना नाम हिंदू बताया था। पुलिस मामले की जांच में लगी है।

मिली जानकारी के अनुसार, भोपाल की रहने वाली लड़की के परिजनों को देर रात बॉयफ्रेंड कासिम अहमद ने फोन किया था और कहा था कि लड़की का शरीर अकड़ गया है, जिसे लेकर वह निजी अस्पताल पहुंचा और चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लड़की के परिजनों ने कहा कि बेटी के शरीर पर चोट के निशान थे, जिससे यह बात साफ होती है कि मारपीट की गई थी। इतना ही नहीं, बेटी के साथ जो हुआ है, वह लव जिहाद है। उन्होंने कहा कि आरोपी कासिम ने हिंदू नाम बता कर लड़की से दोस्ती की थी और बाद में वह उसे परेशान करने लगा था। परिजनों ने कहा कि बेटी शादी के लिए तैयार नहीं थी, मगर कासिम बार-बार उस पर दबाव बना रहा था। साथ ही वह अपने साथ दुबई ले जाने की बात भी कहता था।

जब लड़की उसके साथ शादी करने के लिए तैयार नहीं हुई तो उसने उसकी हत्या कर दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। साक्ष्य इकट्ठे किए जा रहे हैं।

बालाघाट में युवती की गला रेतकर हत्या

बालाघाट, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बालाघाट में दिनदहाड़े एक युवती की गला रेतकर हत्या कर दी गई। हत्या का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी युवती के गले पर चाकू से वार करते नजर आ रहा है। ये वीडियो मौके पर मौजूद लोगों ने ही बनाया है, लेकिन युवती को बचाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। घटना बैहर के समनापुर चौक पर मंगलवार दोपहर को हुई। युवती की हत्या से परिजन और ग्रामीणों में आक्रोश है।

पुलिस हालात काबू करने में लगी है। आरोपी को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि प्रेम प्रसंग में युवती की हत्या की गई है। युवती की पहचान समनापुर निवासी रितु भंडारकर के रूप में हुई है। एएसपी आदर्श-कांत शुक्ला ने बताया शव पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल में रखा गया है।

आजम खान को बड़ी राहत: हेट स्पीच में रामपुर कोर्ट ने किया बरी पर अभी भी नहीं लड़ पाएंगे चुनाव

रामपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रामपुर में एमपी-एमएलए कोर्ट ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आज़म खान को 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान हेट स्पीच के आरोप में बरी कर दिया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित वीर सिंह ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष अपने केस को साबित करने में नाकाम रहा। यह फैसला आज़म के लिए बड़ी राहत है, हालांकि अन्य मामलों की वजह से वह अभी भी चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। मामला 2019 लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान का है। 23 अप्रैल को रामपुर के मिलक थाना क्षेत्र के खटानागरिया गांव में आज़म खान ने एक चुनावी सभा को संबोधित किया था।

सभा में उन्होंने तत्कालीन रामपुर डीएम अन्जनेय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस उम्मीदवार संजय कपूर पर कथित रूप से तीखी टिप्पणियां की थी। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि आज़म ने चुनाव आयोग को 'भ्रष्ट' बताते हुए मतदाताओं को ध्रुवीकरण के लिए उकसाया। यह भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए (समूहों के बीच वैमनस्य फैलाना), 505 (सार्वजनिक शरारत के लिए बयान) और प्रतिनिधित्व ऑफ पीपल एक्ट की धारा 125 के तहत अपराध था।

24 अप्रैल को दर्ज हुआ था मुकदमा

अगले ही दिन, 24 अप्रैल 2019 को तत्कालीन एसडीएम ने सिविल लाइंस कोतवाली में आज़म के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। शिकायत में चुनाव आयोग की वीडियो मॉनिटरिंग टीम के इंचार्ज अनिल कुमार चौहान का जिक्र था, जिन्होंने सभा का वीडियो रिकॉर्ड किया। मुकदमे में कहा गया कि आज़म के बयानों से सामुदायिक तनाव बढ़ा और चुनावी माहौल बिगड़ा। एमपी-एमएलए कोर्ट में मामला पहुंचा। अक्टूबर 2022 में निचली अदालत ने आज़म को दोषी ठहराया और तीन साल की सजा सुनाई, जिसके चलते उनकी विधायकी रद्द हो गई। रामपुर सदर सीट पर उपचुनाव हुआ, जो भाजपा के आकाश सक्सेना ने जीता।

आज़म ने फैसले के खिलाफ अपील की, और दोनों पक्षों की बहस पिछले हफ्ते पूरी हो गई। आज कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि निचली अदालत ने बयान के संदर्भ को न समझे बिना और सबूतों की ठीक से जांच किए बिना नतीजा निकाला, जो अवैध था। अभियोजन पक्ष के गवाहों ने भी दबाव में बयान देने की बात कबूली। आज़म के वकील जुएर अहमद ने कहा, "यह न्याय की जीत है। भाषण चुनावी बहस का हिस्सा था, न कि हेट स्पीच।"

सीमा पार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, हथियारों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़, 11 नवंबर (एजेंसियां)। फिरोजपुर पुलिस ने एक सीमा पार हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ कर दो आरोपियों गुरप्रीत सिंह उर्फ गोरी और विक्रमजीत सिंह उर्फ विक्की को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 6 ग्लॉक 9 मिमी पिस्तौल, 4 मैगजीन और 4 कारतूस बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी विक्रमजीत सिंह अवैध हथियारों की तस्करी में शामिल एक पाकिस्तानी तस्कर के साथ सीधे संबंध रखता था। उसके खुलासे पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने दो अतिरिक्त ग्लॉक पिस्तौल बरामद कीं। उसने अपने पाकिस्तानी आकाओं के निर्देश पर स्थानीय संपर्कों को हथियार सप्लाई करने की बात भी कबूल की। उसकी गिरफ्तारी से उसी सीमा पार नेटवर्क से एके-47 राइफल की खरीद से जुड़े एक पुराने मामले का भी पता लगाने में मदद मिली।

तमिलनाडु के अरियालूर में गैस सिलेंडर से भरा ट्रक पलटा, कई धमाकों से दहला इलाका

अरियालूर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के अरियालूर में एक बड़ा हादसा हुआ। एक ट्रक जिसमें गैस सिलेंडर भरे थे, वो अचानक पलट गया। इसके बाद लगातार कई सिलेंडरों में आग गई। एक के बाद एक धमाके के बाद पूरा इलाका दहल गया। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को अरियालुर के पास वरणावासी में एक ट्रक एलपीजी सिलेंडर ले जा रहा था, जो पलट गया और उसमें धमाकों के बाद आग लग गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रक चालक ने नियंत्रण खो दिया था, जिससे ये हादसा हुआ। ट्रक पलटने के बाद किसी तरह से ड्राइवर बाहर कूद गया। वह मामूली तौर पर जख्मी हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसे अरियालुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, ट्रक पूरी तरह से जल गया। इसमें रखे सिलेंडरों के फटने की आवाज करीब 2 किलोमीटर तक सुनाई दी। ब्लास्ट के बाद हर तरफ फैल गई, जिससे आसपास के लोगों में भी दहशत का माहौल बन गया।

हादसे के बाद ट्रैफिक को भी डायवर्ट कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, अरियालुर जाने वाली सभी गाड़ियों को वी। कैकट्टी के रास्ते से जाने की सलाह दी गई है। सूचना मिलते ही अरियालुर के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक भी हादसे वाली जगह पर पहुंच गए हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: शालीनता से बात करिए जनाब, इज़्ज़त मुफ्त में मिलेगी! तुम्हारी खूबियाँ ही तुम्हारा, मार्गदर्शन करती है!

मैं शीघ्र निर्णय लेने वाला व्यक्ति : मोहम्मद अज़हरुद्दीन

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस और अल्पसंख्यक कल्याण दिवस मना

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के तत्वावधान में आज हैदराबाद स्थित रवींद्र भारती में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस और अल्पसंख्यक कल्याण दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी और स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री, भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अल्पसंख्यक कल्याण एवं लोक उद्यम मंत्री, मोहम्मद अज़हरुद्दीन उपस्थित रहे। तेलंगाना उर्दू अकादमी के अध्यक्ष, ताहिर बिन हमदान ने समारोह की अध्यक्षता की, जबकि सरकार के सलाहकार, मोहम्मद अली शब्बीर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में अपना संबोधन देते हुए, अल्पसंख्यक कल्याण एवं लोक उद्यम मंत्री, मोहम्मद अज़हरुद्दीन, जिन्होंने कल मंत्रालय का कार्यभार संभाला, ने कहा कि वे शीघ्र निर्णय लेने वाले व्यक्ति हैं और उन्होंने कल्याणकारी पहलों को उसी गति से लागू करने के लिए अधिकारियों से सहयोग का अनुरोध किया। पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी, जहाँ उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके उल्लेखनीय योगदान और शिक्षा पर उनके दूरदर्शी ज़ोर के लिए मौलाना अबुल कलाम आज़ाद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मंत्री ने शिक्षा, सशक्तिकरण और समान अवसरों के माध्यम से अल्पसंख्यकों के उत्थान और समग्र विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर, सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने स्मरण किया कि मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ने भारत की स्वतंत्रता के बाद, राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, देश के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य करना चुना। पवित्र कुरान की पहली आयत, "इकरा" - जिसका अर्थ है "पढ़ना" - का हवाला देते हुए, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रत्येक धर्म ज्ञान के मूल्य को बनाए रखता है। इस अवसर पर, तेलंगाना उर्दू अकादमी ने पत्रकारिता, कविता, शिक्षा, समाज सेवा, शोध और आलोचना, कथा साहित्य और उर्दू के प्रचार-प्रसार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उर्दू भाषा और साहित्य में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित साहित्यकारों को सम्मानित किया। कुल 18 पुरस्कार प्रदान किए गए। मंत्री ने तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसाइटी, तेलंगाना अल्पसंख्यक वित्त निगम, अल्पसंख्यक शैक्षिक विकास केंद्र, तेलंगाना अल्पसंख्यक अध्ययन मंडल और दैरातुल मआरिफ़िल उस्मानिया द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टालों का भी निरीक्षण किया।

कोथुर में रियल एस्टेट साइट पर टाइल मिस्त्री की हत्या

सिर पर भारी वस्तु से हमला, दो सहकर्मी हिरासत में

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके कोथुर में मंगलवार को एक रियल एस्टेट परियोजना में काम कर रहे टाइल मिस्त्री की हत्या कर दी गई।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान बिहार निवासी मोहम्मद शम्सू (26) के रूप में हुई है, जो पिछले कुछ हफ्तों से निर्माणाधीन इमारत में काम कर रहा था। सोमवार रात वह अपने सहकर्मियों के साथ वहीं सोया हुआ था। मंगलवार सुबह उसका शव खून से लथपथ हालत में मिला, उसके सिर पर भारी वस्तु से वार के निशान थे।

सूचना मिलने पर कोथुर पुलिस मौके पर पहुँची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने पूछताछ के लिए दो सहकर्मियों को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका जताई गई है, हालांकि हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

कविता ने विस्थापित परिवारों को सहायता का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसएलबीसी परियोजना से विस्थापित परिवारों को पूर्ण सहायता का वादा करते हुए, विधान पार्षद और तेलंगाना जागृति अध्यक्ष के. कविता ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सभी सरकारें लंबे समय से लंबित सिंचाई कार्य पूरा करने में विफल रहीं और प्रभावित ग्रामीणों की उपेक्षा की।

कविता ने याद दिलाया कि हालाँकि नक्कलगंडी परियोजना को पहले के एसएलबीसी डिज़ाइन के आधार पर शुरू किया गया था, लेकिन परियोजना का कार्यान्वयन वर्षों तक चलता रहा। उन्होंने कहा, "तेलंगाना राज्य बनने के बाद भी, केवल 8 किलोमीटर सुरंग निर्माण का प्रयास किया गया और वह भी तकनीकी समस्याओं के कारण रोकना पड़ा।" जागृति नेता ने पिछली कांग्रेस सरकार पर तकनीकी खामियों को नज़रअंदाज़ करने और परियोजना को जल्दबाज़ी में पूरा करने का आरोप लगाया, जिसके कारण एक बड़ी दुर्घटना हुई जिसमें आठ श्रमिकों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि नक्कलगंडी और आसपास की बस्तियों के ग्रामीण अभी भी असुरक्षित परिस्थितियों में रह रहे हैं, जबकि मोथ्या थांडा के निवासी गंभीर संकट में हैं। कविता ने आरोप लगाया कि मौजूदा ठेका एक राज्य मंत्री के स्वामित्व वाली कंपनी से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि काम में गुणवत्ता की कमी है और मामूली बाढ़ भी समस्याएँ पैदा कर रही है। उन्होंने परियोजना को तुरंत पूरा करने और सभी विस्थापित परिवारों, जिनमें अब 18 वर्ष के हो चुके परिवार भी शामिल हैं, को उचित मुआवज़ा देने की माँग की।

कविता ने कहा कि ज़मीन की कीमतों में भारी वृद्धि के बावजूद कई परिवारों को केवल 2 लाख रुपये की पेशकश की गई। उन्होंने कहा, "लोगों को अपने घर औने-पौने दामों पर बेचने की धमकी दी जा रही है। वे इस अन्याय को बर्दाश्त नहीं करेंगे।" उन्होंने आगे कहा कि बरलापाडु थांडा के पूरी तरह जलमग्न हो जाने के बाद भी सरकार ने 'किसानों की परवाह नहीं की'।

कांग्रेस पर मतदाताओं को पैसे बाँटने का आरोप

बीआरएस ने चुनाव आयोग से की शिकायत, निष्पक्ष जांच की माँग

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने मंगलवार को जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान कांग्रेस पर धन वितरण का आरोप लगाते हुए भारत के चुनाव आयोग, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और रिटर्निंग अधिकारियों से औपचारिक शिकायत की है।

बीआरएस का आरोप है कि वेंगलराव नगर डिवीजन के बूथ संख्या 203 पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी उम्मीदवार वी. नवीन यादव के समर्थन में मतदाताओं को खुलेआम नकद पैसे बाँटे।

बीआरएस नेताओं और विधि प्रकोष्ठ के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह कार्रवाई आदर्श आचार संहिता और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का स्पष्ट उल्लंघन है।

उन्होंने स्थानीय पुलिस पर भी लापरवाही का आरोप लगाया और कहा कि पुलिस अधिकारियों ने अवैध गतिविधि देखने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की।

बीआरएस ने चुनाव आयोग से माँग की है कि इस मामले में तुरंत जांच कराई जाए, दोषी पुलिस अधिकारियों को निलंबित या स्थानांतरित किया जाए और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों या केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की जाए ताकि मतदान प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष बनी रहे।

पार्टी ने इस घटना को लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ भ्रष्ट आचरण बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बस में लगी आग, यात्री सुरक्षित

वेलिमिनेडु गांव के पास बड़ा हादसा, सतर्क चालक ने बचाई सभी की जान

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार तड़के नलगोंडा जिले के वेलिमिनेडु गांव के पास एक निजी ट्रैवल्स की बस में आग लग गई। हादसे में सभी यात्री बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार, विहारी ट्रैवल्स की यह वातानुकूलित स्लीपर बस हैदराबाद से आंध्र प्रदेश के कंदुकुर जा रही थी। बस ने आधी रात को हैदराबाद से अपनी यात्रा शुरू की थी और जब वह वेलिमिनेडु गांव के पास पहुंची, तभी उसमें अचानक आग लग गई। चालक ने धुआं उठता देख तुरंत बस रोक दी और यात्रियों को जगा दिया। सभी यात्री खिड़कियों के शीशे तोड़कर बाहर निकल आए। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया और वह जलकर राख हो गई। बताया गया है कि बस में करीब 20 यात्री सवार थे। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, बस नागालैंड नंबर पर पंजीकृत थी। पुलिस और दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और जांच शुरू कर दी है।

गैर-स्थानीय कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी पर चुनाव आयोग सख्त

जुबली हिल्स उपचुनाव में कार्रवाई के निर्देश, कई केंद्रों पर मतदान धीमा रहा

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के चुनाव आयोग ने जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में गैर-स्थानीय कांग्रेस विधायकों और विधान पार्षदों की मौजूदगी को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आयोग ने उन रिपोर्टों पर नाराजगी जताई है जिनमें कहा गया था कि कांग्रेस विधायक बीरला इलैया, रामचंद्र नाइक और एमएलसी शंकर मतदान केंद्रों पर घूमकर मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे।

सूत्रों के अनुसार, एमएलसी शंकर रहमत नगर संभाग के एसडी पॉइंट होटल में अपने समर्थकों के साथ हंगामा करते देखे गए, जबकि विधायक रामचंद्र नाइक एक अन्य मतदान केंद्र पर मौजूद थे। आलेर विधायक बीरला इलैया रहमत नगर के एक बूथ के पास मतदाताओं से बातचीत करते नजर आए। बीआरएस ने इन नेताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और आरोप लगाया है कि वे मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे थे।

वेंगलराव नगर के बूथ संख्या 79 पर भी तनाव की स्थिति बन गई, जहाँ कांग्रेस विधायक मट्टा रागामयी के पति मट्टा दयानंद पर मतदान पर्चियाँ बाँटने और मतदाताओं को लुभाने का आरोप लगा। बीआरएस ने इस मामले में भी निर्वाचन अधिकारी को शिकायत सौंपी। इस बीच, कई मतदान केंद्रों पर ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण मतदान देरी से शुरू हुआ, जिससे सुबह नौ बजे तक केवल 10.2 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, मशीनों की मरम्मत के बाद मतदान धीरे-धीरे सामान्य हो गया।

गृह प्रवेश समारोह में हमला, ट्रांसजेंडर समूह पर आरोप

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। उपनगरीय क्षेत्र कीसरा के चिरयाल स्थित बालाजी एन्क्लेव में सोमवार को गृह प्रवेश समारोह के दौरान एक व्यक्ति और उसके परिवार पर ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के एक समूह द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार, घर के मालिक सदानंद ने बताया कि समारोह के दौरान ट्रांसजेंडर व्यक्तियों का एक समूह आया और उत्सव के लिए एक लाख रुपये की मांग की। जब उन्होंने रकम देने से इनकार किया, तो करीब 15 लोग तीन ऑटो-रिक्शा में पहुंचे और परिवार के सदस्यों से झगड़ा करने लगे। इसके बाद उन्होंने लाठियों से हमला किया, जिससे परिवार के कुछ सदस्य घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही कीसरा पुलिस मौके पर पहुँची और घायल परिवार को अस्पताल भेजा। सदानंद की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हमलावरों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पटरियों पर किसी भी व्यवधान के बारे में अधिकारियों की सूचना दी जाए : संजय श्रीवास्तव

आउटसोर्सिंग कर्मचारी पहचान पत्र प्रबंधन वेब एप्लिकेशन का शुभारंभ

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को पूरे क्षेत्र में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर रेल निलयम, सिकंदराबाद में, एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में सत्य प्रकाश, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे

और प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ ही सभी छह मंडलों, अर्थात् सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंतकल और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। दक्षिण मध्य रेलवे ने आउटसोर्सिंग कर्मचारी पहचान पत्र प्रबंधन (ओईआईडी) वेब एप्लिकेशन की शुरुआत के साथ आउटसोर्स किए गए कर्मियों के लिए पहचान सत्यापन को सुव्यवस्थित करने के लिए एक नई डिजिटल पहल शुरू की है। महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव द्वारा उद्घाटन किए गए इस ओईआईडी सिस्टम को दो

समर्पित मॉड्यूल - विभाग (प्रशासनिक) और ठेकेदार - के माध्यम से क्यूआर-आधारित आईडी कार्ड बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्लेटफ़ॉर्म भूमिका-आधारित पहुँच, ओटीपी-आधारित लॉगिन, दस्तावेज़ अपलोड (फ़ोटो, आधार और चिकित्सा प्रमाणपत्र सहित) जैसी सुविधाओं के साथ सुरक्षित और कुशल प्रसंस्करण सुनिश्चित करता है, साथ ही आईडी जारी करने से पहले दो-स्तरीय सत्यापन और अनुमोदन प्रक्रिया भी प्रदान करता है। श्री श्रीवास्तव ने एक केंद्रित सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें किसी भी फील्डवर्क को शुरू करने से पहले विधि और पर्यवेक्षण विवरण प्राप्त करने के महत्व पर ज़ोर दिया गया। उन्होंने ट्रेन संचालन या पटरियों पर किसी भी व्यवधान या असामान्य घटना के बारे में उच्च अधिकारियों को समय पर सूचित करने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में सर्दियों की तैयारियों पर भी चर्चा की गई, जिसमें सिग्नलिंग सिस्टम, ट्रेन लाइटिंग और एयर कंडीशनिंग प्रदर्शन पर विशेष ध्यान दिया गया और आगामी महीनों के दौरान परिचालन तत्परता सुनिश्चित की गई। अतिरिक्त सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा की गई, जिनमें समपारों पर कमियाँ, अग्नि सुरक्षा अलार्म, माल और कोच अलार्म (विशेषकर एलएचबी कोचों में), केबल अखंडता और मवेशियों के कुचलने की घटनाएँ शामिल थीं। श्री श्रीवास्तव ने दुर्घटना जाँच प्रोटोकॉल की भी समीक्षा की और अंतर-विभागीय समन्वय के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सभी विभागों में सुरक्षा और रखरखाव गतिविधियों के सुचारू क्रियान्वयन के लिए अग्रिम कार्यक्रम योजनाएँ जारी करने का आह्वान किया, जिससे दक्षिण मध्य रेलवे की सक्रिय सुरक्षा प्रबंधन और परिचालन उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

92 वर्ष की लक्ष्मी देवम्मा ने मतदान कर पेश की मिसाल

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव में 92 वर्षीय लक्ष्मी देवम्मा ने लोकतांत्रिक भावना का एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया। कमजोर स्वास्थ्य और सीमित गतिशीलता के बावजूद उन्होंने मंगलवार को मतदान केंद्र पहुंचकर अपना वोट डाला।

वेंगल राव नगर डिवीजन की निवासी देवम्मा दोपहर में अपने परिवार के सदस्यों के साथ कार से मतदान केंद्र पहुंचीं। उनकी स्थिति को देखते हुए मतदान कर्मचारियों ने उन्हें व्हीलचेयर उपलब्ध कराई और आराम से मतदान करने में सहायता की। इस उम्र में भी देवम्मा का मतदान के प्रति समर्पण लोकतंत्र के प्रति हर नागरिक के कर्तव्य और जागरूकता का संदेश देता है। उनके इस कदम की सभी ने सराहना की।

बीआरएस उम्मीदवार सुनीता ने पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगाया

कांग्रेस नेताओं को संरक्षण देने और नियम तोड़ने का लगाया आरोप

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान बीआरएस उम्मीदवार मगंती सुनीता गोपीनाथ ने पुलिस पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के पक्ष में काम करने का गंभीर आरोप लगाया। मंगलवार को मतदान के दौरान पुलिस की कथित निष्क्रियता पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हरकतों पर चुप है और उन्हें संरक्षण दे रही है।

सुनीता ने आरोप लगाया कि बोराबंडा संभाग के एक मतदान केंद्र में निरीक्षण के दौरान उन्हें अंदर जाने से रोक दिया गया, जबकि कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को खुलेआम घूमने की अनुमति दी गई। उन्होंने सवाल किया, जब कांग्रेस के नेता और गुंडे खुलेआम नियम तोड़ रहे हैं, तो हमसे ही नियमों का पालन क्यों करवाया जा रहा है?

उन्होंने बताया कि बोराबंडा में कांग्रेस समर्थक मतदाताओं को धमका रहे थे और आशा कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी गई थी कि यदि उन्होंने कांग्रेस का समर्थन नहीं किया तो उनकी नौकरी खतरे में पड़ जाएगी।

सुनीता ने कहा कि यह लोकतंत्र के खिलाफ खुली धमकी है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। बीआरएस उम्मीदवार ने उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के सिद्धार्थ नगर स्थित मतदान केंद्र संख्या 120 पर बड़े काफिले के साथ जाने की भी निंदा की और इसे चुनाव आचार संहिता का सीधा उल्लंघन बताया। उन्होंने सवाल उठाया, जब आदर्श आचार संहिता लागू है, तो पुलिस इस तरह की गतिविधियों की अनुमति कैसे दे सकती है?

जंगली सूअरों ने ऑटो-रिक्शा को मारी टक्कर, तीन लोग घायल

लक्ष्मीदेवीपल्ली मंडल में हुई असामान्य घटना

कोत्तागुडेम, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के लक्ष्मीदेवीपल्ली मंडल में मंगलवार को एक असामान्य घटना में जंगली सूअरों के झुंड ने येलंडु गेस्ट हाउस के पास एक ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे वाहन में सवार तीन लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चार जंगली सूअर अचानक सड़क पर आ गए और तेज़ी से दौड़ते हुए ऑटो-रिक्शा से टकरा गए। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि ऑटो पलट गया और उसमें सवार यात्री घायल हो गए। घटना में एक जंगली सूअर भी घायल हुआ और वाहन को नुकसान पहुँचा।

स्थानीय लोगों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद अधिकारी मौके पर पहुँचे और घायल जंगली सूअर को प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय पशु चिकित्सालय भेजा। उपचार के बाद उसे पास के जंगल में छोड़ दिया गया। बताया गया है कि इससे पहले भी इस इलाके में सड़क पर भारतीय बाइसन और जंगली जानवरों के देखे जाने की घटनाएँ हो चुकी हैं।

उपचुनाव में दलों ने झोंकी ताकत

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में मतदान समाप्त होने में अब केवल दो घंटे शेष रह गए हैं, ऐसे में विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं। एर्रागड्डा, नटराज नगर, बोराबंडा, स्वराज नगर, वेंगल राव नगर और आसपास के इलाकों में पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील कर रहे हैं।

दोपहर दो बजे के बाद अधिकांश मतदान केंद्रों पर मतदान प्रतिशत में गिरावट दर्ज की गई। इस बीच, विभिन्न दलों के उम्मीदवार भी मतदान केंद्रों का दौरा कर मतदान प्रक्रिया का जायज़ा लेते देखे गए। पुलिस ने फ़र्ज़ी मतदान को रोकने के लिए जाँच और गश्त को तेज़ कर दिया है। वहीं, मतदान वाले क्षेत्रों में दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे।

दिल्ली धमाके में श्रावस्ती के दिनेश की मौत

बहराइच, 11 नवंबर (एजेंसियां)। रविवार रात दिल्ली में हुए धमाके में श्रावस्ती के इकौना थाना क्षेत्र के चिकनीपुरवा गांव निवासी दिनेश मिश्रा (34) की भी मौत हो गई। आधार न होने से उसका शव अज्ञात में रखा गया था। मृतक दिनेश के भाई गुड्डु ने बताया कि दिनेश मिश्रा दिल्ली में कार्ड की दुकान में काम करते थे। उनकी शादी हो चुकी है और बच्चे भी हैं। परिवार गांव पर रहता है।

वहीं, रविवार को धमाके के बाद ही यूपी में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। साथ ही राम मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि डीजीपी के निर्देश पर सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील धार्मिक स्थलों, जिलों और सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के आदेश दिए गए हैं।

गश्त, चेकिंग और निगरानी बढ़ा दी गई है। लखनऊ समेत प्रमुख शहरों में पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की गई है। साथ ही रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और बाजारों में भी सुरक्षा बाढ़ की गई। अधिकारियों ने आम जनता से अपील की गई है कि वे किसी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

यूपी में एसआईआर को लेकर अखिलेश यादव का बड़ा ऐलान

जाएंगे सुप्रीम कोर्ट

लखनऊ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान आधार कार्ड को पहचान पत्र के रूप में स्वीकार न करने के फैसले पर समाजवादी पार्टी ने कमर कस ली है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की योगी सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने ऐलान किया कि सपा इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएगी और जनता के वोटिंग अधिकार की रक्षा करेगी।

अखिलेश यादव ने कहा, "आधार कार्ड देश का सबसे मजबूत और आधिकारिक पहचान पत्र है। केंद्र सरकार खुद इसे हर जगह मान्यता देती है, लेकिन यूपी में एसआईआर के नाम पर इसे खारिज कर रही है। यह सीधे-सीधे लोकतंत्र की हत्या है। गरीब, मजदूर, किसान और अल्पसंख्यकों के नाम वोटर लिस्ट से काटने की

सुनियोजित साजिश है।" उन्होंने आगे कहा, "चुनाव आयोग और राज्य सरकार मिलकर लाखों लोगों को वोट देने से वंचित करना चाहते हैं। हम यह बर्दाश्त नहीं करेंगे। समाजवादी पार्टी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी और आधार को मान्यता दिलवाएगी।"

उत्तर प्रदेश में 2026 विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण चल रहा है। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत नए वोटर जोड़ने, पुराने हटाने और संशोधन का काम हो रहा है। लेकिन राज्य निर्वाचन विभाग ने आधार कार्ड को पहचान प्रमाण के रूप में स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। इसके लिए पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड आदि को प्राथमिकता दी जा रही है।

सपा का आरोप है कि ग्रामीण इलाकों में अधिकांश लोगों के पास आधार के अलावा कोई मजबूत दस्तावेज नहीं है। आधार को न मानने से लाखों लोग मतदाता सूची से बाहर हो जाएंगे।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने अखिलेश के बयान को खारिज करते हुए कहा, "एसआईआर पूरी तरह पारदर्शी है। चुनाव आयोग के नियमों का पालन हो रहा है। अखिलेश जी को आधार की चिंता नहीं, वोट बैंक की चिंता है।

जो लोग फर्जी वोटर हैं, उनके नाम हट रहे हैं, इसमें घबराहट स्वाभाविक है।" राज्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया, "आधार को पूरी तरह खारिज नहीं किया गया है। इसे लिंक करने की प्रक्रिया अलग है। एसआईआर में पहचान के लिए निर्धारित 11 दस्तावेजों में से कोई एक मान्य है। कोई भी पात्र व्यक्ति वोटर लिस्ट से बाहर नहीं होगा।"

इरफान सोलंकी के खिलाफ गैंग्स्टर केस में कोर्ट में नहीं आया गवाह, अब 26 नवंबर को होगी सुनवाई

कानपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। अपर जिला जज आठ व एमपीएमएलए कोर्ट में अब सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ 26 नवंबर को सुनवाई होगी। इरफान की तरफ से कोर्ट में हाजिरी माफी का प्रार्थनापत्र लगाया गया। तत्कालीन थाना प्रभारी अशोक दुबे ने जाजमऊ थाने में सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवा सोलंकी, शौकत अली, इसराइल आटे वाला, मो। शरीफ, अज्जन उर्फ एजाज, मुर्सलीन खां उर्फ भोलू के खिलाफ गैंग्स्टर की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

इसमें कहा था कि यह गिरोह संगठित रूप से लोक व्यवस्था को अशांत करने, भौतिक और आर्थिक लाभ के लिए अपराध करता है। इस मुकदमे की सुनवाई थी। इरफान के अधिवक्ता शिवाकांत दीक्षित ने बताया कि अभियोजन की तरफ से गवाही करानी थी, लेकिन गवाह नहीं आ सका।

सरयू से संगम तक आम आदमी पार्टी की पदयात्रा

यूपी में संजय सिंह फूंकेंगे बदलाव का बिगुल

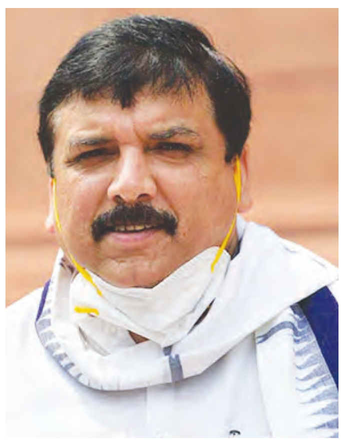

लखनऊ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में लंबे समय बाद ऐसा मौका आया है, जब सड़क पर निकली एक पदयात्रा सिर्फ राजनीतिक प्रदर्शन नहीं बल्कि जनता की उम्मीद बनकर सामने आ रही है। आम आदमी पार्टी ने 12 नवंबर से 24 नवंबर तक सरयू से संगम तक 180 किलोमीटर लंबी ऐतिहासिक पदयात्रा का ऐलान किया है। नाम है- "रोज़गार दो, सामाजिक न्याय दो", और नेतृत्व होगा राज्यसभा सांसद संजय सिंह के हाथों में। वही संजय सिंह, जो संसद से लेकर सड़क तक, हर मंच पर उत्तर प्रदेश के लोगों की आवाज बनकर खड़े रहे हैं। यह पदयात्रा सिर्फ पैरों की थकान से नहीं, बल्कि जनता के दर्द, आक्रोश और उम्मीदों से चलेगी। बेरोजगारी की मार झेल रहे युवा, फसल का दाम न मिलने से परेशान किसान, कुटीर और लघु उद्योग से जुड़े लोग, शिक्षक, आशा बहुएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता—हर कोई आज सरकार से जवाब चाहता है। लेकिन जब सत्ता चुप हो जाए, तब जनता की आवाज सड़क पर उतरती है। यही इस यात्रा की असली ताकत है।

संजय सिंह ने साफ कहा है कि यह यात्रा राजनीतिक रस्म नहीं, जनता के अधिकारों की लड़ाई है। बीजेपी सरकार ने रोजगार के नाम पर बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन आज उत्तर प्रदेश बेरोजगारों की सबसे बड़ी राजधानी बन गया है। सरकारी भर्तियां रुकी हैं, परीक्षाएं लटकी हैं, और पेपर लीक ने लाखों युवाओं का भविष्य छीन लिया है। किसान अपनी उपज का दाम पाने के लिए संघर्ष कर रहा है, गन्ना किसानों का भुगतान महीनों लटका रहता है, और छोटे उद्योग बंद होने से मजदूरों का चूल्हा ठंडा पड़ जाता है। सरकार के पास विज्ञापनों के लिए हजारों करोड़ हैं। लेकिन रोजगार और किसानों के लिए जवाब नहीं। इसी सन्नाटे को तोड़ने के लिए आम आदमी पार्टी सड़कों पर उतर रही है। 180 किलोमीटर की यह यात्रा अयोध्या की सरयू से शुरू होकर प्रयागराज के संगम तक जाएगी।

रास्ते में गांव, कस्बे, शहर, मोहल्ले-हर जगह जनता से संवाद होगा। लोग बताएंगे कि उन्हें रोजगार चाहिए, न्याय चाहिए, सुरक्षित भविष्य चाहिए। यात्रा में युवाओं, किसानों, शिक्षकों, समाजसेवियों और हर वर्ग के लोग शामिल होंगे। यह आंदोलन जनता की भागीदारी से खड़ा होगा, न कि सत्ता की कृपा से। इस पदयात्रा का थीम सॉन्ग "मैं देश बचाने निकला हूं" पहले ही चर्चाओं में है। मशहूर गायक अल्तमश फरीदी की आवाज और बिलाल भाई की लिखी पंक्तियों ने इसे भावनात्मक पहचान दी है। यह गीत सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि एक संदेश है, जो युवा, मजदूर और किसान के दिल की बात कहता है।

संजय सिंह की छवि एक ऐसे नेता की है जिसे खरीदना, डराना या चुप कराना आसान नहीं। उन्होंने संसद में घोटालों को उजागर किया, पेपर लीक पर आवाज उठाई, किसानों की लड़ाई लड़ी, और बार-बार सत्ता को आईना दिखाया। इसलिए यह यात्रा बीजेपी सरकार के लिए सिर्फ एक राजनीतिक चुनौती नहीं, बल्कि जनता के सवालों का सार्वजनिक चार्जशीट बनकर खड़ी है। सरयू से संगम तक की यह पदयात्रा उत्तर प्रदेश को याद दिलाएगी कि सत्ता जनता की होती है, जनता सत्ता की नहीं।

जब सरकार जवाब नहीं देती, तब सड़क न्याय का मंच बनती है। और इस बार जनता चुप नहीं है, जनता साथ चल रही है। यह शुरुआत है, और शुरुआत हमेशा सड़क से होती है।

तेजाब पिलाने और गैंगरेप की शिकार किशोरी की हालत बिगड़ी, कानपुर रेफर, एक आरोपी भी अरेस्ट

हमीरपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में नाबालिग किशोरी की गैंगरेप कर तेजाब पिलाए जाने से हालत बिगड़ जाने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। झांसी मेडिकल कालेज से रेफर की गई किशोरी को अब कानपुर हैलट के लिए रेफर किया गया है। हैवानियत की इस घटना में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जलालपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई घटना को लेकर गांव के लोग हतप्रभ हैं। बताते है कि कुछ दिन पहले नाबालिग किशोरी अपने घर में सो रही थी। तभी रात में तीन दीवाल फांदकर घर में घुस गए और किशोरी को उठाकर छत पर ले जाकर उसके साथ गैंगरेप किया।

घटना के बाद किशोरी को तेजाब उसे जबरन पिला दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। चीख पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तभी आरोपी धमकी देते भाग गया। परिजनों ने पीड़ित किशोरी को आननफानन इलाज के लिए नजदीक के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे झांसी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया है।

दिल्ली ब्लास्ट मामले में यूपी से 7 लोगों को लिया गया हिरासत में, एटीएस की बड़ी कार्रवाई

लखनऊ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सूत्रों के हवाले से बड़ी खबर सामने आई है। नई दिल्ली ब्लास्ट के बाद यूपी एटीएस और एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई की है। यूपी से सात लोगों को हिरासत में लेकर की जा पूछताछ रही है। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर और लखनऊ के युवकों से पूछताछ हो रही है। सहारनपुर से गिरफ्तार डॉक्टर आदिल से अस्पताल में मिलने आने वाले युवकों से भी पूछताछ की रही है।

अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज से जानकारी मिली है कि 7 से 8 लोग अक्सर रात को डॉक्टर आदिल से मिलने आते थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 7 नवंबर को सहारनपुर के अंबाला रोड स्थित फेमस हॉस्पिटल से डॉक्टर आदिल अहमद राठौर को हिरासत में लिया। आदिल, जो अनंतनाग निवासी हैं, उस पर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के समर्थन में पोस्टर लगाने का आरोप है। पुलिस का कहना है कि उन्होंने अनंतनाग में संगठन के पक्ष में पर्चे लगाए थे। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान होने के बाद कश्मीर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें सहारनपुर से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि डॉक्टर आदिल यहां किस-किसके संपर्क में था और उनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं, प्रशासन ने सभी स्टाफ को सतर्क रहने के खास निर्देश दिए हैं। इस बीच, पुलिस टीमें दोनों डॉक्टरों से जुड़े सभी संभावित कनेक्शन खंगाल रही हैं।

लाल किला ब्लास्ट मामले पर भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव ने जताया दुख, बोले- मैं पीडितों के साथ हूं

भोजपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में सोमवार(10 नवंबर) शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए धमाके में मारे गए और घायल लोगों के लिए भोजपुरी अभिनेता खेसारी लाल यादव ने दुख जताया है। यह घटना इतनी भयावह थी कि आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई, वाहनों के परखच्चे उड़ गए और धुएं का गुबार छा गया। मंगलवार (11 नवंबर) को खेसारी लाल यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए मृतकों और घायलों को लेकर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, दिल्ली के लाल किला में हुए धमाके में अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। छपरा से राजद प्रत्याशी खेसारी लाल यादव ने लिखा, जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, मैं उनके दुख में साथ खड़ा हूं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दे और पीड़ित परिजनों को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करे। यह घटना सोमवार शाम करीब 6 बजकर 55 मिनट पर दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास घटी।

ब्लास्ट इतना जोरदार था कि आसपास खड़ी गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। इस घटना में कई लोग मारे गए तो कई घायल हुए हैं। अभिनेता की बात करें तो वे राष्ट्रीय जनता दल की टिकट से छपरा सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। पहले चरण के चुनाव की वोटिंग हो गई है। खेसारी भी बिहार विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए चुनावी मैदानी जंग में पूरी तरह से मेहनत कर रहे हैं।

बिहार चुनाव में पप्पू यादव का दावा, सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा समेत हार रहे 12 मंत्री

पटना, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले सांसद पप्पू यादव ने एक बड़ा और सनसनीखेज बयान दिया है। उन्होंने दावा किया है कि इस बार बीजेपी को करारी हार मिलने वाली है और पार्टी के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा चुनाव हार रहे हैं। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में जनता एनडीए की सरकार से परेशान हो चुकी है। अब जनता बदलाव चाहती है और महागठबंधन इस चुनाव में आगे है। पप्पू यादव ने बीजेपी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह कोई ज्योतिष नहीं है, लेकिन बिना चोरी और नफरत के बीजेपी चुनाव नहीं जीत सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि जब तक ये मुसलमानों का नाम लेकर नफरत की राजनीति नहीं करेंगे, तब तक चुनाव नहीं जीत सकते है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी के 12 मंत्री और दोनों डिप्टी सीएम अपनी सीट हार रहे हैं। उन्होंने कहा कि लखीराय, सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा सब हार रहे हैं। जनता अब जाग चुकी है और यूथ बदलाव चाहता है।

पप्पू यादव ने कहा कि इस बार महिला मतदाताओं ने बड़ी संख्या में मतदान किया है। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं पेज थ्री कल्चर की हैं, वे मोदी के साथ हो सकती हैं, लेकिन आम महिलाएं अब बदलाव चाहती हैं। नीतीश कुमार की योजनाएं असफल रहीं और खुद उनके सहयोगी अब उनके खिलाफ खंजर चला चुके हैं। सीमांचल क्षेत्र में अमित शाह के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए पप्पू यादव ने कहा कि अमित शाह कहते हैं कि महागठबंधन का सूपड़ा साफ होगा, लेकिन मैं कहता हूं कि सीमांचल में एनडीए का सफाया तय है। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने घुसपैठियों का मुद्दा उठाया, लेकिन 69 लाख एसआईआर फाइलों के बाद भी वे यह नहीं बता पाए कि कितने घुसपैठिए हैं। अगर 1000 का आंकड़ा बता दें तो मैं मान जाऊं।

पप्पू यादव ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अब बीजेपी का ए-स्क्वॉड टीम बन गया है। अफसर गलत इंक लगाते हैं और आयोग सफाई देता है। यह आयोग अब बीजेपी का दफ्तर बन चुका है। अंत में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को सीमांचल की जनता के असली मुद्दों बाढ़, पलायन, रोजगार, किसानों और बेटियों की शिक्षा पर बात करनी चाहिए, लेकिन वे इनसे ध्यान हटाने के लिए धर्म और नफरत की राजनीति कर रहे हैं।

काराकाट सीट पर पवन सिंह की पत्नी ज्योति की वजह से रोचक मुकाबला

सासाराम, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण में रोहतास जिले की काराकाट विधानसभा सीट ने अचानक पूरे राज्य का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। काराकाट के चुनावी माहौल के गरमाने की वजह भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह हैं, जिन्होंने यहां से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर राजनीति में कदम रखा है। उनके मैदान में उतरने से ये सीट बेहद दिलचस्प त्रिकोणीय मुकाबले में बदल गई है। मतदान से पहले ज्योति सिंह की जनता के बीच भावुक अपील और आर्थिक सहयोग की गुहार लगाकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। चुनावी मैदान में उतरी ज्योति सिंह ने खुद को 'तुच्छ महिला' और 'लाखों पीड़ितों की आवाज' बताते हुए जनता से भावनात्मक अपील की है।

उन्होंने दावा किया कि वो पिछले चुनाव से ही काराकाट का दामन नहीं छोड़ रही हैं और सुख-दुख में सहभागी रही हैं। 2024 लोकसभा चुनाव ज्योति के पति पवन सिंह ने काराकाट सीट से निर्दलीय लड़ा था, तब से ज्योति का काराकाट से एक कनेक्शन बन गया। इस सीट पर अब देखना होगा कि विकास और जातीय समीकरणों के बीच भोजपुरी स्टार की पत्नी की निर्दलीय भावनात्मक चुनौती कितनी सफल होती है।

'बेगुनाहों को मारने वाला मुसलमान नहीं हो सकता' दिल्ली धमाके पर बोले मौलाना कल्बे जव्वाद

लखनऊ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने दिल्ली धमाके में पाकिस्तान का हाथ होने का शक जताया है। उन्होंने कहा कि जो भी बेगुनाहों को मारता है वो मुसलमान नहीं हो सकता है। ऐसे लोगों को हम देश का दुश्मन मानते हैं। इस घटना की बारीकी से जांच हो और पाकिस्तान का पूरी तरह से बॉयकाट होना चाहिए। मौलाना कल्बे जव्वाद ने दिल्ली के लाल किला के सामने हुए धमाके को लेकर कई बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि इस्लाम में इस तरह दहशतगर्द के कामों की सख्त मनाही की गई है। ये बिल्कुल इस्लाम के कानून के खिलाफ है। शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जवाद ने कहा, जो कुछ भी हुआ वह पूरी तरह से इस्लाम और उसकी शिक्षाओं के विरुद्ध है। इस्लाम निर्दोष लोगों को नुकसान पहुँचाने या ऐसी हिंसा करने की इजाजत नहीं देता। जहां तक हमारा सवाल है, इसके लिए

जिम्मेदार लोग सच्चे मुसलमान नहीं हैं, हम इन कृत्यों की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं।

इस्लाम में किसी बेगुनाह को नहीं मारा जा सकता है। जो भी ये काम करते हैं हम उसे इस्लाम का दुश्मन मानते हैं। मुसलमान नहीं मानते, अगर किसी ने मुस्लिम ये हरकत की है तो हम उसे मुसलमान नहीं मानते। कोई भी दहशतगर्द बेगुनाहों को मारने वाला मुसलमान नहीं हो सकता। मौलाना जव्वाद ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं। इस घटना में पूरी तरह से पाकिस्तान का हाथ लग रहा है। इसकी पूरी छानबीन होनी चाहिए और पाकिस्तान का पूरी तरह से बॉयकाट होना चाहिए।

बता दें कि दिल्ली में सोमवार की शाम करीब सात बजे लाल किले के सामने एक आई-20 कार में ज़ोरदार धमाका हो गया था। इस भीषण विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। धमाका इतना तेज था की आसपास की तीन-चार गाड़ियों को भी काफी नुक़सान हुआ है।

इस घटना का कनेक्शन जम्मू-कश्मीर और फरीदाबाद पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन से भी जोड़कर देखा जा रहा है जिसमें सोमवार सुबह को ही फरीदाबाद से 360 किलो आईईडी-केमिकल बरामद किया गया था। इस मामले में चार डॉक्टरों की भी गिरफ्तारी हो चुकी है। अनंतनाग, गुजरात और फरीदाबाद से हो चुकी है।

जेलों में बंद 297 बंदी और कैदी देंगे यूपी बोर्ड परीक्षा, 64 ट्रांसजेंडर भी होंगे शामिल

प्रयागराज, 11 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की 2025 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। परिषद ने परीक्षा की समय सारिणी जारी कर दी है। इस बार प्रदेश भर से कुल 52,30,156 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। विशेष बात यह है कि प्रदेश की विभिन्न जेलों में बंद 297 बंदी और कैदी भी बतौर वैयक्तिक परीक्षार्थी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा देंगे। इसके अलावा 64 ट्रांसजेंडर छात्र हाईस्कूल में और 15 ट्रांसजेंडर छात्र इंटरमीडिएट में परीक्षा देंगे। जेलों से परीक्षा देने वाले बंदियों की संख्या पर गौर करें तो बरेली से 37, आगरा 31, गाजियाबाद 26, गोरखपुर 25, वाराणसी 21, गौतम बुद्धनगर से 18 और अन्य जिलों से शेष परीक्षार्थी शामिल हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि बोर्ड परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक परीक्षा केंद्रों का निर्धारण भी पूरा कर लिया जाएगा।

दिल्ली ब्लास्ट पर राजा भैया की बात हो गई वायरल बड़े बयान में किसकी ओर कर दिया इशारा

प्रतापगढ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए ब्लास्ट के बाद कई लोगों के मारे जाने की पुष्टि की जा चुकी है। इन मृतकों में यूपी के 4 लोग शामिल हैं। देश का दिल कहे जाने वाली दिल्ली में हुए इस धमाके के बाद सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। जांच एजेंसियां घटनास्थल पर मौजूद हैं और तहकीकात में जुटी हुई हैं। फॉरेंसिक अधिकारियों ने घटनास्थल से सैंपल इकट्ठा कर उन्हें जांच के लिए लैब भेजा है। इस बीच जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के मुखिया और कुंडा विधायक राजा भैया ने इस ब्लास्ट को लेकर तीखा बयान दिया है। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कुंडा विधायक राजा भैया ने कहा, जो लोग दिवाली में धुआं और ध्वनि प्रदूषण की दुहाई देते नहीं थकते थे आज दिल्ली के आतंकी विस्फोट पर कोई बयान नहीं... ? निर्दोष हताहतों के प्रति संवेदना। हमारे देश की जांच एजेंसियां इस घृणित काण्ड का खुलासा तो कर ही देंगी, कोई दोषी बचेगा भी नहीं पर संतोष इस बात का है कि सारे देशवासी जान रहे हैं कि इस कृत्य के पीछे कौन सी विचारधारा काम कर रही है। बंटोगे तो कटोगे। वन्दे मातरम।

राजा भैया के इस पोस्ट का क्या है मतलब?

राजा भैया ने दिल्ली ब्लास्ट पर अपनी पोस्ट में उन लोगों पर निशाना साधा है जो प्रदूषण को लेकर अपनी राय देते हैं पर अब वो इस ब्लास्ट पर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने इस वारदात पर निर्दोष पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। राजा भैया ने देश की जांच एजेंसियों पर विश्वास जताते हुए कहा कि वे दोषियों को सजा दिलाएंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि देश की जनता इस हमले के पीछे की विचारधारा से परिचित है। अपने पोस्ट के आखिर में उन्होंने 'बंटोगे तो कटोगे' की बात कही है।

दिल्ली ब्लास्ट में एक और खुलासा

फरीदाबाद में छापामारी से डर गया था आतंकी डॉ. उमर !... हड़बड़ी में किया धमाका

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट को लेकर एक और नया खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि फरीदाबाद में हुई कार्रवाई के बाद संदिग्ध डॉक्टर उमर मोहम्मद डर गया था। इसी हड़बड़ी में उसे दिल्ली में धमाके को अंजाम दे डाला। जांच एजेंसियों के मुताबिक, कार में आईईडी लगाया गया था। यह आत्मघाती हमला था। जांच में यह बात भी सामने आई है कि ब्लास्ट के तार फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं। वहीं, घटनास्थल से कार में मिले शव का दिल्ली पुलिस डीएनए टेस्ट करवाएगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कार में सवार शख्स डॉक्टर उमर मोहम्मद ही था या कोई और था। खुफिया एजेंसियों को शक है कार में उमर ही था। इसके सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं।

फरीदाबाद से भारी मात्रा में अमोनियम नाइट्रेट के बरामद होने के बाद एजेंसियां डॉक्टर उमर मोहम्मद की तलाश में जुटीं थीं। जांच में सामने आया है कि कार को चला रहे व्यक्ति का फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल से भी संबंध था। सूत्रों के अनुसार, पुलवामा निवासी और डॉक्टर उमर मोहम्मद कथित तौर पर उस हुंडई आई20 कार को चला रहा था जिसका इस्तेमाल लाल किला मेट्रो स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र के पास हुए विस्फोट में किया गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस की प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि लाल किले के पास हुए विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट, ईंधन तेल और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया होगा।

एक पुलिस सूत्र ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि दिल्ली विस्फोट और फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल के बीच एक संभावित संबंध है, जहां 360 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट जब्त किया गया था। पुलिस ने कहा कि जिस कार में विस्फोट हुआ, उसके सीसीटीवी फुटेज में एक मास्क पहने व्यक्ति कार चलाते हुए दिखाई दे रहा है। सोमवार शाम को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर एक धीमी गति से चलती कार में हुए एक विस्फोट के बाद दिल्ली पुलिस हाई अलर्ट पर है। इस विस्फोट में दस लोगों की मौत हो गई, 24 लोग घायल हो गए और कई वाहन जलकर खाक हो गए।

दिल्ली में हुए विस्फोट से कुछ घंटे पहले, सोमवार को एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए तीन डॉक्टरों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया और 2,900 किलोग्राम विस्फोटक ज़ब्त किया गया। फरीदाबाद में बरामद 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री में अमोनियम नाइट्रेट, पोटेशियम नाइट्रेट और सल्फर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इसमें से 360 किलोग्राम ज्वलनशील पदार्थ, जिसके अमोनियम नाइट्रेट होने का संदेह है, और कुछ हथियार व गोला-बारूद बरामद किया गया। पुलिस सूत्रों से जानकारी मिली है कि उमर मोहम्मद फरीदाबाद मॉड्यूल का एक और डॉक्टर था। पेशे से डॉक्टर उमर मोहम्मद कथित तौर पर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा था। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा निवासी कार मालिक तारिक को गिरफ्तार किया गया है। तारिक ने ही उमर मोहम्मद को धमाके में इस्तेमाल हुंडई आई20 कार दी थी। आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा रहे अपने साथी डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद उमर मोहम्मद ने कथित तौर पर इस डर से इस आतंकी हमले को अंजाम दिया कि वह भी पकड़ा जा सकता है।

उन्होंने बताया कि पेशे से डॉक्टर उमर मोहम्मद कथित तौर पर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा था। सूत्रों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के पुलवामा निवासी तारिक नाम के एक व्यक्ति, जिसे गिरफ्तार किया गया है, ने ही उमर मोहम्मद को हुंडई आई20 कार दी थी। सूत्रों ने बताया कि आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा रहे अपने साथी डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद, उमर मोहम्मद ने कथित तौर पर इस डर से इस आतंकी हमले को अंजाम दिया कि कहीं वह भी पकड़ा न जाए। विस्फोट के बाद, राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और सभी सीमा चौकियों पर वाहनों की जांच भी तेज कर दी गई है। एक पुलिस सूत्र ने बताया जिस हुंडई आई20 कार में धमाका हुआ था, उसे चला रहे संदिग्ध के बारे में और जानकारी हासिल करने के लिए लाल किले और आसपास के रास्तों से सीसीटीवी फुटेज खंगालने के लिए कई टीमें तैनात की गई हैं।

सूत्रों ने बताया कि यह भी पता चला है कि विस्फोट से पहले गाड़ी तीन घंटे तक पास की एक पार्किंग में खड़ी थी। विभिन्न पार्किंग स्थलों की फुटेज पर भी नजर रखी जा रही है। पुलिस ने मामले में एक प्राथमिकी दर्ज कर ली है और विशेष प्रकोष्ठ, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) और स्थानीय पुलिस की कई टीमें विस्फोट की परिस्थितियों की जांच कर रही हैं। सूत्र ने बताया कि वे यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या यह आत्मघाती बम विस्फोट या कोई बड़ी आतंकी साजिश का मामला हो सकता है।

दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने बताया कि विस्फोट शाम करीब 6.52 बजे लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से चल रही हुंडई आई20 कार में हुआ। उन्होंने कहा कि वाहन में यात्री सवार थे। आस-पास के अन्य वाहन भी धमाके में क्षतिग्रस्त हुए हैं। दिल्ली पुलिस, एफएसएल, एनआईए और एनएसजी की टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा ले रही हैं।अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इससे कई वाहन जलकर राख हो गए और आस-पास की कारों, इमारतों और मेट्रो स्टेशन के शीशे टूट गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, दस दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और शाम 7.29 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। एक अन्य सूत्र ने कहा कि सभी वरिष्ठ अधिकारी इस विस्फोट का संबंध फरीदाबाद के आतंकी नेटवर्क से भी देख रहे हैं।

स्थानीय व्यापारियों द्वारा साझा किए गए वीडियो में विस्फोट की भयावहता दिखाई दे रही है, इसमें क्षत-विक्षत शव, क्षतिग्रस्त वाहन और विस्फोट स्थल के पास बिखरा मलबा दिखाई दे रहा है। पुलिस ने बताया कि दस लोगों की मौत हो गई, जबकि दो महिलाओं समेत 24 अन्य घायल हो गए, जिन्हें एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया। घायलों में 12 दिल्ली के निवासी हैं और आठ उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों के हैं। मृतकों में उत्तर प्रदेश के अमरोहा निवासी अशोक कुमार (34) और दिल्ली निवासी अमर कटारिया (35) शामिल हैं, जबकि अन्य अज्ञात हैं और उनकी उम्र 28 से 58 वर्ष के बीच है। अधिकारियों ने बताया कि कार के क्षतिग्रस्त अवशेषों से एक क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया है।

मनीषा मौत मामले में नया अपडेट... आ गया पंचायत का फैसला, धरने की तारीख का एलान

भिवानी, 11 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के भिवानी के लोहारू क्षेत्र के गांव ढाणी लक्ष्मण में मंगलवार दोपहर को पंचायत हुई। पंचायत में मनीषा के पिता ने हाथ जोड़कर सभी से बेटी को न्याय दिलाने की भावुक अपील की। वहीं ग्रामीणों ने पंचायत में फैसला लिया कि 30 नवंबर को इस मामले को लेकर सांकेतिक धरना दिया जाएगा। गांव ढाणी लक्ष्मण के मुख्य चौक पर सांकेतिक धरना पर शामिल ग्रामीण भूख हड़ताल भी करेंगे। वहीं मनीषा मौत मामले की जांच कर रही सीबीआई से भी मनीषा की मौत का सच सबके सामने लाने की अपील की गई है। वहीं अब तक की जांच से परिजनों को अवगत कराने की भी बात रखी। गांव ढाणी लक्ष्मण में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे हुई पंचायत में आसपास के गांवों से भी ग्रामीण शामिल हुए। वहीं पिता संजय ने पंचायत में हाथ जोड़कर कहा कि बेटी की मौत पर न्याय दिलाएं। वहीं अब तक सीबीआई की जांच में भी बेटी की मौत के कोई जानकारी परिजनों को नहीं मिली है।

जबकि जांच में भी तेजी लाने की बात कही। वहीं पंचायत में पहुंचे किसान नेता सुरेश कौथ ने कहा कि मनीषा मौत मामले में हरियाणा सरकार को चाहिए कि वह सीबीआई को पत्र लिखकर जांच तेज कराए। बेटी की मौत की सच्चाई सबके सामने आनी चाहिए। वहीं उन्होंने एक दिन के सांकेतिक धरना का सुझाव रखा और सरकार को जांच तेज कराने की चेतावनी दी।

एससी: बेटी के पिता को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई का इंतजार

कहा- मामला जीत-हार का नहीं, बेटी के बचपन को बचाने का

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की एक बच्ची की कस्टडी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में सुनवाई की है। इस सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल मां को बच्ची की कस्टडी दे दी है। साथ ही, पॉक्सो के तहत पिता के खिलाफ दर्ज मामले की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट में इस पर छह महीने बाद सुनवाई होगी।

इस बीच, इस मामले में पिता की प्रतिक्रिया सामने आई है। यह बच्ची कर्नाटक की रहने वाली है। फिलहाल पांचवीं में पढ़ती है। उसके माता-पिता की 2011 में शादी हुई थी। 2015 में बेटी का जन्म हुआ। हालांकि, 2018 से उसके माता-पिता अलग हो गए। तब से यह मामला अदालतों में है। मार्च 2022 में पारिवारिक अदालत ने 200 पेज के अपने फैसले में बच्ची की कस्टडी उसके पिता को सौंप दी थी। अदालत ने मां को कस्टडी के लिए अयोग्य ठहराया। बच्ची को बेंगलुरु से बाहर ले जाने पर रोक लगाई। इस फैसले को मां ने कर्नाटक हाईकोर्ट में चुनौती दी। हालांकि, हाईकोर्ट ने 2023 में दिए गए निर्णय में नाबालिग बच्ची की कस्टडी पिता के पास ही रखने के पारिवारिक अदालत के फैसले को बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने कहा कि महिला ने अपने दूसरे रिश्ते को ज्यादा तवज्जो दी और बच्ची को नजरअंदाज किया।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद मां की तरफ से बच्ची के पिता के खिलाफ पॉक्सो के तहत मामला दायर किया गया। पिता का आरोप है कि बच्ची की मां ने उनके और उनके परिवार के खिलाफ पुलिस में 15 झूठी शिकायतें और छह एफआईआर दर्ज कराईं। पिता का कहना है कि सभी शिकायतें जांच में झूठी पाई गईं। उनका आरोप है कि कोर्ट-निर्देशित मुलाकात के दौरान बच्ची की मां ने उन पर हमला भी किया, जिसके सीसीटीवी सबूत उनके पास हैं। अपने खिलाफ दर्ज पॉक्सो के मुकदमों के बाद पिता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। हाल ही में हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता पिता और प्रतिवादी मां का पक्ष सुना।

इसके अलावा बच्ची से भी बात की। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने बच्ची की कस्टडी फिलहाल मां के हवाले कर दी है। साथ ही पॉक्सो के तहत चल रहे मामलों पर फिलहाल रोक लगा दी है। इस मामले में अब छह महीने बाद सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद पिता ने कहा, "यह जीत-हार का मामला नहीं है। यह मेरी बेटी का बचपन वापस दिलाने का मामला है। ऐसा बचपन जो डर, भ्रम और अदालत के चक्करों से घिरा न हो। मैं बस चाहता हूं कि वह शांति से बड़ी हो सके।"

भाजपा विधायक हंसराज को पॉक्सो एक्ट में मिली अग्रिम जमानत

चंबा, 11 नवंबर (एजेंसियां)। चुराह से भाजपा विधायक हंसराज को पॉक्सो एक्ट में जिला सत्र न्यायालय से 20 नवंबर तक अग्रिम जमानत मिल गई है। हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं ने अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, जिस पर कोर्ट से विधायक को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने विधायक को पुलिस जांच में सहयोग देने के लिए कहा है। जिला चंबा के चुराह से भाजपा के तीन बार के विधायक डॉ. हंसराज पर युवती ने यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। उस दौरान लड़की नाबालिग थी,

इस पर विधायक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज हुआ है। विधायक ने गिरफ्तारी से बचने के लिए सोमवार को जिला एवं सत्र न्या या धी श चंबा की अदालत में उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ताओं के माध्यम से अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई, जिसमें उन्हें राहत मिल गई है।

नए साल में जन्म लेगा ब्लैक टाइगर

इंदौर जू में मेलानिस्टिक और व्हाइट फीमेल टाइगर की मेटिंग के बाद एक्सपर्ट ने जताई उम्मीद

इंदौर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। टाइगर स्टेट मध्य प्रदेश में नए साल 2026 में एक नया मेहमान जन्म ले सकता है। प्रदेश के लिए यह पहला मौका होगा जब मेलानिस्टिक टाइगर (ब्लैकधारी वाला बाघ) का जन्म होगा। दरअसल इसके लिए इंदौर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय में कुछ समय पहले मेलानिस्टिक टाइगर की व्हाइट फीमेल टाइगर से मेटिंग कराई है। इसके बाद एक्सपर्ट्स ने उम्मीद जताई है कि इंदौर जू में पूरी तरह काले रंग के टाइगर का जन्म हो सकता है। खास बात यह कि देश में संभवतः यह पशु मेटिंग में एक तरह अलग प्रयोग है। यह देश का एकमात्र ऐसा टाइगर हो सकता है जिसका रंग पूरी तरह से काला होगा। देश में उड़ीसा के नंदन कानन चिड़ियाघर के अलावा इंदौर जू में ऐसा दुर्लभ टाइगर मौजूद है, जिसकी धारियां काले रंग की है। जिसे मेलानिस्टिक टाइगर (काला बाघ) कहा जाता है।

इंदौर ही नहीं पूरे मध्यप्रदेश में अलग मामला

जू प्रभारी डॉ।उत्तम यादव के मुताबिक यह उम्मीद की जा रही है कि आने वाले कुछ ही माह में इंदौर के चिड़ियाघर में देश का पहला काले रंग का बाघ जन्म ले। इन दोनों अलग-अलग प्रजातियों के टाइगर के बीच सितंबर में मेटिंग हुई थी। इसमें ब्लैक टाइगर का जीन डोमिनेटिंग जीन रहता है। इसमें गर्भकाल 300 से 310 दिनों के बीच का होता है। अभी मादा व्हाइट टाइगर की बदलती प्रकृति से पूरे संकेत हैं कि नया मेहमान कंसिव हो चुका है। अगर सबकुछ अच्छा रहा तो संभव है कि 2026 में मप्र में पहली बार मेलानिस्टिक टाइगर प्रजाति का नया मेहमान इंदौर में जन्म ले। यह सिर्फ इंदौर ही नहीं बल्कि मप्र में एक अलग मामला होगा।

ऐसे होते हैं मेलानिस्टिक टाइगर

मेलानिस्टिक टाइगर के शरीर पर चौड़ी और मोटी काली धारियां होती हैं। ये धारियां गहरी और फैली हुई होती हैं जिससे बाघ पूरी तरह ब्लैक नजर आता है। सामान्य रूप से टाइगर के शरीर पर येलो या चॉकलेटी रंग की धारियां नजर आती है। चिड़ियाघर प्रबंधन के मुताबिक मेलानिस्टिक टाइगर इंदौर जू में आकर्षण का केंद्र है जो अपनी खास कुदरती संरचना के चलते सभी का ध्यान आकर्षित करता है।

30 हजार सैलरी, 3% कमीशन और निशाने पर अमेरिका के लोग, म्यांमार में 270 भारतीय कैसे बने साइबर गुलाम?

म्यांमार, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण एशियाई देश म्यांमार में साइबर गुलामी में फंसे 270 भारतीय नागरिकों को हाल ही में मुक्त कराया गया है। इनमें आठ लोग बिहार के रहने वाले हैं। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने बताया कि म्यांमार से छुड़ाए गए इन भारतीयों को दिल्ली और नोएडा में पूछताछ के बाद उनके-अपने राज्यों में भेजा गया। बिहार लाए गए आठ लोगों में गया के सागर कुमार, गोपालगंज के प्रशांत कुमार पटेल, मधुबनी के मोहम्मद राजीक और आसिफ, सीतामढ़ी के आरिफ अली, मोहम्मद फैजान आलम और आदित्य कुमार, तथा अररिया के आदित्य कुमार झा शामिल हैं। पूछताछ में पता चला कि सभी को विदेश में डाटा एंट्री ऑपरेटर की आकर्षक नौकरी का लालच देकर फंसाया गया था। इनके विदेश भेजने में कुछ भारतीय एजेंटों की भूमिका होने की भी संभावना जताई गई है।

साइबर गुलामी से मुक्त कराए गए बिहार लौटे युवकों ने बताया कि म्यांमार के म्यावाडी स्थित केके पार्क नामक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर साइबर ठगी के गिरोह सक्रिय हैं। इन युवकों को पहले थाईलैंड के बैंकॉक एयरपोर्ट ले जाया गया, जहां गिरोह के लोग उन्हें रिसीव करते थे। फिर उन्हें थाईलैंड-म्यांमार सीमा पर स्थित एक नदी तक ले जाया जाता था। नदी पार करवाकर इन्हें केके पार्क ले जाकर जबरन साइबर अपराध से जुड़ा काम कराया जाता था। इन युवकों से साइबर ठगी के तहत अमेरिकी और कनाडाई नागरिकों को फर्जी क्रिप्टो करेंसी निवेश योजनाओं में फंसाने का काम करवाया जाता था। इसके लिए उन्हें फर्जी फेसबुक आईडी पर लड़कियों की तस्वीरें लगाकर विदेशी नागरिकों से संपर्क करने को कहा जाता था। हर सफल ठगी पर लगभग तीन प्रतिशत कमीशन दिया जाता था। वेतन के रूप में हर महीने करीब 30 हजार थाई मुद्रा मिलती थी।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 लागू, एक्यूआई 425 पार

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में हवा बेहद जहरीली हो गई है, मंगलवार को एक्यूआई 425 पहुंच गया, जिसके बाद कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने ग्रैप-3 लागू कर दिया है। सोमवार को लेवल 362 था, हालात ऐसे हो गए कि सांस लेना मुश्किल हो गया। इसके बाद शाम इमरजेंसी मीटिंग के बाद ये फैसला लिया गया। अब दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और नोएडा में सख्त प्रतिबंध लागू हो गए हैं। दिल्ली-एनसीआर में कंस्ट्रक्शन पूरी तरह प्रतिबंधित हैं, इसके अलावा डीजल से चलने वाले जनरेटर, स्टोन क्रेशर, माइनिग पर पूरी तरह से रोक लग गयी है। अब अगले तीन दिन में स्थिति देखकर फैसला लिया जाएगा। ग्रैप-3 यानि श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना तब लागू होता है, जब 48 घंटे में भी वायु प्रदूषण की स्थिति सुधरने का नाम न ले। इसमें कई फेस में एक्यूआई को चेक किया जाता है। पहला चरण जब एक्यूआई 201-300, दूसरा चरण 301-400, तीसरा चरण 401-450 (जो अभी लागू) और इसके बाद चौथा चरण 450 से ऊपर एक्यूआई पहुंच जाए तो।

ग्रैप-3 लागू होते ही पूरे दिल्ली-एनसीआर में सभी निर्माण, सड़क खुदाई, पत्थर तोड़ना, खनन पूरी तरह बंद। बीएस-3 पेट्रोल। और बीएस-4 डीजल गाड़ियां नहीं चलेंगी। कक्षा एक से पांच तक सभी स्कूल ऑनलाइन मोड में चलेंगे। कोयले-लड़की वाले ईंधन पूरी तरह बंद। डीजल जनरेटर भी इस दौरान उपयोग नहीं किए जाएंगे। इसके अलावा धूल उड़ाने वाली सारी गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी। ग्रैप-3 के दौरान प्रतिबन्ध के साथ ही कुछ चीजों पर छूट भी रहेगी, जैसे एम्बुलेंस वाहन, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहन, बीएस-4 वाहन, विकलांग वाहन, मेट्रो, रेलवे, एअरपोर्ट,अस्पताल, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं।

दिल्ली में आने वाले नोएडा-गुरुग्राम वालों या गाजियाबाद से आ रहे लोगों को ख़ास ध्यान रखना होगा, चूँकि बीएस-3 और बीएस-4 वाहन प्रतिबंधित हैं तो दिल्ली में घुसते ही दस हजार का चालान है। ग्रैप-3 में अगर दिल्ली आना है तो ट्रेन या फिर मेट्रो या इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग करें। अभी के हालात के मुताबिक ये ग्रैप-3 14 नवम्बर तक लागू है उसके बाद आगे स्थिति देख कर फैसला होगा।

दूसरे चरण की वोटिंग के बीच ललन सिंह के घर क्यों पहुंचे सीएम नीतीश

बंद कमरे में 15-20 मिनट क्या हुई बात?

पटना, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में दूसरे चरण की वोटिंग के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक केंद्रीय मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह से मिलने पहुंचे। मंगलवार सुबह नीतीश कुमार की गाड़ी एक अणे मार्ग से निकली तो किसी को कुछ समझ में ही नहीं आया कि सीएम वोटिंग के दिए कहां जा रहे हैं। अचानक सीएम की गाड़ी ललन सिंह के आवास के अंदर दाखिल हुई। बताया जा रहा है कि बंद कमरे में नीतीश कुमार ने अपने पुराने सहयोगी ललन सिंह से लंबी बातचीत की। यह मुलाकात काफी अहम हो सकती है, क्योंकि दूसरे और अंतिम चरण की वोटिंग चल रही है। इस मुलाकात के दौरान क्या चर्चा हुई इस बारे में अभी तक कोई पुख्ता जानकारी नहीं दी गई है। ललन सिंह जेडीयू के वरिष्ठ नेता हैं।

वह पार्टी बनने के समय से ही नीतीश कुमार के साथ हैं। ऐसे में वोटिंग के दिन दोनों नेताओं की मुलाकात बेहद खास है। सीएम नीतीश करीब 15 से 20 मिनट तक ललन सिंह के आवास पर रुके। सूत्र बता रहे हैं कि दोनों नेताओं के बीच वोटिंग के बाद की परिस्थितियों पर भी चर्चा हुई। 14 नवंबर को बिहार चुनाव का रिजल्ट आने वाला है। इस दौरान दोनों वरिष्ठ नेताओं की मुलाकात राजनीति संभावनाओं को हवा दे रही है। सूत्र बता रहे हैं कि चुनाव रिजल्ट आने के बाद राज्य में क्या स्थिति परिस्थितियां बनेंगी इसपर भी बातचीत होने की बात कही जा रही है। दूसरे चरण की वोटिंग वाली सुबह नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा- 'लोकतंत्र के इस महापर्व में ज्यादा से ज्यादा वोटर वोट डालने पहुंचे। पहले चरण में भी जब चुनाव हुआ था उसके बाद भी उन्होंने खुशी जाहिर की थी। ज्यादा वोटिंग का परसेंटेज बढ़ा। महिलाओं की भागीदारी काफी बढ़ी है।

बिहार में महागठबंधन की सरकार में रोजगार मिलेगा: उदित राज

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए मंगलवार को 122 सीटों पर मतदान जारी है। इसी बीच, विपक्षी दलों ने आरोप सत्ता पक्ष पर लगाए हैं। बिहार चुनाव को लेकर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा, सबकुछ ठीक नहीं लग रहा है, बेईमानी हो सकती है, लेकिन जनता ने इस बार बदलाव का मन बना लिया है। उदित राज ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव का दूसरा चरण अच्छे से संपन्न हो जाए, यह मुश्किल लग रहा है।

वीवीपैट की पर्चियां मिल रही हैं तो कहीं सीसीटीवी कैमरे बंद पाए गए। स्ट्रांग रूम में लोग घुस रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने देखा कि पहले चरण के दौरान मतदाता पर्चियां लेकर गए वोट डालने, लेकिन वोट पहले से डाले जा चुके थे। उम्मीद करते हैं कि दूसरे चरण में ऐसा न हो। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने इस बार मन बना लिया है कि बिहार में महागठबंधन को वोट देगी। बिहार में बदलाव होगा, युवा तेजस्वी यादव पर भरोसा कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि महागठबंधन की सरकार में रोजगार

। जदयू के साथ राजद की 17 महीने की सरकार का जिक्र करते हुए उदित राज ने कहा कि 17 महीने में 5 लाख नौकरी देने का काम तेजस्वी यादव ने किया था। दिल्ली ब्लास्ट पर कांग्रेस नेता उदित राज ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

किसान के बेटे को गलत तरीके से एनएसए में फंसाया गया कर्ज में डूबा परिवार, गर्भवती पत्नी को हुई मानसिक तकलीफ

भोपाल, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में प्रशासन की लापरवाही से एक किसान का बेटा गलत तरीके से राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत एक साल से ज्यादा जेल में रहा। इससे परिवार कर्ज में डूब गया और गर्भवती बहू को भारी मानसिक तकलीफ हुई। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने हाल ही में शहडोल कलेक्टर केदार सिंह पर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। यह जुर्माना सुशांत बैस पर की गई गलत एनएसए कार्रवाई से जुड़ा है। सुशांत ने जेल में एक साल और 5 दिन बिताए। लेकिन पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और मानवाधिकार कार्यकर्ता का कहना है कि यह जुर्माना परिवार की पीड़ा की भरपाई नहीं कर सकता। सुशांत इस साल सितंबर में रिहा हुए और शहडोल जिले के समन गांव लौट आए। उन्होंने परिवार की तकलीफ के बारे में बताते हुए कहा कि उनके पिता को उन्हें बचाने के लिए 2 लाख रुपये का कर्ज लेना पड़ा। सुशांत ने कहा, 'बहुत सारी समस्याएं आईं। केस लड़ने के पैसे नहीं थे, इसलिए मुझे एक साल जेल में रहना पड़ा। पिता जी ने इधर-उधर से पैसे जुटाए। रिश्तेदारों ने भी मदद की।'

27 लाख रुपये के लेनदेन में आरा संचालक ने की आत्महत्या

हिसार, 11 नवंबर (एजेंसियां)। हिसार ठंडी सड़क एरिया स्थित सुदामा नगर निवासी एवं आरा संचालक राजीव कालिया ने फाइनेंसर से तंग आकर आत्महत्या कर ली। मृतक 45 वर्षीय राजीव के बेटे नकुल की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। 14 दिन पहले 25 अक्तूबर को राजीव कालिया ने पुलिस अधीक्षक के नाम फाइनेंसर विजेंद्र गिल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर लिखित शिकायत भी दी थी। एचटीएम थाना प्रभारी को दी शिकायत में सुदामा नगर निवासी नकुल ने बताया कि उनके पिता राजीव कालिया आरा मशीन चलाते थे। हम तीन भाई व एक बहन चारों अविवाहित हैं।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 12 नवंबर- 2025

कार्रवाई की आशंका से दहशत

देश की राजधानी दिल्ली के सबसे सुरक्षित इलाकों में से एक लाल किले के पास मेट्रो लाइन के पास सोमवार की शाम को हुए कार बम धमाके के पीछे आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का नाम सामने आने से पाकिस्तान में दहशत है। इस धमाके का मास्टरमाइंड और आत्मघाती हमलावर डॉ. मोहम्मद उमर और उसके बाकी तीनों डॉक्टर सहयोगियों-डॉ. मुजम्मिल शकील, डॉ. अदील राथर और डॉ. शाहीन शाहिद के तार भी किसी न किसी रूप में पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद जे जुडे हुए हैं। इस संगठन का नाम सामने आने के बाद से ही एक बार फिर पाकिस्तान ऑपरेशन सिंदूर को लेकर आशंकित हो गया है। खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पड़ोसी मुल्क भूटान की धरती से जो चेतावनी दी है, उसमें भी ऑपरेशन सिंदूर की झलक साफ दिखाई दे रही है। पीएम मोदी की चेतावनी के बाद से ही पाकिस्तानी सेना के चीफ असीम मुनीर और वहां की शहबाज शरीफ की सरकार की पेशानी पर बल पड गए हैं। पीएम मोदी इस समय पड़ोसी मुल्क भूटान की आधिकारिक यात्रा पर हैं। वहां से ही उन्होंने लाल किला धमाका के साजिशकर्ताओं के लिए जिस तरह की चेतावनी दी है, उसमें ऑपरेशन सिंदूर 2.0 की आहट नजर आ रही है। पीएम मोदी ने कहा, हमारी जांच एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जाएंगी। इसके पीछे के षड्यंत्रकारियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सभी दोषियों को कडी से कडी सजा मिलना तय है। पडोसी आतंकी मुल्क पाकिस्तान को अच्छी तरह से याद करना चाहिए कि पीएम मोदी ने इसी तरह की चेतावनी पहलगाम हमले के बाद बिहार की धरती से भी दी थी। उसके बाद हमारे जांबाजों ने जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों और फिर उसके रक्षा ठिकानों को तबाह किया था उसे सारी दुनिया ने अपनी आंखों से देखा था। पीएम मोदी और भारत सरकार की तभी से यह घोषित नीति रही है कि वह आतंकवादियों और उन्हें पनाह देने वालों को एक ही तराजू में तौलेगी। यह भी साफ किया जा चुका है कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तानी सेना के अनुरोध पर सिर्फ निलंबित किया गया है न कि समाप्त। जाहिर है यह किसी आतंकवादी वारदात के बाद फिर से शुरू किया जा सकता है। हाल ही में राजनाथ सिंह ने भी इसी बात को दोहराया था कि आपरेश सिंदूर निलंबित है न कि बंद। इसलिए दिल्ली में हुए कार बम धमाके के बाद पाकिस्तान में सबसे उच्च स्तर का सिक्योरिटी अलर्ट जारी कर दिया गया है। इसने न सिर्फ नोटाम (नोटिस टू एयरमैन) जारी किया है, बल्कि अपनी वायु सेना और नौ सेना को हर स्थिति के लिए तैयार रहने को भी कह दिया है। दिल्ली में हुए धमाकों के बाद पाकिस्तान में जारी यह सुरक्षा अलर्ट क्यों है? यह भी किसी आश्चर्य से कम नहीं। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान ने अपने सभी एयरबेस और एयरफील्ड को हाई अलर्ट पर रखा है, क्योंकि उसकी खुफिया एजेंसियों ने भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई की आशंका जताना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की वायु सेना को हेडक्वार्टर से साफ निर्देश मिले हैं कि वे अपने फाइटर जेट को विभिन्न एयरबेस पर किसी भी समय टेकऑफ के लिए तैयार रखें और साथ ही साथ मुल्क के एयर डिफेंस सिस्टम को भी शॉर्ट नोटिस में ऐक्टिवेट करने का इंतजाम कर लें। इस तैयारी को देखते हुए अनुमान लगाया जा सकता कि पाकिस्तान आपरेश सिंदूर-2 के संभावित खतरे से किस कदर घबराया और बौखलाया हुआ है।

सड़कें खून से लाल, व्यवस्था बयान से सफेद

आरके जैन

इंदौर की सड़क पर बिखरा ख़ून और दिल्ली के आसमान में गूंजा धमाका-दो शहर, दो हादसे, लेकिन एक ही सच्चाई-कहीं कोई सुरक्षित नहीं। हर सुबह अब डर की दस्तक के साथ आती है। कभी सड़कें जाल बन जाती हैं, जहाँ ज़िंदगी हर मोड़ पर फिसलती है, तो कभी पुल अपनी ही नींव पर धोखा दे देते हैं। भीड़भरे बाज़ारों में मुस्कानें भी अब डर की आहट सुनती हैं, और बच्चों की हँसी में भी अनजानी चिंता घुली रहती है। न जाने कब कोई गाड़ी बेकाबू होकर मासूम ज़िंदगियों को कुचल दे, न जाने कब कोई पुल थककर ढह जाए, न जाने कब किसी उत्सव में खुशियों के बीच बारूद की गंध फैल जाए। हर हादसे के बाद वही बयान, वही मुआवज़े, वही चुप्पी -और फिर वही लौटता हुआ डर। अब सच्चाई यही है-कहीं कोई सुरक्षित नहीं। अब देश में सुरक्षा कोई हकीकत नहीं, बस आंकड़ों का छलावा बन गई है। रिपोर्टें दावे करती हैं कि अपराध घट रहे हैं, दुर्घटनाएँ कम हुई हैं-पर सच्चाई यह है कि ज़मीन पर इंसान का भरोसा हर दिन थोड़ा और टूटता जा रहा है। जब शासन की प्राथमिकता सुरक्षा नहीं, बल्कि बयानबाज़ी की चमक बन जाए, तब हादसे नियति नहीं, व्यवस्था की नाकामी कहलाते हैं। सवाल यह नहीं कि गाड़ी किसकी थी या पुल किस ठेकेदार ने बनाया; सवाल यह है कि ज़िम्मेदारी आखिर तय कब होगी, जवाबदेही कब जागेगी, और इंसानियत अपने मलबे से कब उठेगी?

हर त्रासदी के बाद व्यवस्था का चेहरा अब पहचान में आने लगा है -बयानबाज़ी से सना हुआ, संवेदनहीन और यांत्रिक। "दोषियों पर सख़्त कार्रवाई होगी", "जांच कमेटी गठित की गई है", "मुआवज़ा घोषित किया गया है" - जैसे यही शब्द अब शासन की आत्मा और संवेदना दोनों बन गए हों। पर सच्चाई यह है कि इन बयानों के पीछे छिपी है एक गहरी बेफ़िक्री, एक निष्ठुर ठहराव। जब किसी बच्चे की सांसें थमती हैं, किसी माँ की गोद सूनी होती है, तो उस दर्द को 'मुआवज़े' की रकम से नहीं तोला जा सकता। लेकिन व्यवस्था ने दर्द को भी 'फाइल नंबर' बना दिया है। आज हर सड़क पर डर है-और हर मोड़ पर लापरवाही का साया। दुर्घटनाओं की जड़ तेज़ रफ़्तार में नहीं, बल्कि सुस्त और बेपरवाह व्यवस्था में छिपी है। कहीं बिना फिटनेस सर्टिफिकेट के ट्रक दौड़ रहे हैं, कहीं बिना प्रशिक्षण के ड्राइवर जानों से खेल रहे हैं, और कहीं पुलिसकर्मी घूस के बदले ज़िम्मेदारी गिरवी रख चुके हैं। नतीजा-कोई मासूम सड़क पर कुचल जाता है, कोई परिवार बिखर जाता है, और व्यवस्था अपनी जगह अडिग खड़ी रहती है। पुल गिरते हैं क्योंकि ईमानदारी की जगह रिश्वत ने नींव पकड़ी है; इमारतें ढहती हैं क्योंकि मंज़िलें अनुमति से नहीं, सांठगांठ और स्वार्थ से खड़ी हुई हैं। और हर बार वही रटा-रटाया जवाब -"जांच जारी है।" पर अफ़सोस, जांच भले जारी हो, न्याय अब भी लंबित है।

हकीकत यही है-सुरक्षा अब 'सुविधा' नहीं, बल्कि 'संघर्ष' बन चुकी है। अब आम आदमी को ज़िंदा रहने तक के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती है-सड़क पार करने से लेकर न्याय की चौखट तक। कानून का शिकंजा कमज़ोरों पर कसता है, मगर ताकतवरों के आगे ढीला पड़ जाता है। अगर किसी नेता या मंत्री की गाड़ी लाल बत्ती तोड़े, तो उसे "काफ़िला" कहा जाता है; वही गलती आम आदमी करे, तो वह "अपराधी" ठहराया जाता है। यही दोहरापन बताता है कि व्यवस्था की जड़ें कितनी सड़ चुकी हैं-जहाँ इंसाफ़ का तराज़ू झुक चुका है, और आम आदमी सिर्फ़ संघर्ष का पर्याय बन गया है। समस्या सिर्फ़ ढाँचों या नीतियों की नहीं, हमारी सोच की जड़ता की है। अब हादसे खबर बनते हैं, संवेदना नहीं जगाते। लोग मदद से ज़्यादा कैमरे उठाते हैं, अधिकारी या नेता निरीक्षण से ज़्यादा बयान देते हैं, और मीडिया सच से ज़्यादा सनसनी बेचता है।

बिहार का रण बना यूपी की राजनीति का सेमीफाइनल

संजय सक्सेना

बिहार का विधानसभा चुनाव इस बार सिर्फ एक राज्य की सत्ता का सवाल नहीं है, बल्कि यह पूरे उत्तर प्रदेश की राजनीति का सेमीफाइनल माना जा रहा है। बिहार में हो रही राजनीतिक हलचल की गूंज अब यूपी की सियासत तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बिहार में एक भी उम्मीदवार नहीं उतारा, लेकिन अपनी पूरी राजनीतिक टीम के साथ चुनाव प्रचार में उतर पड़े। दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पिछले दस दिनों में बिहार की जमीन पर तीस से अधिक जनसभाएं और एक रोड शो करके अपनी ताकत का पूरा प्रदर्शन किया। उनके साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और यूपी के कई मंत्री व विधायक भी लगातार बिहार में डेरा डाले रहे। यह साफ संकेत है कि बिहार का चुनाव परिणाम 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की दिशा तय करने वाला साबित होगा।

बिहार में पहले चरण के मतदान के दौरान 18 जिलों की 121 सीटों पर औसतन 65.08 प्रतिशत वोटिंग दर्ज हुई। यह आंकड़ा 2020 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले लगभग 7.79 प्रतिशत ज्यादा है, जब मतदान 57.29 प्रतिशत हुआ था। दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर करीब 3.70 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। बिहार की कुल 243 सीटों में से लगभग 34 सीटें उत्तर प्रदेश की सीमा से सटी हैं। ये सीटें बिहार के पश्चिमी इलाके जैसे सारण, सीवान, गोपालगंज, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, पश्चिमी चंपारण और रोहतास जिलों में आती हैं, जिनकी सीमाएं यूपी के महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, बलिया, गाजीपुर, चंदौली और सोनभद्र से लगती हैं। इन इलाकों का रहन-सहन, बोली, खानपान और जातीय समीकरण लगभग एक जैसे हैं। इसलिए बिहार के नतीजों का सीधा असर यूपी की राजनीति पर पड़ना तय माना जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा को समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन से बड़ा झटका लगा था।

भाजपा का ओबीसी और दलित वोट बैंक बिखर गया था। यही कारण है कि योगी आदित्यनाथ ने बिहार में एनडीए के सभी घटक दलों जेडीयू, एलजेपी (रामविलास), हम और आरएलएम के 43 उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। उनका फोकस बिहार के वोटरों को यूपी के बुलडोजर मॉडल की सफलता दिखाने पर रहा। योगी ने हर सभा में कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराधी और माफिया खत्म हुए हैं, कानून का राज स्थापित हुआ है और अब बिहार को भी उसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उनका संदेश साफ था कि यूपी का विकास मॉडल बिहार में भी अपनाया जाए। इस प्रचार के पीछे उनकी रणनीति यह थी कि बिहार में एनडीए की जीत से यूपी में भाजपा के लिए सत्ता की हैट्रिक का माहौल बनाया जा सके। वहीं अखिलेश यादव ने बिहार में बिना प्रत्याशी उतारे प्रचार अभियान को पूरी मजबूती से चलाया। उन्होंने सात दिनों में 28 जनसभाएं कीं और आरजेडी, कांग्रेस, वामदलों और वीआईपी उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे। अखिलेश अपने भाषणों में केंद्र सरकार और योगी सरकार दोनों पर हमला बोलते दिखे।

उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति झूठ और नफरत पर आधारित है, लेकिन जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने दावा किया कि यूपी के अवध और अयोध्या में भाजपा को हराने के बाद अब बिहार के मगध में भी भाजपा को हराया जाएगा। बिहार में अखिलेश का यह अभियान सिर्फ महागठबंधन के समर्थन में नहीं था, बल्कि यह उत्तर प्रदेश में अपनी वापसी की पृष्ठभूमि तैयार करने की कोशिश भी थी। अखिलेश ने बिहार के हर हिस्से में अपने सांसदों और विधायकों को उतार दिया। अफजाल अंसारी, राजीव राय, इकरा हसन, अवधेश प्रसाद, सनातन पांडे, जय प्रकाश अंचल, ओम प्रकाश सिंह और आशु मलिक जैसे नेताओं ने बिहार के अलग-अलग इलाकों में प्रचार की कमान संभाली।

अवधेश प्रसाद ने दलित वोटरों को साधने का जिम्मा लिया, जबकि इकरा हसन को सीमांचल की मुस्लिम बहुल सीटों पर भेजा गया। अफजाल अंसारी यूपी सीमा से सटी सीटों पर प्रचार करते रहे। इस रणनीति का मकसद था कि बिहार में मुस्लिम वोटों का बिखराव न हो और ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम का असर सीमित रहे। 2020 के चुनाव में ओवैसी ने सीमांचल में पांच सीटें जीतकर सभी को चौंकाया था। इस बार अखिलेश ने उसी इलाके में अपने मुस्लिम चेहरों को उतारकर यह संदेश देने की कोशिश की कि बिहार से उठने वाली मुस्लिम राजनीति यूपी में समाजवादी खेमे से बाहर न जाए।

इकरा हसन ने कहा कि अगर वोट बंटे तो भाजपा सत्ता में लौट आएगी और इस बार मुख्यमंत्री की कुर्सी नीतीश कुमार को नहीं, बल्कि भाजपा को मिलेगी। अफजाल अंसारी ने भी ओवैसी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे वही काम कर रहे हैं जो आरएसएस करती है, मुसलमानों को बांटने का।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिहार के चुनाव परिणाम का असर यूपी की सियासत पर सीधा पड़ेगा। अगर एनडीए बिहार में जीत दर्ज करता है, तो भाजपा के लिए यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव की राह आसान होगी और उसका मनोबल बढ़ेगा। लेकिन अगर महागठबंधन बिहार में जीतता है, तो इसका लाभ समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को मिलेगा। इससे यूपी में विपक्षी एकजुटता और मजबूत होगी। साथ ही, यह अखिलेश यादव की राजनीति के लिए नया मोड़ साबित होगा क्योंकि वे खुद को अब यूपी के सीमित दायरे से निकालकर राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का नेता साबित करना चाहते हैं।

बिहार में इस बार जनता का उत्साह अभूतपूर्व है। पहले चरण की 65.08 प्रतिशत वोटिंग अपने आप में एक संकेत है कि मतदाता इस बार बदलाव के मूड में हैं। सर्वेक्षणों के अनुसार बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार इस चुनाव के प्रमुख मुद्दे हैं। 2020 में राजद को 23.11 प्रतिशत वोट मिले थे और भाजपा को 19.46 प्रतिशत। इस बार किसी भी दल का वोट शेयर अभी तक 25 प्रतिशत के पार नहीं गया है, जिससे यह स्पष्ट है कि बिहार में सत्ता की लड़ाई बेहद कड़ी है। ऐसे में बिहार का परिणाम केवल पटना की सत्ता नहीं, बल्कि लखनऊ की राजनीति की दिशा भी तय करेगा।

बिहार और उत्तर प्रदेश के बीच की यह सियासी कड़ी अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी है। योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव दोनों जानते हैं कि बिहार का यह रण सिर्फ सीटों का नहीं बल्कि भविष्य की सियासत का संदेश देने वाला है। अगर एनडीए की जीत होती है तो योगी का बुलडोजर मॉडल दोबारा यूपी की सियासत में गूंजेगा। लेकिन अगर महागठबंधन सत्ता में लौटता है तो अखिलेश यादव के नेतृत्व में यूपी की विपक्षी राजनीति को नया जोश मिलेगा।

इस चुनाव ने साफ कर दिया है कि बिहार अब सिर्फ बिहार नहीं रहा, बल्कि यह उत्तर प्रदेश के अगले चुनाव की राजनीतिक प्रयोगशाला बन चुका है, जहां से आने वाले सालों की सत्ता की पटकथा लिखी जा रही है।

चौदह वर्ष बाद फिर उग आई आतंकी विषबेल

विकेश कुमार बडोला

एक दशक से अधिक समय के बाद राजधानी दिल्ली बम विस्फोट से पुनः अस्थिर हो उठी है। सोमवार 10 नवंबर को संध्याकाल 6.52 बजे दिल्ली स्थित लाल किला के समीप से जा रही एक कार में अति तीव्र ध्वनि के साथ एक विस्फोट हुआ और देखते-देखते ही नौ लोगों की भयंकर दुःखद मृत्यु हो गई। इस विस्फोटक घटना में 21 लोग गंभीर रूप में घायल हैं। जहां जिस स्थान पर विस्फोट हुआ वहां संध्याकाल में प्रायः भीड़ अधिक होती है। विस्फोट के बाद पास खड़े 11 वाहनों में भयंकर आग लग गई। घटनास्थल की त्वरित जांच करने के बाद दिल्ली पुलिस ने उस आई-20 कार के स्वामी को अभिरक्षा में ले लिया, जिसमें विस्फोट हुआ था। कार मालिक का नाम मोहम्मद सलमान है। उसने बताया कि उसने यह कार ओखला के देवेंद्र नामक व्यक्ति को बेची और बाद में यह कार अंबाला के किसी रहवासी को बेच दी गई। संध्या समय लाल किला में बम धमाका होने से पहले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र हरियाणा के फरीदाबाद सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से तीन मुसलिम चिकित्सक और आठ अन्य लोगों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। इनसे 2900 किलो विस्फोटक सामग्री जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार इन लोगों को अभिरक्षा में लेने के बाद जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में फैल हुये जैश-ए-मोहम्मद व आईएस से जुड़े अंसार गजवातुल हिंद के आतंकवादी तंत्र और इसकी संभावित आतंकी गतिविधियों का खुलासा हुआ है। जिस कश्मीरी चिकित्सक को पकड़ गया है उसका नाम मुजम्मिल गनी है। इसके साथ ही लखनऊ की चिकित्सक शाहीन को भी पकड़ा गया है। शाहीन की कार से एके-47 राइफल मिली है। गृहमंत्री अमित शाह ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद वक्तव्य दिया है कि घटना की हर कोण से सघन जांच की जायेगी। दिल्ली ही नहीं, जम्मू-कश्मीर एवं अन्य सीमांत क्षेत्रों को छोड़कर देश के अंदर किसी भी महानगर या नगर में गत 14 वर्षों से कोई बम धमाका नहीं हुआ था। दिल्ली में हुये पुराने बम धमाकों एवं आंतकी गतिविधियों के आंकड़ों पर दृष्टिपात करें तो 25 मई 1996 को लाजपत नगर सेंट्रल मार्किट में हुये धमाके में 16 लोग मारे गये थे। इसके बाद 10 अक्टूबर 1997 को शांतिवन कौरिया पुल किंग्जवे कैंप के धमाके में 1 व्यक्ति की मृत्यु हुई। 18 अक्टूबर 1997 को रानी बाग मार्किट में भी धमाके ने 1 वयक्ति की जान ली। लाल किला क्षेत्र में 30 नवंबर 1997 को हुये धमाके में 3 मौतें हुईं। फिर 30 दिसंबर 1997 को पंजाबी बाग बम विस्फोट में 4 मौतें हुईं, 13 दिसंबर 2001 को भारतीय संसद पर बड़ा आतंकी हमला हुआ था। इसमें नौ 9 सुरक्षा कर्मी मारे गये थे। सबसे बड़े बम विस्फोट 29 अक्टूबर 2005 को सरोजिनी नगर, पहाड़गंज व गोविंदपुरी कुल तीन स्थानों पर हुये जिनमें 62 लोग मारे गये थे। 13 सितंबर 2008 को गफ्फार मार्किट, बाराखंभा, ग्रेटर कैलाश में हुये विस्फोटों में 25 मौतें हुईं और आखिरी बम धमाका 7 सितंबर 2011 को दिल्ली उच्च न्यायालय में हुआ था, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद कल 10 नवंबर को पूरे चौदह वर्ष बाद भारत के अंदर बम धमाका हुआ।

यह वास्तव में तब अप्रत्याशित प्रतीत होता है, जब वर्तमान केंद्रीय शासन ने आतंकवाद के संबंध में शून्य सहनशीलता की नीति पर चलते हुये आतंक को नियंत्रित करने के लिये अनेक कार्य किये हैं। केंद्रीय शासन ने न केवल भारत, अपितु विदेशों में भी आतंकी तंत्र को ध्वस्त करने के लिये अनेक गुप्त एवं प्रकट अभियान चलाये हैं, जिनमें उसे अपेक्षित सफलता भी मिली है। ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत आतंकवादियों के तंत्र को ध्वस्त करने का सर्वाधिक सफलतम एवं उल्लेखनीय अभियान चलाया गया, जिसके संरक्षण में उतरे पाकिस्तान को भी भारत का गंभीर सैन्य आघात झेलना पड़ा। हालांकि ऐसा नहीं था कि 7 सितंबर 2011 के बाद भारत की राजधानी दिल्ली सहित महानगरों एवं नगरों में आतंकियों ने अपनी हरकतों को अंजाम देने के लिये कोई कदम नहीं उठाया। पाकिस्तान, बांग्लादेश सहित अनेक शत्रु देशों ने भारत के विरुद्ध अपने-अपने यहां पाले गये आतंकवादियों के माध्यम से अनेक आतंकी अभियान चलाये, किंतु भारतीय रक्षा-सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें घटित होने से पहले ही ध्वस्त कर दिया था। छह-सात माह पूर्व राम मंदिर परिसर तथा कुंभ मेला में भी विभिन्न आतंकी गिरोह हिंदू तीर्थयात्रियों की भीड़ में बड़ा बम विस्फोट करने का षड्यंत्र कर रहे थे, किंतु देश की सुरक्षा एजेंसियों ने उनके इरादों को अमल में आने से पहले ही रोक दिया था। वर्तमान केंद्र शासन के सत्तारूढ़ होने के बाद देश में अनेक आतंकवादियों एवं इनके देशी-विदेशी तंत्रों का खुलासा हुआ है तथा अपेक्षित ढंग से इनका सफाया भी किया गया है। किंतु दिल्ली में बम विस्फोट होने और कई राज्यों में भारत के विरुद्ध आतंकी षड्यंत्रों में संलिप्त आतंकवादियों के पकड़े जाने के उपरांत यही सिद्ध होता है कि आतंकवाद की मूल जड़ तक पहुंचकर उसे काटने की दिशा में न तो वर्तमान भारतीय केंद्र शासन और ना ही दुनिया के देशों के शासन कुछ विशेष प्रयास कर रहे हैं। घुसपैठ पर केंद्र से लेकर राज्य शासन तक केवल कोरे वक्तव्य दिये जा रहे हैं किंतु ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी मुसलिम घुसपैठियों एवं इनके राजनीतिक संरक्षकों की धरपकड़ नहीं हुई और न हो रही है। आतंक के मूल में इस्लामी मजहब के वे सिद्धांत हैं, जो मदरसों में बैठे मुस्लिम बच्चों से लेकर पढ़े-लिखे मुस्लिम आतंकवादियों के मन-मस्तिष्क में यही धारणा बनाये बैठे हैं कि दुनिया में केवल और केवल इस्लाम की स्थापना होनी चाहिये और मुसलमानों के अतिरिक्त किसी अन्य धर्म का कोई अनुयायी जीवित न रहे। जब तक भारत के कर्ताधर्ता इस मुस्लिम सिद्धांत एवं धारणा को केंद्र में रखकर भारत व भारतीयता के हित में तात्कालिक रूप में अप्रिय लगने वाले कुछ कठोर कार्यकारी निर्णय नहीं लेंगे, तब तक एक-दो दशकों तक आतंक पर व्यावहारिक नियंत्रण तो लगाया जा सकता है, किंतु जैसे ही सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता में कमी होगी तो फिर दिल्ली जैसे धमाकों की पुनरावृत्ति भी अवश्य होती रहेगी। ऐसा तब तक होता रहेगा जब तक इस्लामी मजहब के एक-एक प्रतीक को ध्वस्ताधूत नहीं कर दिया जाता और भारत को शीघ्रातिशीघ्र हिंदू राष्ट्र घोषित नहीं कर दिया जाता। इस हेतु संविधान की प्रस्तावना बहुसंख्यक हिंदुओं तथा उनकी धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप परिवर्तित करनी ही होगी। ऐसा करे बिना देशी-विदेशी कोई भी शासन, कितना ही श्रेष्ठ शासन हो, वह कभी भी मुस्लिम आतंकवाद एवं इसके कारण उत्पन्न होनेवाली आतंकी गतिविधियों पर कभी भी नियंत्रण नहीं लगा सकता। जब भारत की दिल्ली आतंकी बम धमाका से गूंज रही है, दुःखद है कि उसी समयावधि में वाशिंगटन डी. सी. में अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय ओवल व्हाइट हाउस में आईएस के खुद अमेरिका द्वारा घोषित ईनामी आतंकी और अब सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल शरा का स्वयं ट्रंप गर्मजोशी से स्वागत कर रहे हैं। क्या इन परिस्थितियों में दुनिया से इस्लामी आतंक कभी समाप्त हो सकता है?

अपेक्षा, जीवन का लाइसेंस

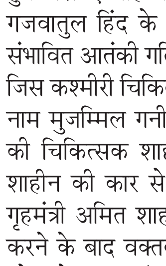
डॉ. सुरेश कुमार

अरे भैया, आप भी क्या खूब बात कर दिए! अपेक्षाएँ यानी आशाएँ! हा हा हा। यह तो ऐसा हो गया जैसे कहो कि पेट्रोल यानी गंगाजल। भई, गंगाजल से प्यास बुझती है, आस्था जगती है, पर पेट्रोल तो आग लगाता है! हमारी आपकी इस फालतू-सी जिंदगी में ये जो 'अपेक्षा' नाम का लाइलाज कोढ़ है न, यह केवल आशा का नाम नहीं है, यह तो जीवन का लाइसेंस है, और मृत्यु का वारंट भी! लाइसेंस इस बात का कि हाँ, तुम अभी जिंदा हो, क्योंकि तुम्हें किसी पड़ोसी की नई कार से, किसी रिश्तेदार की झूठी तारीफ से, या खुद अपनी निकम्मी औलाद से कोई गंभीर-सी अपेक्षा बाकी है। जिस दिन 'जीने की वजह' खत्म हो जाएगी, उसी दिन यह निरुद्देश्य जीवन जो तुम कोस रहे हो, वह अपने चरम पर पहुँच जाएगा। लेकिन 'निरुद्देश्य जीवन' भी कोई जीवन है? बिलकुल नहीं, वह तो सरकारी अस्पताल की फाइल है, जिसका कोई अता-पता नहीं, बस मोटी होती जाती है।

हमारे 'मामाजी' की अपेक्षाएँ तो इतनी ऊँची थीं कि छत से लगकर वापस आती थीं। उन्हें अपेक्षा थी कि उनकी मृत्यु पर कम से कम बीस हज़ार लोग रोएँ, जिसमें दस हज़ार तो 'शो ऑफ' करने वाले ही हों। और जब मरे, तो कुल पंद्रह आदमी पहुँचे, जिनमें से ग्यारह केवल खाना खाने के लिए आए थे। और आप कहते हैं कि अपेक्षाएँ रखनी चाहिए? ज़रूर रखिए! लेकिन यह ध्यान रखिए कि अपेक्षा जिससे रख रहे हैं, वह इंसान है—यानी फिसड्डी, कामचोर और मतलबी। आप अपेक्षा रखिए कि आपकी पत्नी चाय बनाएगी, और वह आपको ज़हर भी दे सकती है! और हाँ, यह बात तो बिलकुल ही सही है कि 'पूरी न हो पाने पर निराश नहीं होना चाहिए'। यह उपदेश नहीं है, यह तो राष्ट्रीय चरित्र बन चुका है! हर भारतीय यही उपदेश देता है, क्योंकि हममें से किसी की कोई अपेक्षा पूरी नहीं होती, इसलिए हम निराश नहीं होते, हम बस सन्न रह जाते हैं। यह निराशा नहीं, यह जन्मजात उदासीनता है। अपेक्षा रखो, और जब पूरी न हो, तो बस हँसो, एक ऐसी हँसी जो भीतर ही भीतर आपकी आँतों को निचोड़कर रख दे। यही जीवन का सबसे बड़ा व्यंग्य है, मेरे भाई।

वाह! क्या बात कही है! ₹जिंदगी चलने का नाम है₹! बिलकुल, जिंदगी ऐसे ही चलती है, जैसे सरकारी बाबू की फाइल। धीरे-धीरे, रेंगते हुए, बिना किसी उद्देश्य के, और अंततः एक रद्दी के ढेर में सिमटकर। और ये जो इच्छाएँ अनन्त हैं न, यह तो ऐसा जुमला है, जिसे सुनकर तो आँखों में आँसू आ जाने चाहिए! एक इच्छा पूरी हुई नहीं कि दूसरी ने बेलन लेकर सिर पर दस्तक दे दी। अरे भाई, ये इच्छाएँ नहीं हैं, ये तो ब्याज हैं, जो हम अपनी आत्मा से ले रहे हैं! पहली इच्छा (एक साइकिल) पूरी होती है तो दूसरी (एक स्कूटर) तुरंत माँग पत्र भेज देती है। स्कूटर मिलता है तो तीसरी (एक सरकारी नौकरी) एफिडेविट लेकर खड़ी हो जाती है! यह अनन्तता नहीं है, यह तो नरक का इन्फिनिटी लूप है। एक इच्छा-पूर्ति का सुख सिर्फ दो मिनट का होता है, और अगली इच्छा का दुख दो जन्मों तक पीछा नहीं छोड़ता।जिस दिन सब पूरी हो जाएँ, यानी मन निर्मोही हो जाए! हा हा हा! यह तो भारतीय आध्यात्म का सबसे क्रूरतम व्यंग्य है। मन निर्मोही हो जाए? यानी मन काम करना बंद कर दे, यानी मन की मशीन में जंग लग जाए। तब मोक्ष मिलेगा? मोक्ष नहीं मिलेगा मेरे दोस्त, अधूरे सपनों का भूत मिलेगा, जो रात भर कान में फुसफुसाएगा, ₹क्यों नहीं किया? क्यों छोड़ दिया?₹ और आप कहते हैं कि तब व्यक्ति मरे हुए के समान हो गया? बिलकुल! मरे हुए के समान नहीं, बल्कि सच्चा भारतीय नागरिक हो गया! क्योंकि यहाँ आदमी जिंदा कम, मरा हुआ ज़्यादा नज़र आता है। सुबह-शाम काम करता है, बच्चों को पालता है, समाज को गालियाँ देता है, लेकिन भीतर से वह कोरा कागज़ है, जिस पर कोई इच्छा, कोई अपेक्षा अब कोई रंग नहीं भर पाती। यह जीती-जागती लाश बनना ही तो 'मोक्ष' है—उस मोक्ष का, जो इस समाज ने हमें उपहार में दिया है!

भागीदारी में आगे, हिस्सेदारी में पीछे आधी आबादी

राज कुमार सिंह

अन्य राज्यों की तरह बिहार में भी महिला मतदाताओं को रिझाने में सत्ता के दावेदारों ने कसर नहीं छोड़ी। नीतीश कुमार के नेतृत्ववाली राजग सरकार ने चुनाव की घोषणा से ऐन पहले महिला सशक्तीकरण के नाम पर सवा करोड़ से भी ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते में 10-10 हजार रुपये ट्रांसफर किये तो महागठबंधन ने 'माई-बहिन योजना' के तहत हर महिला को ढ़ाई हजार रुपये महीना देने का वायदा किया। महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव ने जीविका दीदियों का वेतन बढ़ा कर 30 हजार रुपये करने का वायदा भी मतदान से पहले कर दिया। महिलाओं पर इस चुनावी मेहरबानी का कारण समझना मुश्किल नहीं। 2010 से ही हर चुनाव में महिलाएं मतदान में पुरुषों से बाजी मारती रही हैं। 2010 में पुरुषों का मतदान प्रतिशत जहां 51.5 ही रहा, 54.5 प्रतिशत महिलाओं ने वोट डाले। 2015 में हुए अगले विधानसभा चुनाव में मतदान का यह अंतर और बढ़ गया।

पुरुष मतदान का प्रतिशत 53.3 तक ही सुधरा तो महिलाएं 60.5 प्रतिशत पर पहुंच गयीं। बेशक 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में महिला मतदान प्रतिशत में कुछ कमी आयी, लेकिन 54.5 प्रतिशत पुरुष मतदान के मुकाबले 59.7 प्रतिशत के साथ आगे वे ही रहीं। इस चुनाव में भी मतदान में महिलाओं के आगे रहने के संकेत हैं।

हार-जीत मतदान से ही तय होती है। मतदान में महिलाएं आगे हैं तो जाहिर है कि सरकार के चयन में भी उनकी पसंद पुरुषों के मुकाबले ज्यादा निर्णायक भूमिका अदा करती है। इसलिए भी कोई खुद को महिलाओं का हितैषी दिखाने में पीछे नहीं रहना चाहता। चुनावी आंकड़े और विश्लेषण यह संकेत भी देता है कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो देश भर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता महिलाओं में अन्य राजनेताओं के मुकाबले ज्यादा है। बेशक महिलाओं में राजनीतिक जागरूकता और मतदान में बढ़ती उनकी भागीदारी देश और समाज के लिए सुखद संकेत है। वांछित परिणामों पर बहस हो सकती है, पर बिहार में महिला सशक्तीकरण के लिए कदम उठाये गये हैं। पंचायत चुनाव में 35 प्रतिशत आरक्षण है तो पुलिस भर्ती में 50 प्रतिशत, लेकिन बात जब विधानसभा और लोकसभा की चुनावी राजनीति में प्रतिनिधित्व की आती है तो तस्वीर निराशाजनक उभरती है। मसलन, इस विधानसभा चुनाव में बिहार की 243 सीटों 2357 पुरुष उम्मीदवार मैदान में हैं, लेकिन महिला उम्मीदवारों की संख्या मात्र 258 ही है। संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के लिए वर्ष 2023 में 106 वां संविधान संशोधन पारित करते समय अपनी प्रतिबद्धता दोहरानेवाले राजनीतिक दल महिलाओं को कम टिकट के लिए 'जीत की संभावना' की कसौटी की आड़ लेते हैं। पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में 370 महिलाओं को टिकट दिये गये, लेकिन सिर्फ 26 यानि सात प्रतिशत ही जीत पायीं, जबकि पुरुष उम्मीदवारों की जीत का प्रतिशत दस रहा।

दिलचस्प तथ्य यह भी है कि जिन राजनीतिक दलों की अपनी जीत की संभावना कम रहती है, वे महिलाओं को टिकट देने में उदारता दिखाते हैं। 2022 में प्रियंका गांधी ने 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का नारा देते हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 148 महिला कांग्रेस उम्मीदवार उतारीं, पर मात्र एक जीत पायी। जीत की बेहतर संभावनावाले राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा जैसे राज्यों में कांग्रेस ने महिलाओं के प्रति ऐसी उदारता कभी नहीं दिखायी। इस बार बिहार में महिलाओं को सबसे ज्यादा 26 टिकट मायावती की बसपा ने दिये हैं। 25 टिकटों के साथ प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी दूसरे नंबर पर है। ये दोनों ही सत्ता की प्रमुख दावेदार नहीं लगतीं। सत्ता के प्रमुख दावेदारों में भाजपा और जदयू ने 13-13 टिकट दिये हैं तो राजद ने 11। कांग्रेस के 61 उम्मीदवारों में पांच महिलाएं हैं। चिराग पासवान की लोजपा (आर) ने 29 में से छह उम्मीदवार महिलाएं उतारीं, लेकिन एक का नामांकन रद्द हो गया। एक और सच यह भी है कि जीत की संभावनावाली सीटों पर टिकट में अकसर राजनीतिक परिवारों की महिलाओं को ही मौका मिलता है। मसलन, जीतनराम माझी ने अपने हिस्से आयीं छह सीटों में से दो पर महिलाओं को टिकट दिया, जिनमें से एक उनकी समधन ज्योति देवी हैं तो दूसरी बहू दीपा। राजग में छह सीटोंवाली एक और पार्टी रालोमा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने अपनी पत्नी स्नेहलता को उम्मीदवार बनाया है। दरअसल यही महिला सशक्तीकरण की चिर-परिचित राजनीतिक शैली बन गयी है। मतदान में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के बावजूद चुनावी राजनीति में उनकी घटती हिस्सेदारी हमारी राजनीतिक व्यवस्था पर ही सवालिया निशान है। बिहार में 2010 में 34 महिलाएं जीत कर विधानसभा पहुंची थीं। 2015 में यह संख्या घट कर 28 रह गयी तो 2020 में 26। वैसे चुनावी लोकतंत्र में आधी आबादी की बढ़ती भागीदारी और घटती हिस्सेदारी की यह विडंबना राष्ट्रव्यापी है। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में भी 20 से ज्यादा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान प्रतिशत ज्यादा था।

कालभैरव अष्टमी : भगवान शिव का उग्र अवतार है कालभैरव इनकी पूजा से दूर होते हैं भय और नकारात्मक विचार

बुधवार, 12 नवंबर को अगहन कृष्ण अष्टमी है, इस तिथि पर कालभैरव अष्टमी मनाई जाती है। मान्यता है कि भगवान शिव ने इसी तिथि पर कालभैरव अवतार लिया था। ये शिव जी उग्र स्वरूप है। जो लोग भय और नकारात्मक विचार दूर करना चाहते हैं, उन्हें कालभैरव की पूजा करनी चाहिए।

कुंडली में शनि और राहु-केतु से जुड़े दोष हैं, उन्हें भी कालभैरव की पूजा खासतौर पर करनी चाहिए। कालभैरव अष्टमी पर कालभैरव प्रकट हुए थे। भैरव शब्द का अर्थ है भय को दूर करने वाला। इस तिथि पर भगवान शिव और देवी पार्वती की भी विशेष पूजा करनी चाहिए।

शास्त्रों में बताया गया है कि कालभैरव की पूजा करने से भक्त की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। शिव जी के इस स्वरूप की पूजा करने से रोगों से भी मुक्ति मिल सकती है।

ऐसे मनाएं कालभैरव अष्टमी

कालाष्टमी पर सुबह ब्रह्ममुहूर्त में बिस्तर छोड़ देना चाहिए। पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें।

स्नान के बाद उगते सूर्य को जल चढ़ाएं। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें, जल में कुमकुम और फूल भी डालें। ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते हुए सूर्य को अर्घ्य चढ़ाएं।

घर के मंदिर में भैरव महाराज और शिव-पार्वती की पूजा का संकल्प लें।

सबसे पहले प्रथम पूज्य गणपति का ध्यान करें। इसके बाद भैरव, शिव-पार्वती को पंचामृत चढ़ाएं। भैरव को सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं। हार-फूल और वस्त्रों से श्रृंगार करें।

ऊँ भैरवाय नमः मंत्र का जप करें। धूप-दीप जलाएं। पूजा में इमरती का भोग लगाना चाहिए। अंत में भगवान की आरती करें। पूजा के बाद जानी-अनजानी गलतियों के लिए क्षमा मांगे।

ये है कालभैरव अवतार की कहानी

एक पौराणिक कथा है कि एक बार ब्रह्मा, विष्णु और महेश में यह विवाद हुआ कि हम तीनों में सर्वश्रेष्ठ कौन है। इस विवाद को सुलझाने के लिए सभी देवी-देवताओं की सभा बुलाई गई। काफी विचार-विमर्श के बाद निर्णय आया कि शिव जी सर्वश्रेष्ठ हैं, क्योंकि इनकी इच्छामात्र से ही सृष्टि की रचना हुई है और शिव जी ही संहारक भी हैं। शिव और विष्णु, इस बात से सहमत हो गए, लेकिन ब्रह्मा जी इस निर्णय से असंतुष्ट थे।

ब्रह्मा जी ने अहंकार के कारण शिव का अपमान करने का प्रयास किया। इससे क्रोधित होकर शिव ने अपना भयंकर रूप धारण किया और कालभैरव अवतार प्रकट हुआ। काले कुत्ते पर सवार और हाथों में दंड लिए कालभैरव ने ब्रह्मा जी के एक सिर को काट दिया। ब्रह्मा जी ने भयभीत होकर क्षमा मांगी, तब भगवान भैरव शांत हुए। मान्यता है कि ये घटना अगहन मास की कृष्ण अष्टमी को हुई थी। इसी वजह से इस तिथि पर कालभैरव अष्टमी मनाई जाती है।

रामकृष्ण परमहंस की सीख

रोज थोड़ा समय खुद के लिए निकालें, सोचें कि आज आपने कौन सी गलती की, आत्ममंथन से बुराइयां दूर होती हैं

स्वामी विवेकानंद के गुरु रामकृष्ण परमहंस अपनी सादगी और भक्ति के लिए प्रसिद्ध थे। वे काली माता के परम भक्त थे। परमहंस जी के हर काम में एक सीख छिपी रहती थी। वे कभी हंसी में डूब जाते, कभी अचानक नाचने लगते, तो कभी देवी मां की मूर्ति के सामने भावविभोर होकर बेहोश हो जाते थे।

परमहंस जी के शिष्य अक्सर देखते थे कि उनके गुरु हर काम बिना किसी दिखावे के करते हैं, लेकिन एक बात सभी शिष्यों के मन में जिज्ञासा का कारण बनी रहती थी- वह बात थी परमहंस जी का लोटा साफ करने का तरीका।

परमहंस जी के पास एक पुराना लोटा था, इसका उपयोग वे अपने निजी कार्यों के लिए करते थे, लेकिन वे उसे दिन में कई बार धोते थे। सुबह उठते ही, भोजन के बाद और रात में सोने से पहले। हर बार वे उसे बड़ी तन्मयता से साफ करते थे। वे लोटे को केवल धोते ही नहीं थे, बल्कि उसे इस तरह चमकाते जैसे किसी पूजा की वस्तु को पवित्र कर रहे हों।

शिष्य ये देखकर हैरान रहते। एक दिन शिष्यों ने पूछा कि गुरुदेव, ये लोटा तो साधारण है। आप इसे इतनी लगन से क्यों मांजते हैं? क्या इसमें कोई रहस्य है?"

परमहंस जी बोले कि हां, ये लोटा वास्तव में जादुई है। जब मैं इसे साफ करता हूं, तो मैं सोचता हूं कि ये मेरा मन है। दिनभर में जैसे इस पर धूल जम जाती है, वैसे ही हमारे मन पर भी बुरे विचार, क्रोध, ईर्ष्या और लोभ की परतें चढ़ जाती हैं।

अगर इन्हें समय-समय पर साफ न किया जाए, तो मन काला हो जाता है और हमें गलत रास्ते पर ले जाता है। जैसे मैं इस लोटे को रगड़-रगड़कर चमकाता हूं, वैसे ही अपने मन को भी हर दिन स्वच्छ करना चाहिए।

ये सुनकर शिष्य मौन हो गए। उन्हें समझ आया कि साधना केवल ध्यान या पूजा में नहीं, बल्कि हर छोटे कार्य में छिपी होती है।

रामकृष्ण परमहंस की सीख

रामकृष्ण परमहंस जी की ये कथा हमें सिखाती है कि मन की सफाई जीवन प्रबंधन की सबसे बड़ी कला है। जानिए इस किस्से की सीख...

दैनिक आत्मचिंतन करें

रोज कुछ समय खुद के लिए निकालें। सोचें कि आज आपने कौन से विचार अच्छे रखे और कहां गलती हुई। आत्ममंथन करने से हमारी बुराइयां दूर होती हैं।

भावनाओं को दबाएं नहीं, समझें

गुस्सा, दुख या ईर्ष्या को दबाने से ये बुराइयां अंदर जमा होकर मन को गंदा करती हैं। इन्हें पहचानें, स्वीकारें और धीरे-धीरे छोड़ दें।

सकारात्मकता बनाए रखें

रोज दूसरों के अच्छे काम के लिए उनकी सराहना करें, धन्यवाद करें। ये अभ्यास मन को सकारात्मकता से भर देता है और नकारात्मक विचारों को दूर रखता है।

अच्छी संगत में रहें

जिन लोगों के साथ आप रहते हैं, वे आपके विचारों को प्रभावित करते हैं। अच्छी संगति मन के लिए साबुन की तरह होती है। अच्छे लोग हमारी बुराइयां दूर कर देते हैं।

शरीर की तरह मन की सफाई भी जरूरी है

जैसे नहाना शरीर की गंदगी मिटाता है, वैसे ही प्रार्थना, ध्यान या संगीत मन को साफ करता है। दिन में कुछ देर मन की सफाई भी जरूर करें।

हर स्थिति में शांत रहें

अनावश्यक इच्छाएं और जटिलता मन को गंदा करती हैं। सरल जीवन अपनाने से मन अपने आप शांत हो जाता है। अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करें और शांत रहें।

पूजा के बाद भगवान से क्यों करते हैं क्षमा प्रार्थना?

सनातन धर्म में किसी भी देवी-देवता की पूजा में मंत्रों का बहुत महत्व दिया गया है। पूजा की हर क्रिया जैसे प्रार्थना, स्नान, ध्यान, भोग आदि के लिए अलग-अलग मंत्र बताए गए हैं।

क्षमा याचना क्यों करते हैं?

अक्सर पूजा करते समय जाने-अनजाने हमसे कई गलतियां हो जाती हैं, जैसे कभी उच्चारण में गलती, कभी विधि में कोई कमी या कभी ध्यान कहीं और चला जाता है। इसलिए पूरी पूजा हो जाने के बाद हम भगवान से क्षमा याचना करते हैं। इसके लिए एक खास मंत्र भी है।

क्षमा याचना मंत्र

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम,
पूजां चैव न जानामि क्षमस्व परमेश्वर॥
मंत्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं जनार्दन,
यत्पूजितं मया देव परिपूर्ण तदस्तु मे॥

इस मंत्र का अर्थ है कि हे प्रभु! मुझे न तो आपको बुलाना आता है, न ही सही तरह से पूजा करना। मैं आपकी आराधना की विधि नहीं जानता। मैं मंत्रहीन, क्रियाहीन और भक्तिहीन इंसान हूं। मेरे द्वारा की गई पूजा को स्वीकार करें। यदि इस दौरान मुझसे कोई गलती हुई हो तो मुझे क्षमा करें।

क्षमा याचना का महत्व

क्षमा याचना करने के पीछे का उद्देश्य साफ है कि जब भी हम भगवान की पूजा करते हैं तो हमसे जाने-अनजाने में कोई न कोई कमी या भूल चूक हो जाती है, इसलिए हमें पूजा के बाद भगवान से क्षमा याचना जरूर करनी चाहिए। जीवन में जब भी हमसे कोई गलती हो, तो हमें तुरंत क्षमा मांग लेनी चाहिए, चाहे वह भगवान से हो या किसी इंसान से। क्षमा मांगने से अहंकार खत्म होता है और रिश्तों में प्रेम व अपनापन बना रहता है।

यही सच्ची भक्ति और मानवता का मूल है। इसलिए पूजा के अंत में जब हम भगवान से क्षमा याचना करते हैं। यह केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं है, बल्कि विनम्रता और आत्मचिंतन का प्रतीक भी है।

काहिरा से असवान तक सभ्यता की गोद में एक अद्भुत यात्रा

मिस्र की राजधानी काहिरा अतीत और वर्तमान का अनोखा मेल है। गीजा के पिरामिड और स्फिंक्स इसकी पहचान हैं। लगभग 4,500 वर्ष पुराने खुफू का पिरामिड आज भी अपनी भव्यता से यात्रियों को मंत्रमुग्ध करता है। स्फिंक्स की विशाल प्रतिमा मिस्र के रहस्यों की प्रतीक है।

काहिरा का इजिप्शियन म्यूजियम फिरौन काल की ममियों और प्राचीन कलाकृतियों का खजाना है। शाम को खान-एल-खलीली बाजार की रौनक, पारंपरिक गहने, मसाले और नील नदी पर डिनर क्रूज पर्यटकों को आधुनिक मिस्र का स्वाद चखाते हैं। नील नदी की लहरों के साथ बहता मिस्र हमें याद दिलाता है कि इतिहास कभी बूढ़ा नहीं होता- वह हमेशा प्रेरणा देता है।

हुर्गादा : लाल सागर का नीला आकर्षण

काहिरा से आगे बढ़ते ही हुर्गादा का रोमांचक संसार शुरू होता है। लाल सागर के किनारे बसा यह शहर पानी व रोमांच का संगम है। स्कूबा डाइविंग, स्नॉर्कलिंग व विंडसर्फिंग जैसी गतिविधियां यहां के प्रमुख आकर्षण हैं। समुद्र की लहरों व सफेद रेत पर टहलना सुकूनभरा अनुभव देता है। रात में बीच क्लब्स और सीफूड रेस्टोरेंट्स यहां की नाइटलाइफ को जीवंत बनाते हैं।

हुर्गादा से 25 किलोमीटर दूर एल गूना 'रेड सी की वेनिस' कहलाता है। कृत्रिम लैगून, छोटे पुल व नौकाएं इसे आकर्षक बनाते हैं। पर्यावरण-अनुकूल डिजाइन, लग्जरी रिसॉर्ट्स और शांत वातावरण इसे और खूबसूरत बनाते हैं।

लक्सर और असवान : प्राचीनता व शांति के प्रतीक लक्सर को 'ओपन-एयर म्यूजियम' कहा जाता है। कर्नाक व लक्सर मंदिरों की भव्यता, विशाल स्तंभ और पत्थरों पर उकेरी चित्रलिपियां मिस्र की प्राचीन आत्मा को जीवित रखती हैं।

नील के पार वैली ऑफ द किंग्स में फिरौन राजाओं की कब्रें हैं। दक्षिण में असवान, नील की गोद में बसा शांत शहर, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक मंदिरों के लिए जाना जाता है।

फिलाए मंदिर देवी आइसिस को समर्पित है, जबकि अबू सिम्बल के मंदिर मिस्र की स्थापत्य प्रतिभा का सर्वोत्तम उदाहरण हैं। मिस्र में हर पत्थर एक कहानी कहता है।

वास्तु से जानें, कैसे ऑफिस डेस्क का कैलेंडर आपके करियर को करता है प्रभावित

कैलेंडर की दिशा- वास्तु के मुताबिक, कैलेंडर हमेशा डेस्क के उत्तर या पूर्व दिशा की ओर देखने वाले हिस्से पर रखें। यह सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है और आपके काम में नियमितता लाता है।

कैलेंडर का डिज़ाइन और रंग

कैलेंडर का डिज़ाइन सरल और साफ होना चाहिए। यदि संभव हो, तो सकारात्मक चित्रों या प्रेरक शब्दों वाले कैलेंडर का चयन करें। नीले और हरे रंग के कैलेंडर काम में ताजगी और मनोबल बढ़ाते हैं।

तारीखों और योजनाओं पर ध्यान

कैलेंडर सिर्फ तारीखों के लिए नहीं, बल्कि आपके दिन-प्रतिदिन के लक्ष्यों को ट्रैक करने का साधन भी है। महत्वपूर्ण मीटिंग्स और प्रोजेक्ट डेडलाइन कैलेंडर पर साफ़-साफ़ लिखें। यह आपकी कार्यशैली को व्यवस्थित रखेगा और काम में सफलता की संभावना बढ़ाएगा।

डेस्क कैलेंडर रखने की जगह

कैलेंडर को ऐसी जगह रखें जहां से आप उसे आसानी से देख सकें। दाएं हाथ की तरफ या सामने की ओर रखना शुभ माना जाता है। इससे आपका मन और दिमाग योजनाओं पर केंद्रित रहेगा।

पुराना या टूटा हुआ कैलेंडर न रखें। साल या महीने के अनुसार, कैलेंडर को अपडेट करते रहें, क्योंकि यह नई ऊर्जा और सकारात्मकता को बढ़ावा देता है।

मासों में मैं मार्गशीर्ष हूं... मोक्ष दिलाने वाले इस महीने में क्यों नहीं खाते जीरा?

हिन्दू धर्म में हर तिथि, हर वार के साथ हर माह का भी विशेष महत्व शास्त्रों में बताया गया है। पंचांग का नौवां महीना, मार्गशीर्ष माह की शुरुआत हो चुकी है। धार्मिक ग्रंथों में इस पवित्र महीने का अत्यधिक महत्व बताया गया है, जिसे 'अगहन मास' भी कहा जाता है। मान्यता है कि इस माह में किए गए स्नान, दान और दीपदान से व्यक्ति के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवद्गीता में कहा है कि 'मासों में मैं मार्गशीर्ष हूं', जिससे इस महीने के धार्मिक महत्व के बारे में पता चलता है। उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार, इस माह कुछ ऐसे खान-पान के विशेष नियम भी हैं। जिन्हें ध्यान में रखना बेहद जरूरी है।

इस माह क्यों है जीरे का सेवन निषेध?

पुराणों और आयुर्वेदिक ग्रंथों में बताया गया है कि अगहन मास में जीरा खाने से शरीर में अग्नि (पाचन शक्ति) अत्यधिक बढ़ जाती है। चूंकि यह महीना शीत ऋतु का होता है, इसलिए जीरा जैसी तासीर में गर्म वस्तु का सेवन संतुलन बिगाड़ सकता है। धर्मशास्त्र के अनुसार, अगहन मास में शरीर और मन को संयमित रखने की सलाह दी गई है। जीरा का सेवन इंद्रियों को उत्तेजित करता है, इसलिए इसे व्रत या पूजन काल में त्यागने की परंपरा बनी। जीरा को रजोगुण को बढ़ाने वाला पदार्थ माना गया है यानी यह ध्यान, एकाग्रता और ध्यान में बाधा डाल सकता है।

मान्यता आज भी है प्रचलित

जब कोई चीज लगातार चलती है। तो उसे लोक मान्यता कि दृष्टि से भी देखा जाता है। गांवों और पारंपरिक परिवारों में यह माना जाता है कि अगहन मास में जीरा खाने से लक्ष्मी की कृपा कम होती है। यह महीना श्रीहरि विष्णु की उपासना का है और श्रीहरि को सात्त्विक अन्न प्रिय है।

जीरा को तामसिक या उष्ण गुण वाला मानकर इससे परहेज किया जाता है। कई पूजा-विधियों में (विशेषकर मार्गशीर्ष पूर्णिमा तक) किचन में जीरे का प्रयोग रोक दिया जाता है। इसके स्थान पर लोग हींग या काली मिर्च का उपयोग करते हैं।

जब मन प्रतिकूल परिस्थितियों के बारे में ज्यादा सोचता है

मनुष्य के बंधन और मोक्ष का मूल कारण उसका मन है। मन सुख-दुख, लाभ-हानि, जय-पराजय और मान-अपमान के विचारों में उलझा रहता है।

जब मन प्रतिकूल परिस्थितियों या दुखद अनुभवों पर अधिक चिंतन करता है, तो वह अस्थिर हो जाता है।

मन सदा अनुकूलता चाहता है और प्रतिकूलता से भागता है। यही प्रवृत्ति उसे बंधन में बांधे रखती है, लेकिन जब मन स्थिर, संतुलित और निष्पक्ष हो जाता है, तब वह शांत हो जाता है।

पैसा आता है पर टिकता नहीं, इन वास्तु उपायों से बदलेगी किस्मत की दिशा

क्या आपने कभी सोचा है कि आपके घर की चारदीवारी, जिसके भीतर आप रहते हैं, आपकी आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर सकती है ? जब धन हाथ में नहीं टिकता, तो अक्सर हम अपनी मेहनत या किस्मत को दोष देते हैं। लेकिन भारतीय संस्कृति का प्राचीन विज्ञान वास्तु शास्त्र एक गहरा रहस्य बताता है, आपके घर की ऊर्जा का प्रवाह ही आपके धन के ठहराव का सबसे बड़ा कारण है।

तिजोरी रखने की सही दिशा

वास्तु के अनुसार, आपको अपनी तिजोरी या पैसे रखने वाली अलमारी को घर के दक्षिण-पश्चिम कोने में रखना चाहिए। यह कोना पृथ्वी तत्व को दर्शाता है, जो स्थिरता और जमाव को बढ़ावा देता है। तिजोरी का दरवाज़ा हमेशा उत्तर दिशा की ओर खुलना चाहिए। उत्तर दिशा को धन के देवता, कुबे का स्थान माना जाता है। इस दिशा में खुलने से धन आकर्षित होता है और बढ़ता है। तिजोरी का मुख गलती से भी दक्षिण या पश्चिम दिशा की ओर नहीं खुलना चाहिए, इससे धन का तेज बहाव होता है।

उत्तर-पूर्व की शुद्धता

घर का उत्तर-पूर्व सबसे पवित्र और पूजनीय स्थान माना जाता है क्योंकि यहां देवी-देवताओं का वास होता है। यह दिशा जल तत्व से भी जुड़ी है और धन-समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। इस कोने में शौचालय, भारी फर्नीचर या जूते-चप्पल की रैक कभी न रखें।

मुख्य द्वार के उपाय

अपने घर के मुख्य द्वार पर स्वस्तिक का शुभ चिह्न बनाना बहुत ही कल्याणकारी माना जाता है। यह नकारात्मक ऊर्जा को घर में प्रवेश करने से रोकता है और सकारात्मकता लाता है, जिससे धन संबंधी बाधाएं दूर होती हैं। सुनिश्चित करें कि आपके घर के दरवाज़े खोलते या बंद करते समय किसी भी तरह की चरमराहट या कर्कश आवाज दरवाज़ों को चिकनाई देकर रखें।

सकारात्मक वस्तुओं का उपयोग

घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में तांबे का स्वस्तिक लगाना धन के प्रवाह से संबंधित सभी रुकावटों को दूर करता है। धन को आकर्षित करने के लिए कुछ क्रिस्टल बहुत प्रभावशाली माने जाते हैं।

पानी की बर्बादी रोकें

अगर आपके घर में कोई नल टपक रहा है तो उसे तुरंत ठीक कराएं। वास्तु शास्त्र में पानी का टपकना धन की बर्बादी का प्रतीक माना जाता है।

नोरा फतेही ने अमेरिका में की बॉलीवुड की इस सिंगर की तारीफ

साथ में गा चुकी हैं शानदार गाना

नोरा फतेही अपने बेरतरीन डांस और एक्टिंग के साथ अपनी गायकी के लिए जानी जाती हैं। एक अमेरिकी पोडकास्ट में नोरा फतेही से पूछा गया कि वह बॉलीवुड की सबसे अच्छी सिंगर के तौर पर किसका नाम लेना चाहेंगी, इस पर उन्होंने श्रेया घोषाल का नाम लिया। नोरा फतेही ने श्रेया के साथ एक गाना भी गाया है।

नोरा ने श्रेया घोषाल की तारीफ की

हाल ही में नोरा फतेही ने सिएरा के पोडकास्ट में अपने सिंगिंग, एक्टिंग और डांसिंग करियर के बारे में खुलकर बात की। बातचीत के दौरान जब सिएरा ने नोरा से पूछा कि वह बॉलीवुड की सबसे अच्छी सिंगर के तौर पर किसका नाम लेना चाहेंगी। इस पर नोरा फतेही ने सिंगर श्रेया घोषाल का नाम लिया।

बॉलीवुड के संगीत को समझना है तो श्रेया को सुनें

नोरा फतेही ने कहा 'अगर आपने बॉलीवुड के गाने नहीं सुने हैं और आप उसके बारे में जानना चाहते हैं, तो मैं कहूंगी कि आप श्रेया घोषाल के गाने सुनें। वह एक आइकन हैं। मैंने उनके साथ (ओह मामा! तेतेमा) गाना गाया है। इस गाने में उन्होंने हिंदी वाला हिस्सा गाया है। उनकी आवाज अब तक कि सबसे अच्छी आवाजों में से एक है, जो मैंने सुनी है। उन्होंने बॉलीवुड की कई बेहतरीन फिल्मों के बेहतरीन गाने गए हैं। इसके अलावा उन्होंने कई गाने गए हैं। वह जिस तरह गाती हैं, वह शानदार है। कोई भी बॉलीवुड के संगीत, संस्कृति और इसकी भावना को समझना चाहता है, उसे श्रेया को सुनना चाहिए।'

श्रेया को मिले कई अवॉर्ड

श्रेया घोषाल को भारत की सबसे अच्छी गायिकाओं में से एक माना जाता है। वह सबसे ज्यादा पुरस्कार पाने वाली गायकों में शामिल हैं। उन्होंने पांच बार सबसे अच्छी प्लेबैक सिंगर का नेशनल फिल्म पुरस्कार जीता है और पांच बार फिल्मफेयर पुरस्कार मिला है।

नोरा फतेही का काम

नोरा फतेही ने बॉलीवुड में एक डांसर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड की कई फिल्मों में अभिनय किया। इस साल वह श्रेया घोषाल, जेसन डेरुलो, शेनसी और हनी सिंह जैसे कलाकारों के साथ गानों का हिस्सा रहीं।

प्रियदर्शन के साथ श्रिया पिलगांवकर ने शेयर की अनदेखी तस्वीर, खत्म हुई एक्ट्रेस के लिए इस फिल्म की शूटिंग

प्रियदर्शन के साथ श्रिया पिलगांवकर ने एक खास तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है। यह तस्वीर फिल्म 'हैवान' के सेट की है। इस तस्वीर में श्रिया और प्रियर्दशन मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में श्रिया हाथ में एक क्लैप बोर्ड पकड़े हुए हैं। जिसपर लिखा है 'हैवान'।

श्रिया ने अपनी और प्रियदर्शन की इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'मेरे लिए HAIWAAN का काम खत्म हुआ। इस शानदार टीम के साथ काम करना एक परम सौभाग्य की बात है, जिसका नेतृत्व किया निर्देशक प्रियदर्शन ने।' आगे श्रिया ने 'हैवान' की पूरी टीम का धन्यवाद किया। आगे श्रिया ने फिल्म के स्टार्स को लेकर लिखा, 'सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, सैयामी खेर और राजपाल यादव जैसे बेहतरीन कलाकारों के साथ काम करना बेहद मजेदार रहा।' बॉलीवुड आगामी फिल्म 'हैवान' में अक्षय कुमार और सैफ अली खान हैं, जो प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित है। यह 2016 की मलयालम फिल्म 'ओप्पम' का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में श्रिया के अलावा सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, सैयामी खेर और राजपाल यादव जैसे बेहतरीन कलाकार नजर आएंगे।

व्हाइट ट्रांसपेरेंट ड्रेस में सोनम बाजवा ने दिखाई कातिलाना अदाएं

फैंस पर चढ़ा हसीना की "दीवानियत" का खुमार

पंजाबी फिल्मों और गानों से चर्चा में आने वाली एक्ट्रेस सोनम बाजवा इन दिनों बॉलीवुड में अपनी अदाकारी का दम दिखा रही हैं। एक्ट्रेस हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' में अपने किरदार से दर्शकों का खूब दिल जीत रही हैं और लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने हाल ही में ट्रांसपेरेंट आउटफिट में फोटोशूट करवाया, जो इंटरनेट पर आते ही वायरल हो गया। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें में देखा जा सकता है कि सोनम बाजवा व्हाइट ट्रांसपेरेंट ड्रेस में कहर ढाती नजर आ रही हैं।

83 साल के जितेंद्र की सेहत पर बेटे तुषार ने दी जानकारी जरीन खान की प्रेयर मीट के दौरान गिर पड़े थे एक्टर

सुजैन खान और जायद खान की मां जरीन खान की प्रेयर मीट में सोमवार शाम दिग्गज अभिनेता जितेंद्र पहुंचे थे। इस दौरान अभिनेता का पैर अटकने की वजह से हादसा हो गया और वो लड़खड़ाकर गिर गए। अब उनके बेटे और एक्टर तुषार कपूर ने इस मामले पर बात की है और पिता जितेंद्र की सेहत पर अपडेट दिया है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में 83 वर्षीय जितेंद्र अचानक सीढ़ियों पर फिसलते हुए नजर आए, जिसके बाद लोगों में उनके स्वास्थ्य को लेकर हलचल मच गई। हालांकि, अब उनके बेटे तुषार कपूर ने पिता की तबीयत को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया है, जिससे उनके चाहने वालों को राहत मिली है।

अचानक गिरे, फैन्स में मच गई हलचल

जरीन खान की प्रेयर मीट में जितेंद्र जब पहुंचे तो हमेशा की तरह सादगी भरे अंदाज में नजर आए। लेकिन सभा स्थल पर पहुंचते-पहुंचते वो अपना संतुलन खो बैठे और गिर पड़े। वहां मौजूद लोगों ने फौरन उन्हें संभाला और बैठाया। इस पूरी घटना का वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में जितेंद्र के चेहरे पर किसी तरह की घबराहट नहीं दिखी, लेकिन उम्रदराज अभिनेता के गिरने का दृश्य देखकर फैन्स का दिल दहल गया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने उनकी सेहत को लेकर चिंता जाहिर की।

तुषार कपूर ने दी हेल्थ अपडेट

जितेंद्र के गिरने के बाद अफवाहें तेज हो गईं कि उन्हें गंभीर चोट आई है। ऐसे में उनके बेटे और अभिनेता तुषार कपूर ने खुद आगे आकर सच्चाई बताई। 'बॉम्बे टाइम्स' से बातचीत में तुषार ने कहा, 'पापा बिल्कुल ठीक हैं। वो ज्यादा जोर से नहीं गिरे थे, इसलिए उन्हें कोई चोट नहीं आई। बस एक पल के लिए संतुलन बिगड़ गया था।' तुषार की यह बात सुनकर फैन्स ने राहत की सांस ली। सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें धन्यवाद देते हुए लिखा कि उन्होंने समय पर अपडेट देकर सभी की चिंता दूर कर दी।

श्रद्धांजलि सभा में जुटे बॉलीवुड सितारे

जरीन खान की याद में आयोजित इस प्रार्थना सभा में फिल्म इंडस्ट्री के कई जाने-माने चेहरे शामिल हुए। इनमें ऋतिक रोशन, सबा आजाद, रानी मुखर्जी, अली गोनी, जैस्मिन भसीन और अन्य सितारे शामिल थे। सभी ने दिवंगत जरीन खान को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवार के प्रति संवेदना जताई। जरीन खान, जो अभिनेता संजय खान की पत्नी थीं, का 7 नवंबर को मुंबई स्थित उनके घर पर लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। उनके निधन ने बॉलीवुड में शोक की लहर दौड़ा दी थी।

साल का सबसे बड़ा म्यूज़िकल ब्लॉकबस्टर! "चिकिरी चिकिरी" ने पार किए 60 मिलियन व्यूज़

"चिकिरी चिकिरी" का संगीत संगीत के जादूगर ए. आर. रहमान ने तैयार किया है, और इसे मोहित चौहान ने गाया है। निर्देशक बुच्ची बाबू सना की फिल्म पेड्डी में मुख्य भूमिकाओं में राम चरण और जान्हवी कपूर नज़र आएंगे। यह फिल्म मिथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स द्वारा वृद्धि सिनेमाज़ के बैनर तले प्रस्तुत की गई है।

संगीत जगत में धूम मचाने वाला गाना "चिकिरी चिकिरी" अब एक वैश्विक सनसनी बन चुका है। सोशल मीडिया और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर यह गाना तहलका मचा रहा है। इंटरनेट पर वायरल हो चुके इस गाने ने अब यूट्यूब पर 60 मिलियन+ व्यूज़ और 1.2 मिलियन+ लाइक्स के साथ टॉप ट्रेंडिंग में जगह बना ली है, जिससे यह साल के सबसे बड़े वायरल हिट्स में से एक बन गया है।

फिल्म पेड्डी के मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी साझा करते हुए लिखा- अब यूट्यूब पर 60 मिलियन+ व्यूज़ और 1.2 मिलियन+ लाइक्स के साथ टॉप ट्रेंडिंग में जगह बना ली है, विश्वभर में रिलीज़ होगी 27 मार्च, 2026 को।

"चिकिरी चिकिरी" का संगीत ए. आर. रहमान ने कंपोज़ किया है, और इसे मोहित चौहान ने अपनी सुरीली आवाज़ में गाया है, जबकि इसके बोल बालाजी ने लिखे हैं। यह गीत कई भाषाओं में प्रस्तुत किया गया है और अपनी लय, रंगीन दृश्यों और बहुसांस्कृतिक आकर्षण के लिए खूब सराहा जा रहा है।

राम चरण, जान्हवी कपूर, जगपति बाबू, शिवा राजकुमार और दिव्येंदु शर्मा जैसे सितारों से सजी फिल्म पेड्डी का निर्देशन बुच्ची बाबू सना ने किया है। मिथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स द्वारा वृद्धि सिनेमाज़ के तहत निर्मित यह फिल्म 27 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है।

शादी के एक महीने बाद लैवेंडर पर्पल मिनी ड्रेस में दिखी सेलेना गोमेज

33 वर्षीय सिंगर और एक्ट्रेस सेलेना गोमेज़ अक्सर अपने लुक्स से सुर्खियां बटोरती हैं। इसी बीच बुधवार रात एक्ट्रेस को लॉस एंजेलिस में आयोजित 2025 रेयर इम्पैक्ट फंड बेनिफिट इवेंट में स्पॉट किया गया, जहां एक बार फिर वह अपने लुक से सबका ध्यान खींचती नजर आईं। इस दौरान एक्ट्रेस बेहद ग्लैमरस अंदाज में नज़र आईं और उनके लुक ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। लुक की बात करें तो रेड कार्पेट पर सेलेना गोमेज़ अपने लैवेंडर पर्पल मिनी ड्रेस से सबका ध्यान अपनी ओर खींचती नजर आईं। यह ड्रेस थिन स्ट्रैप्स के साथ डिजाइन की गई थी, जो उनके लुक को बेहद एलिगेंट टच दे रही थी।

हॉस्पिटल में भर्ती पिता धर्मेंद्र से मिलने अस्पताल पहुंचे सनी देओल और बॉबी देओल

चिंता में दिखीं पत्नी हेमा मालिनी

बॉलीवुड एक्टर और हिंदी सिनेमा के 'ही-मैन' धर्मेंद्र की तबीयत पिछले कई दिनों से नाजुक चल रही है और वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में हैं। हालांकि, फैमिली और डॉक्टर्स का कहना है कि धरम जी की तबीयत में धीरे-धीरे सुधार आ रहा है। ऐसे में एक्टर का हाल जानने उनके करीबी और परिवार लगातार हॉस्पिटल पहुंच रहे हैं। इसी बीच हाल ही में धर्मेंद्र के बच्चों और बीवी को अस्पताल के बाहर देखा गया, जो उनका हाल लेने पहुंचे।

सनी देओल और उनके बेटे

धर्मेंद्र के बेटे व एक्टर सनी देओल को अपने दोनों बेटों राजवीर और करण के साथ अस्पताल के बाहर स्पॉट किया गया, जो अपने पिता का हाल जानने पहुंचे थे। वहीं, एक्टर की टीम ने धर्मेंद्र की सेहत को लेकर अपडेट देते हुए कहा- 'धर्मेंद्र ठीक हो रहे हैं और इलाज का असर हो रहा है, आइए हम सब उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करें।'

बॉबी देओल और ईशा देओल

एक्टर बॉबी देओल और उनकी बहन ईशा देओल भी अस्पताल में अपने पिता से मिलने पहुंचे।

अभय देओल

निर्देशक अजीत सिंह के बेटे व एक्टर अभय देओल भी अस्पताल में भर्ती अपने चाचा धर्मेंद को देखने पहुंचे।

हेमा मालिनी

धर्मेंद्र के निधन की खबर को खारिज करने के कुछ घंटों बाद ही हेमा मालिनी को पति से मिलने के लिए हॉस्पिटल के बाहर देखा गया। इस दौरान एक्ट्रेस गाड़ी में नजर आई और उनके चेहरे पर पति के लिए एक चिंता सी साफ दिखी।

निधन की अफवाहों से मचा था हड़कंप

रात में धर्मेंद्र के निधन की फर्जी खबरें इतनी तेजी से फैलीं कि कई नामी न्यूज वेबसाइट्स और चैनलों ने भी इस खबर को चला दिया। कई बॉलीवुड सेलेब्स ने श्रद्धांजलि देते हुए पोस्ट शेयर किए, जिससे भ्रम और बढ़ गया। वहीं, सुबह तक स्थिति पूरी तरह बदल गई जब ईशा देओल और धर्मेंद्र के परिवार ने आधिकारिक रूप से इस खबर को फेक बताया।

तेलुगू फिल्म 'पिटापुरम लो' के पोस्टर का अनावरण

'पिटापुरम लो' महेश चंद्र द्वारा निर्देशित एक नई तेलुगू फिल्म है, जिन्हें उनकी पहली फिल्म 'प्रेयसी रावे' के लिए जाना जाता है। यह फिल्म 'अला मोडलाइंदी' (यह ऐसे शुरू हुआ) उपशीर्ष के साथ आ रही है।

मुख्य कलाकारों में डॉ. राजेंद्र प्रसाद, पृथ्वी राज, केदार शंकर, मणिकंदना, सनी अखिल, विराट, साई प्रणीत, श्रीलू और प्रत्युषा शामिल हैं। यह फिल्म महेश चंद्र सिनेमा टीम बैनर के तहत दुंडिगल्ला बालकृष्ण, अकुला सुरेश पटेल और एफएम मुरली (गोदारी किट्टय्या) द्वारा निर्मित है। फिल्म का टाइटिल पोस्टर आधिकारिक तौर पर तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री, भट्टी विक्रमार्क ने लॉन्च किया।

इस अवसर पर भट्टी विक्रमार्क ने कहाः निर्देशक ने मुझे फिल्म की अवधारणा समझाई। यह एक अच्छी, संदेश-उन्मुख फिल्म लगती है। इसमें आज के युवाओं के लिए एक संदेश है कि पारिवारिक मूल्यों का सम्मान करते हुए कैसे निर्णय लें और आगे बढ़ें। मुझे उम्मीद है कि हर कोई इस फिल्म का समर्थन करेगा।

नट किरीट डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहाः निर्देशक महेश चंद्र ने समाज में आज जो हो रहा है, उसके बारे में एक बहुत ही प्रासंगिक बिंदु को उठाया है। मुझे कहानी बहुत पसंद आई और मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हूं। मेरी पिछली फिल्मों 'आ नालुगुरु', 'मी श्रेयभिलाषी', और 'ओनमालू' की तरह, यह फिल्म युवाओं को आकर्षित करने वाले तत्वों के साथ एक मजबूत संदेश देती है।

अभिनेता पृथ्वी राज ने कहाः यह तीन परिवारों की कहानी है। आज के इंटरनेट युग में, यह फिल्म उन युवाओं के लिए आँखें खोलने वाली साबित होगी जो शायद अपने माता-पिता के प्रति सम्मान नहीं दिखा रहे हैं।

निर्देशक महेश चंद्र ने कहाः मेरी पहली फिल्म, 'प्रेयसी रावे', ने मुझे एक शानदार प्रतिष्ठा दिलाई और आज भी दर्शकों के दिलों में जगह रखती है। मुझे विश्वास है कि 'पिटापुरम लो' भी ऐसी ही सफलता हासिल करेगी। यह कहानी मेरे दिल के बहुत करीब है। हालांकि यह तीन पिताओं की कहानी लगती है, लेकिन यह तीन जोड़ों के इर्द-गिर्द भी घूमती है।

हमने फिल्म का शीर्षक 'पिटापुरम' रखा है, जो आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का निर्वाचन क्षेत्र है। हम बहुत खुश हैं कि तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने हमारा टाइटिल पोस्टर लॉन्च किया।

मुख्य कलाकारःडॉ. राजेंद्र प्रसाद, पृथ्वी राज, केदार शंकर, राजकुमार वड्यार, मणिकंदना, जयवाहिनी, अन्नपूर्णाअम्मा, दासारी पद्मा, सनी अखिल, विराट, साई प्रणीत, श्रीलू, प्रत्युषा, रेहाना, जूनियर पवन कल्याण, जे.डी.वी प्रसाद, के.ए. पॉल रामु, और जबर्दस्त शेशु।

* कहानीः अकुला सुरेश पटेल,
* कहानी विकास और संवादः श्रीराम एडोटी, संपादकः बी. सत्यनारायण , संगीतः जी.सी. कृष्णकार्यकारी निर्माताः अंजी संद्रला, निर्माताः दुंडिगल्ला बालकृष्ण, अकुला सुरेश पटेल, एफएम मुरली (गोदारी किट्टय्या) पटकथा और निर्देशनः महेश चंद्र।

बेटी की शादी में बचा है एक महीने का वक्त? मां जरूर बता दें ये बातें

शादी हर लड़की के जीवन का सबसे बड़ा पड़ाव होता है। यहां से उसके जीवन की एक नई शुरूआत होती है, जो कई बदलाव लेकर आती है। ये सिर्फ नई जगह या रिश्तों में ढलने तक सीमित नहीं होती, बल्कि जिम्मेदारियां संभालने, परिपक्वता का दौर भी होता है।

हर माता-पिता के लिए बेटी की विदाई से पहले सबसे जरूरी यही होता है कि वे उसे ऐसे गुण सिखाएं जो बेटी को आने वाले जीवन में आत्मविश्वासी और सक्षम बनाएं ताकि वह एक अच्छी पत्नी, बहू और मां की भूमिका और जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हो सके। इसलिए शादी से पहले बेटी को कुछ जरूरी बातें जरूर सिखा देनी चाहिए।

शादी का दौर शुरू हो गया है। दिसंबर-जनवरी में बहुत सी बेटियां दुल्हन बनने वाली हैं। अगर आपकी बेटी की शादी में एक महीने का वक्त ही बचा है तो उसे पांच बातें सिखा दें ताकि वह किसी भी परिस्थिति में अपने जीवन को खूबसूरती से संभाल सके।

आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी

बेटी को सिखाएं कि शादी के बाद हर काम अपनी ज़िम्मेदारी समझकर करे। चाहे घर संभालना हो या खुद की देखभाल करना हो, उसे सब करना आना चाहिए। उसे अपनी जरूरतों को खुद पूरा करना और समय का प्रबंधन करना आना चाहिए। आत्मनिर्भर महिला हर परिस्थिति में मजबूत रहती है।

बेसिक कुकिंग स्किल्स

भले ही आज घरों में सब कुछ ऑनलाइन या हेल्पर की मदद से हो जाता है, लेकिन स्वादिष्ट और पौष्टिक खाना बनाना एक कला है। बेटी को सिखाएं कि घर के लिए भोजन सिर्फ पेट भरने का नहीं, बल्कि रिश्ते जोड़ने का जरिया होता है। दाल-चावल, रोटी-सब्जी या कोई पसंदीदा मिठाई, खुद बनाने का आत्मविश्वास बड़ा असर डालता है।

संवाद और सहनशीलता की कला

वैवाहिक जीवन का आधार संवाद है। बेटी को समझाएं कि हर मतभेद का समाधान संवाद से होता है, तकरार से नहीं। अपनी बात रखते हुए दूसरों की राय को भी सुनना और सम्मान देना सीखना ज़रूरी है। जब बेटी ससुराल में दूसरों की बातों से सुनने और समझने योग्य होगी और खुद भी अपनी बातें सही तरीके से कहना जानती होगी, तभी रिश्तों को आसानी से संभाल पाएगी।

आर्थिक समझ और बचत का हुनर

बेटी को सिखाएं कि आर्थिक आत्मनिर्भरता वैवाहिक जीवन का मजबूत स्तंभ है। छोटी-छोटी बचत, बजट बनाना और खर्च में संतुलन रखना एक महिला को समझदार बनाता है।

खुद से प्यार और आत्मसम्मान बनाए रखना

हर स्थिति में बेटी को अपनी पहचान बनाए रखना सिखाएं। खुद से प्यार करना, आत्मविश्वास से निर्णय लेना और 'ना' कहना सीखना उतना ही जरूरी है जितना दूसरों को खुश रखना।

डरा रहे हैं डायबिटीज के आंकड़े

भारत में हर दूसरे व्यक्ति का शुगर लेवल ठीक नहीं!

दुनियाभर में पिछले एक दशक में जिन बीमारियों के मामले सबसे तेजी से बढ़ते हुए रिपोर्ट किए गए हैं, डायबिटीज उनमें से एक है। हाई ब्लड शुगर की ये बीमारी शरीर के कई अंगों जैसे किडनी, आंख, हृदय, तंत्रिकाओं और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। भारत में डायबिटीज के तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए इसे 'डायबिटीज कैपिटल' भी कहा जाने लगा है।

डायबिटीज के बढ़ते जोखिमों के बारे में लोगों को अलर्ट करने और और इससे बचाव के तरीकों को लेकर शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 14 नवंबर को वर्ल्ड डायबिटीज डे मनाया जाता है। 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस से पहले, भारत में इस बीमारी को लेकर जो रिपोर्ट सामने आ रही है वो काफी डराने वाली है।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में टेस्ट किए गए हर दो में से एक व्यक्ति में ब्लड शुगर का स्तर बढ़ा हुआ या फिर अनियमित पाया गया है। ये रिपोर्ट संकेत देती है कि देशभर में डायबिटीज और प्रीडायबिटीज के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है।

डायबिटीज के आंकड़े बढ़ा रहे हैं चिंता

जनवरी 2021 से सितंबर 2025 के बीच 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 40 लाख नैदानिक रिपोर्ट और दवाओं के 1.9 करोड़ ऑर्डर के रिकॉर्ड के आधार पर ये रिपोर्ट तैयार की गई है। 'डायबिटीज-द साइलेंट किलर स्विपिंग एक्रॉस इंडिया' नाम से प्रकाशित इस रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने भारत में बढ़ती इस गंभीर बीमारी को लेकर अलर्ट किया गया है।

विश्लेषण से पता चलता है कि हर तीन में से एक शुगर टेस्ट (HbA1c परीक्षण) के परिणाम मधुमेह की श्रेणी में आते हैं, जबकि चार में से एक व्यक्ति में प्रीडायबिटीज के लक्षण देखे गए हैं। कुल मिलाकर, ये संकेत देते हैं कि परीक्षण किए गए आधे से अधिक लोगों में ब्लड शुगर का स्तर अनियमित था।

युवाओं में बढ़ता मधुमेह का खतरा

डिजिटल हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म के एक अधिकारी ने बताया कि ये रिपोर्ट सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि एक अलर्ट है जो कहता है कि इस बीमारी की रोकथाम के लिए व्यापक प्रयास करने की आवश्यकता है। चिंता की बात ये भी है कि लाखों लोग इस बात से अनजान हैं कि उनमें डायबिटीज का खतरा हो सकता है। डायबिटीज एक साइलेंट महामारी के रूप में बढ़ रही है, जिसे कंट्रोल करने के लिए जागरूकता, समय पर निदान और रोकथाम के उपायों को लेकर लोगों को अलर्ट करने की जरूरत है।

आंकड़े ये भी दर्शाते हैं कि मधुमेह अब केवल वृद्धों तक ही सीमित नहीं है। 30 वर्ष से कम आयु के लोगों में भी हाई ब्लड शुगर की समस्या देखी जा रही है। 60 की उम्र के बाद ये बीमारी और खतरनाक हो सकती है, जहां दस में से आठ व्यक्तियों को मधुमेह या प्री डायबिटीज की रीडिंग दिखाई देती है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि बढ़ते डायबिटीज के मामलों के कारण हृदय रोग, किडनी की समस्याएं और आंखों की रोशनी कम होने जैसी जटिलताएं भी पहले की तुलना में कहीं ज्यादा बढ़ सकती हैं।

किन राज्यों में खतरा अधिक

अध्ययन में लैंगिक अंतर का भी उल्लेख किया गया है, परीक्षण किए गए 51.9 प्रतिशत पुरुषों और 45.43 प्रतिशत महिलाओं में ब्लड शुगर सामान्य से अधिक पाया गया। पुरुषों में मधुमेह जल्दी विकसित होता है, जबकि महिलाओं में रजोनिवृत्ति के बाद इसमें तेजी से वृद्धि देखी जाती है। क्षेत्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश (41 प्रतिशत) की तुलना में पुडुचेरी (63 प्रतिशत), ओडिशा (61 प्रतिशत), तमिलनाडु (56 प्रतिशत) और गोवा (54 प्रतिशत) में ब्लड शुगर हाई वाले लोगों के आंकड़े अधिक देखे गए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज को लेकर सबसे चिंताजनक प्रवृत्तियों में इसकी बदलती आयु प्रोफाइल है। इस बीमारी के खतरे को देखते हुए कम उम्र से ही स्वस्थ आहार, नियमित शारीरिक व्यायाम और स्ट्रेस कंट्रोल जैसे उपाय शुरू किए जाने चाहिए। ये आदतें मधुमेह और इसके दीर्घकालिक प्रभावों को कम करने में मदद कर सकती हैं।

जाड़ा हो या गर्मी-फ्रीज में रखते हैं ये चीजें, तो जान लीजिए ये जरूरी बातें

आप अपने फ्रिज में क्या-क्या रखते हैं, फ्रीज को खोलकर कभी गौर से देखिये. गर्मियों में और जाड़े में भी फ्रीज में क्या आप गूंथा हुआ आटा, उबली दाल, कटी सब्जियां, फल और मछली, दूध-बटर और पनीर वगैरह-वगैरह..लेकिन क्या आपको पता है फ्रिज के अंदर खाना रखने की भी एक लिमिटेशन होती है, आप इसमें कुछ भी कुछ ही दिनों के लिए सेफ रख सकते हैं. हम फ्रिज में सामान इसलिए रखते हैं क्योंकि इसके अंदर के कम तापमान की वजह से इसमें बैक्टीरिया पनप नहीं पाते हैं। इसी वजह से फ्रिज में रखा खाना एक निश्चित समय तक सुरक्षित बना रहता है

फ्रिज की जिस रैक पर पका हुआ सामान रख रहे हैं उस पर कच्चा सामान न रखें. दोनों को अलग-अलग रैक पर रखें. इससे कच्चे खाने का बैक्टीरिया पके हुए खाने में जाकर उसे खराब नहीं करेगा.

पके खाने को स्टील के टिफिन में रखना सबसे सेफ है.

फ्रिज में फ्रीजर के नीचे वाला सेल्फ बाकियों की तुलना में ज्यादा ठंडा होता है. रेफ्रिजरेटिंग चेंबर का एवरेज टेंपरेचर +3 डिग्री से +6 डिग्री तक होता है.इसलिए सामान के हिसाब से टेंपरेचर रखना चाहिए.

आटा गूंथकर फ्रिज में रखना गलत है. जब हम आटे में पानी मिलाते हैं तब उसके अंदर केमिकल बदलाव होता है. इसलिए आटे को गूंथते ही फौरन रोटी बना लेनी चाहिए.

जब हम गूंथे आटे को फ्रिज में

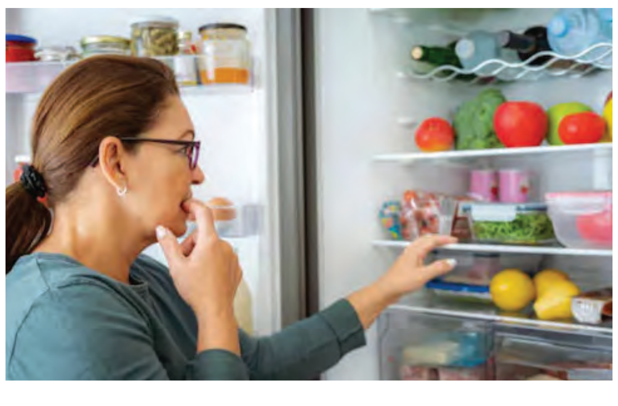

रखते हैं, तब उसमें मौजूद रे आटे में चली जाती है, जो सेहत को नुकसान पहुंचाती है. फ्रिज में रखा आटा काला हो जाता है और उसकी रोटी भी कड़क बनती है, जिसे पचाना आसान नहीं होता.

दूध में बैक्टीरिया जल्दी पनपता है. इसलिए ज्यादा दिन तक इसे फ्रिज में नहीं रखना चाहिए. डिब्बा बंद दूध (टेट्रा पैक) पर एक्सपायरी डेट होती है, उसे चेक करते रहें. अगर टेट्रा पैक को खोल दिया है तो उसका तुंरत इस्तेमाल करें.

मक्खन को 15 दिन से ज्यादा फ्रिज में नहीं रखें. इसे फ्रिज में रखने के लिए प्लास्टिक में अच्छी तरह से पैक करें. खाने के 15 मिनट पहले इसे फ्रिज से निकालें.

मेयोनीज में सिरका, तेल, चीनी और बहुत-सी चीजें मिली होती हैं. इसका इस्तेमाल कर फौरन फ्रिज में रखें. अगर आठ घंटे तक फ्रिज से बाहर है तो इसे दोबारा अंदर रखना सेफ नहीं है.

ब्रेड कभी भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए. यह सूख जाता है और इसके स्वाद को खराब कर देता है .इसे चार दिन के अंदर खत्म कर देना चाहिए.

टेट्रा पैक वाला जूस एक्सपायरी डेट को चेक करके ही पिएं. अगर पैकेट खोल दिया है तो उसे 6 दिन के अंदर खत्म करें.

फ्रिज के टेंपरेचर से आलू में मौजूद स्टार्च ब्रेक हो जाता है. इससे आलू मीठा हो जाता है.

फूड स्टैंडर्ड एजेंसी के अनुसार, आलू एक ऐसा खाद्य पदार्थ है, जिसे गलती से भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए, ऐसे आलू को पकाने पर एक्रायलामाइट नाम का हानिकारक केमिकल रिलीज होता है. यह हेल्थ को नुकसान पहुंचाता है.

टमाटर की बाहरी स्किन फ्रिज में रखने से खराब हो जाती है. इससे इसके स्वाद पर असर पड़ता है. अगर टमाटर ज्यादा पक गया है तो इसे फ्रिज में दो दिन के लिए रख सकते हैं. टमाटर को स्टोर करने के लिए उसे कागज के बैग में रखें.

प्याज न तो फ्रिज में रखना चाहिए न ही प्लास्टिक बैग में. फ्रिज में रखने से प्याज मुलायम और बेकार हो जाती है. इसे धूप से बचाकर सामान्य टेंपरेचर वाली जगह पर रखना चाहिए.

पके हुए चावल फ्रिज में रखने के दो दिन के अंदर खा लेने चाहिए. खाने से पहले इसे कुछ देर के लिए नॉर्मल टेंपरेचर पर रखना चाहिए. उसके बाद गर्म कर खाना चाहिए.

रोटी बनाने के बाद 8 घंटे के अंदर खानी चाहिए. रोटी को फ्रिज में रखकर खाने से बचना चाहिए. अगर ज्यादा बन गई हैं, बच गई हैं, तो इसे फ्रिज में रख सकते हैं, लेकिन इसे भी 8 घंटे के अंदर खा लें.

दाल की पौष्टिकता बनाए रखने के लिए इसे ताजा बनाकर खाना चाहिए. अगर दाल बच जाती है तो फ्रिज में रखें, लेकिन इसे दूसरे दिन ही खा लें. कटे हुए फल को फ्रिज में नहीं रखना चाहिए. यह आपकी सेहत को खराब कर सकता है. कटे फल बहुत देर तक रखकर नहीं खाना चाहिए. फल जब भी खाना हो उसे उसी वक्त काटें.

बेटा या बेटी शादी के लिए नहीं हो रहे राजी तो अपनाएं ये टिप्स

हर माता-पिता का सपना होता है कि वो अपने बच्चों को दुल्हा या दुल्हन बनते देखे। वो चाहते हैं कि, सही समय पर शादी करके उनके बच्चे अपना घर बसा कर खुश रहें। पर, आज कल के युवा शादी को प्राथमिकता को नहीं देते। शादी की उम्र होने के बावजूद वो शादी करने से कतराते हैं। जिस वजह से उनके माता-पिता काफी परेशान हो जाते हैं। अगर आपके घर का भी कोई बच्चा ऐसा कर रहा है, तो ये खबर आपके लिए है।

दरअसल, आज की खबर में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे जिनको अपनाकर आप अपने बच्चे को शादी के लिए मना सकते हैं। ऐसा करने के लिए आपको अपने बच्चे को इमोशनल ब्लैकमेल नहीं करना पड़ेगा। इन टिप्स को फॉलो करके आप अपने बेटे या फिर बेटी को शादी के लिए तैयार कर सकते हैं। जिसके बाद आपका बच्चा अपनी मर्जी से खुशी-खुशी शादी करेगा।

जानें शादी से इंकार करने की वजह

अगर आपका बेटा या बेटी शादी करने से इंकार कर रहा है तो सबसे पहले उससे बात करके इसके पीछे की वजह जानें। अगर इस समस्या का हल निकल सकता हो तो जरूर निकालें। कई बार युवा अपने करियर को लेकर ज्यादा गंभीर होते हैं तो इस बारे में भी उन्हें समझाएं।

उनकी पसंद का रखें ध्यान

कई बार ऐसा होता है कि अपनी पसंद का जीवनसाथी नहीं मिलने की वजह से लोग शादी से भागने लगते हैं। ऐसे में आप अपने बेटे या बेटी से इस बारे में खुलकर बात करें कि उन्हें किस तरह का जीवनसाथी चाहिए। शादी के समय अपने बच्चे की पसंद का ध्यान रखें।

लव मैरिज का ना करें विरोध

कई घरों में लव मैरिज का काफी ज्यादा विरोध होता है। ऐसे में युवा अपने रिलेशनशिप को सबसे छिपाते हैं। हो सकता है कि, इस वजह से आपका बेटा या बेटी शादी से इंकार कर रहा हो। अगर आप इस बारे में अपने बच्चे से खुलकर बात करेंगे और उनकी बात समझेंगे तो शायद वो शादी के लिए तैयार हो जाएं।

ना बनाएं शादी का दबाव

कभी भी अपने बेटा या फिर बेटी पर शादी को लेकर किसी तरह का दबाव ना बनाएं। इससे उनकी मेंटल हेल्थ पर काफी असर पड़ता है। इतना ही नहीं कई बार दबाव में आकर वो शादी तो कर लेते हैं लेकिन फिर बाद में आने वाली परेशानियों को टीकरा वो अपने पेरेंट्स पर फोड़ते हैं। ऐसे में हमेशा अपने बच्चे से बात करने और उनके हां बोलने के बाद ही शादी की बात आगे चलाएं ताकि आपके बच्चे को आपकी पसंद पर गर्व हो।

क्या झगड़ा करने से पति-पत्नी का रिश्ता मजबूत बनता है?

पति-पत्नी के बीच का रिश्ता बेहद खास होता है। इस रिश्ते में किसी तीसरे के बीच में आने की कोई गुंजाइश नहीं होती। पर, कई बार ऐसा होता है कि पति-पत्नी के बीच होने वाले झगड़े को लोग काफी गलत तरीके से ले लेते हैं। जबकि उनके बीच होने वाला झगड़ा उनके बीच के रिश्ते को और ज्यादा मजबूत बनाता है।

जी हां, सही पढ़ा आपने। वैसे तो बड़े बुजुर्ग कहा करते हैं कि पति-पत्नी को आपस में लड़ना नहीं चाहते, इससे रिश्ता कमजोर होता है पर, ऐसा नहीं है।

असल जिंदगी में अगर आपके और आपके पार्टनर बीच झगड़ा होता है तो इससे आपका रिश्ता और ज्यादा मजबूत हो जाता है। इतना ही नहीं कई बार तो लड़ाई के बाद आपस में और ज्यादा प्यार बढ़ता है। बस आपको इस बात का ध्यान रखना है कि ये झगड़ा ज्यादा बढ़े नहीं क्योंकि ज्यादा झगड़ा बढ़ने से चीजें बिगड़ सकती हैं।

दिखती है एक-दूसरे की केयर

लड़ाई के वक्त हम अक्सर एक दूसरे को कह देते हैं कि आपको हमारी फिक्र नहीं है। पर, जब लड़ाई होती है उसके बाद जब आपका पार्टनर आपकी केयर करता है तो इससे आपका दिल भी पिघल जाता है।

बाहर आती है दिल की बात

कई बार गुस्से में हम वो बोल देते हैं तो शायद नॉर्मल रहते हुए नहीं बोल पाते। पति-पत्नी के रिश्ते में अक्सर लोग लड़ाई से बचने के लिए बातों को मन में रखते हैं। इससे चीजें और खराब हो जाती हैं। झगड़े के वक्त मन की बाते बाहर आती हैं, जिससे रिश्ता और मजबूत होता है।

बढ़ता है भरोसा

जब पति-पत्नी के बीच झगड़ा होता है और लड़ाई शांत होने का बाद जब वो बात करते हैं, और चीजों को सुलझाते हैं तो इससे उनके बीच भरोसा बढ़ता है।

झगड़े में सामने आता है असली व्यवहार

झगड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनफिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

आप व्याकुलता और बेचैनी की समस्या से जूझ रहे हैं

जब कभी आपके दिमाग में कोई नया विचार आता है तो सबसे पहले क्या आप यह सोचते हैं कि इसमें क्या गलत हो सकता है? जब कभी संवाद अस्पष्ट होता है, तो क्या सबसे पहले आपके मन में नकारात्मक विचार आते हैं? अगर ऐसा है, तो आप अपने विचारों को बदलना सीख सकते हैं जिससे कि वो आपकी सोच को सीमित न कर दें। काम के दौरान होने वाली व्याकुलता और बेचैनी कैसे परेशानी का सबब बनती हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है, यहां जानिए...

लोगों के प्रति मन में गलत धारणा बनाते हैं

ज्यादातर बेचैन लोगों के मन में यह चलता रहता है कि लोग उन्हें पसंद नहीं करते हैं और न ही उनके हुनर की कद्र करते हैं। उनके मन में खुद को लेकर कोई न कोई शंका हमेशा बनी ही रहती है। जरूरी है कि हमेशा अपने विचारों पर पहरा रखें। देखें कि कब आपके विचार बिना किसी वजह के ही नकारात्मक हो रहे हैं। ध्यान दें कि कब आप बिना किसी ठोस सबूत के ही अपनी धारणाएं बनाने लगते हैं।

फीडबैक से हमेशा बचने की कोशिश करते हैं

बेचैन लोग फीडबैक को विपत्ति की तरह देखते हैं। वो उसे अपनी असफलता का सूचक भी मानते हैं। वो मानते हैं कि फीडबैक उनकी नाकामी को साबित करने का एक जरिया मात्र है। यह देखें कि आप किस तरह फीडबैक लेना पसंद करते हैं। ओपन फीडबैक लेने का सबसे आसान तरीका खोजें। अगर फीडबैक आपको असहज या उदास करे तो कहें- अच्छी बात है, मैं इन बिंदुओं पर विचार करूंगा।

सबकी नजर में मुश्किल व्यक्ति बन जाते हैं

बेचैन लोग अक्सर उन चीजों से बचना चाहते हैं, जो उन्हें असहज करती हैं और फिर वो अपने रवैए से शर्मिंदा भी होते हैं। जैसे किसी ईमेल का जवाब देने में असहज महसूस कर सकते हैं तो टालमटोल करने लगते हैं। इससे आपके गैर जिम्मेदार होने की धारणा भी बन जाती है। अच्छा ये होगा कि आप जिस चीज से असहज हो जाते हैं उसके बारे में सबको पहले ही ईमानदारी से बता दें।

नए विचारों पर नकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं

अगर नए विचारों पर आपकी पहली प्रतिक्रिया रिस्क और फेल्युअर से जुड़ी है, तो लोग आपको एक नकारात्मक व्यक्ति की तरह देखने लगेंगे। इसके बजाय यह देखने की कोशिश करें कि उस नए विचार से क्या बेहतर हो सकता है। इसके बाद ही अपनी चिंता व्यक्त करें। लेकिन आखिर में अपनी बात को सकारात्मक नोट पर खत्म करें। प्रतिक्रिया देने की जल्दी कभी न करें। बहुत सोच-समझकर जवाब दें।

अब एकांतवास में जा रहा हूं... छह दशक बाद दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे ने छोड़ दिया पत्र लिखना

न्यूयार्क, 11 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के दिग्गज निवेशक और टॉप रईसों में शामिल वॉरेन बफे ने एक अहम घोषणा की है। उन्होंने घोषणा की है कि वह बर्कशायर के वार्षिक पत्र लिखना बंद करने जा रहे हैं। बफे पिछले छह दशक से ये पत्र लिख रहे हैं जो दुनिया भर के निवेशकों के लिए बाइबिल की तरह बन गए थे।

हालांकि उनका कहना है कि वह हर साल थैंक्सगिविंग पर अपने शेयरधारकों को संदेश भेजते रहेंगे। बफे 149 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं। बफे ने लिखा, मैं अब बर्कशायर की वार्षिक रिपोर्ट नहीं लिखूंगा और न ही वार्षिक बैठक में अंतहीन बातें करूंगा।

अंग्रेजों की भाषा में कहूं तो अब मैं शांत हो रहा हूं। लंबे समय से बफे के साथी रहे ग्रेग एबेल इस साल के अंत तक आधिकारिक तौर पर बर्कशायर के सीईओ का पद संभाल लेंगे। बफे ने अपने पत्र की शुरुआत व्यक्तिगत अंदाज में की। उन्होंने लिखा, मैं 95 साल की उम्र तक जीवित रहने के लिए अपनी किस्मत पर आभारी और हैरान हूं।

ननों के फिंगरप्रिंट

दिग्गज निवेशक ने 1938 में हुई एक अपेंडिसाइटिस की घटना को याद किया, जब वे आठ साल की उम्र में मौत के करीब पहुंच गए थे। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें ओमाहा के एक कैथोलिक अस्पताल में भेजा गया था। सर्जरी के बाद उन्होंने ननों की उंगलियों के निशान लिए थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि किसी दिन कोई नन गलत रास्ते पर चली जाएगी और एफबीआई को उन रिकॉर्ड्स की जरूरत पड़ेगी।

बफे ने साथ ही ओमाहा के के बारे में भी लिखा जिसे वह अपना घर कहते हैं। उन्होंने कहा कि वह और बर्कशायर दोनों ओमाहा में अपने आधार के कारण बेहतर हुए। उन्होंने साथ ही उन लोगों को श्रद्धांजलि दी गई जिन्होंने उनके जीवन को आकार दिया। इनमें चार्ली मुंगेर भी शामिल थे जो उनके 60 साल से ज्यादा समय तक बफे के साथी रहे। उनका निधन 2023 में निधन हुआ था। बफे ने लिखा, ₹हमारे मतभेद थे, लेकिन कभी बहस नहीं हुई। 'मैंने तुमसे कहा था' उनके शब्दकोश में नहीं था।

सोना 2,341 बढ़कर 1.24 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ

2 दिन में 4,047 महंगा हुआ; चांदी आज 2,695 बढ़कर 1.54 लाख किलो हुई

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 11 नवंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 1,706 रुपए बढ़कर 1,24,147 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,22,441 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सिर्फ 2 कारोबारी दिनों में ही ये 4,047 रुपए बढ़ चुका है। बीते शुक्रवार को ये 1,20,100 रुपए पर था।

वहीं, चांदी 2,695 रुपए बढ़कर 1,54,338 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,51,643 प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना 47,985 और चांदी 68,321 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 47,985 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,24,147 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 68,321 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,54,338 रुपए प्रति किलो हो गई है।

फिर 1.25 लाख तक जा सकता है सोना

एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में सोने के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। हालांकि शादियों का सीजन चालू हो चुका है इससे सोने को सपोर्ट मिलेगा। इससे आने वाले दिनों में इसकी कीमत फिर एक बार 1.25 लाख रुपए तक जा सकती है।

बैटरी स्टोरेज सेक्टर में गौतम अडानी की धमाकेदार एंट्री

एशिया का सबसे बड़ा प्लांट लगाने की तैयारी

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। देश के तीसरा बड़ा औद्योगिक घराना अडानी ग्रुप लगातार अपने कारोबार का विस्तार कर रहा है। अडानी ग्रुप ने अब बैटरी एनर्जी स्टोरेज सेक्टर में एंट्री मारी है।

ग्रुप ने 3,530 मेगावाट की क्षमता वाले बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम प्रोजेक्ट की घोषणा की है। यह दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल-लोकेशन इंस्टॉलेशन में से एक है। यह प्रोजेक्ट मार्च 2026 तक चालू हो जाएगा। इसमें 700 से ज्यादा बीईएसएस कंटेनर होंगे। यह सब गुजरात के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े रिन्यूएबल एनर्जी पार्क में लगाया जाएगा। इस सिस्टम से ग्रिड को स्थिरता मिलेगी। इससे चौबीसों घंटे ग्रीन एनर्जी मिल पाएगी। यह भारत को कम कार्बन वाली इकॉनमी की ओर ले जाने में मदद करेगा। यह बड़ा सिस्टम बिजली की मांग को पूरा करने, ट्रांसमिशन की भीड़भाड़ कम करने और सौर ऊर्जा की बर्बादी को रोकने में मदद करेगा। यह खावड़ा बीईएसएस एडवांस्ड लिथियम-आयन बैटरी टेक्नोलॉजी और एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम का इस्तेमाल करके बनाया जाएगा। यह अडानी की रिन्यूएबल एनर्जी जनरेशन के साथ आसानी से जुड़ जाएगा।

पीक-लोड मैनेजमेंट

यह एनर्जी शिफ्टिंग और पीक-लोड मैनेजमेंट में अहम भूमिका निभाएगा। इससे खावड़ा पार्क दुनिया का सबसे बड़ा रिन्यूएबल और स्टोरेज कॉम्प्लेक्स बन जाएगा।अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा, एनर्जी स्टोरेज रिन्यूएबल एनर्जी वाले भविष्य की नींव है। इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट के साथ हम वैश्विक मानक स्थापित कर रहे हैं और भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता और स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहे हैं।

यह पहल हमें बड़े पैमाने पर विश्वसनीय, स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा समाधान प्रदान करने में मदद करेगी।

इस उपलब्धि के साथ अडानी ग्रुप बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश करने वाले चुनिंदा वैश्विक ऊर्जा लीडर्स में शामिल हो गया है। ग्रुप की योजना वित्त वर्ष 2027 तक अपनी कुल स्टोरेज क्षमता को 15 जीडब्ल्यूएच तक और अगले पांच साल में 50 जीडब्ल्यूएच तक बढ़ाने की है। यह भारत के नेट-जीरो लक्ष्यों के अनुरूप है।

अनिल अंबानी के हाथ लगा 'खजाना'

इस सेगमेंट में बड़ा खिलाड़ी बना रिलायंस ग्रुप, क्या मिलेगी राहत की सांस?

नई दिल्ली,11 नवंबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर को एक बड़ी उपलब्धि मिली है। इसकी एक सहायक कंपनी रिलायंस एनयू एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड ने एसजेवीएन लिमिटेड के एक खास टेंडर में सबसे बड़ी जीत हासिल की है।

यह टेंडर 1500 एमडब्ल्यू/6000 एमडब्ल्यूएच फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी के लिए था। कंपनी ने इस नीलामी में 750 एमडब्ल्यू/3000 एमडब्ल्यूएच की सबसे बड़ी हिस्सेदारी जीती है। उन्होंने यह बिजली 6.74 रुपये प्रति केडब्ल्यूएच की बहुत ही प्रतिस्पर्धी दर पर हासिल की है। यह टेंडर सरकारी कंपनी एसजेवीएन ने जारी किया था। इसका मकसद हाइब्रिड और स्टोरेज वाली प्रणालियों के जरिए चौबीसों घंटे चलने वाली नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति को बढ़ावा देना है। इस ई-ऑक्शन में 14 कंपनियों ने हिस्सा लिया और यह 3.3 गुना ओवरसब्सक्राइब हुआ, जिससे फर्म रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स में इंडस्ट्री की गहरी रुचि का पता चलता है। इस प्रोजेक्ट के तहत बिजली वितरण कंपनियों को हाइब्रिड सिस्टम के जरिए डिस्पैचेबल रिन्यूएबल पीकिंग पावर सप्लाई की जाएगी। इस सिस्टम में लगभग 900 एमडब्ल्यूपी सोलर क्षमता और 3000 एमडब्ल्यूएच से ज्यादा की बैटरी एनर्जी स्टोरेज शामिल होगी। बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम का मतलब है कि बिजली को बैटरी में स्टोर किया जाएगा ताकि जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल किया जा सके। इस जीत के साथ रिलायंस ग्रुप भारत में सोलर-प्लस-स्टोरेज सेगमेंट में सबसे बड़ा खिलाड़ी बन गया है। उनके पास अब चार टेंडरों में कुल 4 जीडब्ल्यूपी से ज्यादा की सोलर क्षमता और 6.5 जीडब्ल्यूपी की बीईएसएस है, जिन पर काम चल रहा है। कंपनी इस समय फर्जी बैंक गारंटी मामले में ईडी की जांच से गुजर रही है। अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग और लोन धोखाधड़ी के आरोप हैं। एजेंसी ने भारतीय स्टेट बैंक में एक अलग कथित बैंक लोन धोखाधड़ी के संबंध में अंबानी को 14 नवंबर को पूछताछ के लिए तलब किया है।

ट्रंप जो चाहते थे वो हो ही गया... रूसी तेल को लेकर रिलायंस समेत भारत की 5 बड़ी कंपनियों ने लिया बडा फैसला

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली,11 नवंबर (एजेंसियां)। आखिरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा पूरी हुई। भारत ने दिसंबर में आने वाले रूसी कच्चे तेल की खरीद कम कर दी है। यह दिखाता है कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों और अमेरिका के साथ व्यापारिक बातचीत का भारत की खरीद पर बड़ा असर पड़ रहा है। ब्लूमबर्ग ने बताया है कि भारत की पांच बड़ी तेल रिफाइनरियों ने अगले महीने के लिए रूस से तेल खरीदने का कोई ऑर्डर नहीं दिया है। आमतौर पर अगले महीने के लिए कच्चे तेल के सौदे चालू महीने की 10 तारीख तक हो जाते हैं। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक भारत के इस खरीद पैटर्न में बदलाव के पीछे कई कारण हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अगस्त में भारत के सभी आयात पर टैरिफ दोगुना करके 50% कर दिया था। इसके बाद, उन्होंने पिछले महीने रूस के दो सबसे बड़े तेल उत्पादकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिए थे। पिछले कुछ सालों से भारत रियायती रूसी कच्चे तेल पर बहुत ज्यादा निर्भर हो गया था। अमेरिका ने भारत पर आरोप लगाया था कि वह यूक्रेन में रूस के युद्ध को फंड करने में मदद कर रहा है।

इन कंपनियों ने रोकी खरीद

जिन पांच रिफाइनरियों ने रूसी तेल की खरीद कम की है उनके नाम रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड हैं। केप्लर के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक भारत द्वारा आयातित रूसी तेल का दो-तिहाई हिस्सा इन्हीं कंपनियों ने खरीदा है।

क्यों लिया यह फैसला

इन कंपनियों की यह सावधानी आंशिक रूप से नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच चल रही व्यापारिक बातचीत का नतीजा हो सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि दोनों देश एक समझौते के काफी करीब पहुंच रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि भारत ने इन वार्ताओं के हिस्से के रूप में अमेरिका से अधिक कच्चा तेल खरीदने का वादा किया है।

इन कंपनियों ने खरीदा रूसी तेल

केवल दो कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और नायरा एनर्जी लिमिटेड ने दिसंबर के लिए कुछ रूसी कच्चा तेल खरीदा है। आईओसी ने उन विक्रेताओं से खरीदा है जिन पर बैन नहीं लगा है। वहीं नायरा एनर्जी (जिसका कुछ हिस्सा रोसनेफ्ट के पास है) अभी भी पूरी तरह से रूसी कच्चे तेल पर निर्भर है।

इस साल खूब खरीदा रूसी तेल

इस साल भारत ने अपने कच्चे तेल का 36% हिस्सा रूस से आयात किया है। लेकिन तेल की वैश्विक अधिकता के कारण अब विकल्प ढूंढना आसान हो जाएगा। आईओसी ने जनवरी-मार्च की डिलीवरी के लिए अमेरिका महाद्वीप से 24 मिलियन बैरल तक तेल खरीदने की कोशिश की है। वहीं, हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने हाल ही में जनवरी में आने वाले तेल के लिए अमेरिका और मध्य पूर्व से 4 मिलियन बैरल खरीदा है। रिफाइनरियों ने रूसी तेल की कमी को पूरा करने के लिए फारस की खाड़ी के अपने पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं से भी संपर्क किया है।

अनिल अग्रवाल ने 'लाल धातु' को बताया नया युग

कहा– भारत बन सकता है ग्लोबल लीडर

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। इस समय कॉपर (तांबा) की चर्चा कुछ ज्यादा होने लगी है। कई एक्सपर्ट ने कॉपर को भविष्य की धातु बताया है। यानी यह रिटर्न के मामले में सोना और चांदी को पीछे छोड़ सकती है। वहीं अब वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने भी कॉपर को लेकर अपनी बात रखी है।

उन्होंने लाल धातु यानी कॉपर को नया युग बताया है। अनिल अग्रवाल ने कॉपर को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की है। उन्होंने एक्स पर लिखा है, 'तांबे का इंसानी सभ्यता की तरक्की और प्राचीन भारत से बहुत गहरा नाता रहा है।

करीब 6000 साल पहले दुनिया की पहली महान सभ्यताओं में से एक सिंधु घाटी सभ्यता कॉपर एज (तांबे के युग) में ही फली-फूली। यह वह सभ्यता थी जब हमने पहली बार इस लाल धातु का इस्तेमाल करना सीखा। मुझे विश्वास है कि हम अब एक नए कॉपर युग में प्रवेश कर रहे हैं।'

तांबा कितना जरूरी?

अनिल अग्रवाल ने अपनी पोस्ट में बताया है कि तांबा आने वाले समय में इंडस्ट्री की जरूरत बनने वाला है। उन्होंने लिखा कि भविष्य की सभी तकनीकें जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या ऊर्जा परिवर्तन बहुत बड़े पैमाने पर तांबे पर ही निर्भर करेंगी। उन्होंने लिखा कि तांबा एक

बहुत ही उपयोगी धातु है और बिजली की सबसे अच्छा सुचालक है।

भारत बन सकता है ग्लोबल लीडर

अनिल अग्रवाल का मानना है कि भारत तांबे के मामले में दुनिया का लीडर बन सकता है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'हमारे पास मानव संसाधन, प्राकृतिक संसाधन और तकनीकी क्षमता है। हमारा भविष्य उतना ही समृद्ध और गौरवशाली होगा जितना हमारा प्राचीन अतीत था।'

क्या है अन्य एक्सपर्ट की राय

कॉपर को नए युग की धातु बताने वाले अनिल अग्रवाल अकेले नहीं हैं। सीनियर एनालिस्ट सुजय यू ने भी कॉपर को भविष्य की धातु बताया है। उन्होंने लिंक्डइन पर लिखा है कि अगले 5 से 10 साल में कॉपर दूसरी अन्य धातुओं यानी सोना और चांदी से आगे निकल सकती है।

ऐसा इसलिए क्योंकि इसकी सप्लाई कम है और ईवी, सोलर पैनल, चार्जिंग स्टेशन, डेटा सेंटर आदि में इसका इस्तेमाल बहुत ज्यादा है।

1 ट्रिलियन का पैकेज पाते ही एलन मस्क को चीन ने दिया तगड़ा झटका, मुश्किल में टेस्ला

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने वाली अमेरिका की कंपनी टेस्ला ने अपने सीईओ एलन मस्क के लिए हाल ही में 1 ट्रिलियन डॉलर का पैकेज मंजूर किया है। लेकिन चीन में कंपनी को तगड़ा झटका लगा है। अमेरिका के बाद चीन टेस्ला के लिए सबसे बड़ा बाजार है।

चीन में कंपनी की बिक्री अक्टूबर में घटकर 26,006 यूनिट रह गई। यह पिछले तीन साल में सबसे कम है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि टेस्ला को चीन के बहुत ज्यादा कॉम्पिटिशन वाले बाजार में मांग की कमी से जूझना पड़ रहा है। पिछले साल के मुकाबले टेस्ला की बिक्री में 35.8% की गिरावट आई है। सितंबर में यह आंकड़ा 71,525 यूनिट था। सितंबर में टेस्ला ने मॉडल वाईएल की डिलीवरी शुरू की थी। यह मॉडल वाई एसयूवी का लंबा व्हीलबेस वाला और छह सीटों वाला वर्जन है, जो अब तक सिर्फ चीन में ही उपलब्ध है। चाइना पैसेंजर कार एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक टेस्ला की चीन में बनी गाड़ियों का निर्यात अक्तूबर में बढ़कर 35,491 यूनिट हो गया। यह पिछले दो साल का सबसे ज्यादा है।

टेस्ला की मुश्किल

अक्टूबर में चीन के ईवी बाजार में टेस्ला की हिस्सेदारी घटकर सिर्फ 3.2% रह गई। पिछले महीने यह 8.7% थी। यह तीन साल से भी ज्यादा समय में सबसे कम है।

दुनिया के सबसे बड़े ऑटो बाजार चीन में टेस्ला का प्रदर्शन खराब रहा है। पिछले महीने यूरोप के कई देशों जैसे जर्मनी, स्पेन, नीदरलैंड्स और नॉर्डिक देशों में भी टेस्ला की बिक्री बहुत कम रही थी। यह इस बात का एक और संकेत है कि कंपनी को यूरोप में भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

टेस्ला पर चीन में लगातार दबाव बढ़ रहा है। टेस्ला को टक्कर देने के लिए शाओमी एसयू7 सेडान और वाईयू7 एसयूवी ला रही है। कंपनी ने पिछले महीने रेकॉर्ड 48,654 यूनिट्स की बिक्री की।

यह तब हुआ जब उसकी सेडान कारों से जुड़े हादसों ने ईवी सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी थीं। अक्टूबर में चीन में कुल कार बिक्री में उम्मीद के मुताबिक गिरावट आई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि सरकारी सब्सिडी और टैक्स छूट कम होने से लोगों का भरोसा कम हो गया था।

हरे निशान पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

सेंसेक्स 336 अंक चढ़ा, निफ्टी 25600 के पार

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते की उम्मीद बढ़ने के बाद सेवा और दूरसंचार क्षेत्र शेयरों में तेजी दिखी। इसके कारण मंगलवार को शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बावजूद प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। तीस शेयरों वाले बीएसई सेंसेक्स में 411.32 अंक या 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार शुरू हुआ और यह 83,124.03 पर पहुंच गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी शुरुआती कारोबार में 125.1 अंक या 0.48 प्रतिशत गिरकर 25,449.25 पर पहुंच गया। हालांकि, दोनों बेंचमार्क सूचकांकों ने मजबूत वापसी की और बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 335.97 अंक या 0.40 प्रतिशत बढ़कर 83,871.32 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 120.60 अंक या 0.47 प्रतिशत चढ़कर 25,694.95 पर बंद हुआ। दिल्ली विस्फोट के संभावित प्रभावों की चिंता के बीच घरेलू बाजार की शुरुआत सुस्त रही। हालांकि, अमेरिकी सीनेट की ओर से अब तक के सबसे लंबे शटडाउन को समाप्त करने के लिए एक विधेयक पारित किए जाने के बाद वैश्विक बाजार में तेजी का रुख दिखा। इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने दूसरी तिमाही के नतीजों और व्यापाक बाजार के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद से बाजार में सकारात्मक माहौल दिखा। आईटी, ऑटो, धातु और एफएमसीजी क्षेत्रों में बढ़त के कारण बाजार की तेजी बरकरार रही। सेंसेक्स की कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इटरनल, इंफोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मास्यूटिकल्स, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ में रहीं। बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, कोटक महिंद्रा बैंक, पावरग्रिड और टाटा स्टील पिछड़ने वालों में शामिल रहे। बजाज फाइनेंस के शेयर 7 प्रतिशत से अधिक गिरकर बंद हुए। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट इसके एयूएम की वृद्धि दर में गिरावट के अनुमानों के बाद दिखी। बजाज फिनसर्व के शेयर 6.26 प्रतिशत तक गिर गए। नायर ने कहा, निवेशक अब आगामी घरेलू मुद्रास्फीति के आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं, खाद्य कीमतों में लगातार गिरावट के कारण इसमें निरंतर नरमी की उम्मीद है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सोमवार को एलान किया अमेरिका जल्द ही भारत पर लगाए गए टैरिफ को कम करेगा और दोनों देश एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गए हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य - तुला	में	तुला	04-32 बजे
चंद्र - कर्क	में	वृश्चिक	06-41 बजे
मंगल- वृश्चिक	में	धनु	08-55 बजे
बुध - वृश्चिक	में	मकर	11-02 बजे
गुरु - कर्क	में	कुंभ	13-01 बजे
शुक्र - तुला	में	मीन	14-30 बजे
शनि मीन	में	मेष	16-06 बजे
राहु कुंभ	में	वृष	17-51 बजे
केतु सिंह	में	मिथुन	19-50 बजे
		कर्क	22-06 बजे
		सिंह	00-16 बजे
		कन्या	02-22 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-23
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-37
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष बुधवार 12 Nov
तिथि - अष्टमी 22-28 तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - आश्लेषा 18-35 तक मघा
योग - शुक्ल 08-02 तक ब्रह्म
करण - बालव 10-57 तक उप कौलव
व्रत श्री कालभैरवाष्टमी
त्योहार भैरव समुत्पति

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 14-50 16-15

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
रोग 06-19 - 07-45 अशुभ	काल 17-39 - 19-15 अशुभ
उत्पात07-45 - 09-10 अशुभ	लाभ 19-15 - 20-50 शुभ
चंचल 09-10 - 10-35 शुभ	उत्पात20-50 - 22-25 अशुभ
लाभ 10-35 - 12-00 शुभ	शुभ 22-25 - 00-00 शुभ
अमृत 12-00 - 13-25 शुभ	अमृत.00-00 - 01-35 शुभ
काल 13-25 - 14-50 अशुभ	चंचल 01-35 - 03-10 शुभ
शुभ 14-50 - 16-15 शुभ	रोग 03-10 - 04-46 अशुभ
रोग 16-15 - 17-39 अशुभ	काल 04-46 - 06-19 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,
जो लोग विलासिता के सामान के व्यवसायों में शामिल हैं , वे लोग आज बहुत लाभ में रहेंगे और साथ ही साथ जो लोग स्वरोजगार में हैं , वे भी अपनी दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं और साथ ही साथ मन वांछित राशि की प्राप्ति कर सकते हैं। उन लोगों पर ध्यान न दें जो लोग आपकी सराहना करने में विफल रहते हैं, बस अपनी विशेषज्ञ कौशल से लाभ प्राप्त करने की इच्छा रखने वालो के महत्व को आप स्वीकार करें ।

वृष ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है , परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है , लेकिन आपका डर निराधार हैं। यहां तक कि आपके वरिष्ठ अधिकारी इस चीज़ को समझते हैं और आपके हालातो के साथ हमदर्दी भी रखते है।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आज के दिन अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के योग है । आज का दिन लॉटरी और सट्टा बाजार के लिए भी लाभप्रद है परन्तु ये धन लाभ कई तरह की जिम्मेदारियां भी साथ लायेगा जिसे आपको नजरअंदाज नहीं करना है । आपको इस पैसे के संबंध में आज एक महत्वपूर्ण काम का निर्वहन करना पड़ सकता है।

कर्क ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी । आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं । आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे । अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्यवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
अपने स्वयं के वित्त एवं धन का नियंत्रण लेना आप के लिए अब बहुत महत्वपूर्ण है और आप इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत से डरते नहीं हैं । आज आप बहुत संगठित और अनुशासित हैं और आप बहुत ही व्यावहारिक तरीके से अपने कार्य क्षेत्र और कैरियर के मुद्दों से निपटने के लिए तैयार हैं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
जब लोहा गर्म हो तो उस पर निशाना लगाये ! यह विशेष रूप से प्रेरक वक्ताओं की भूमिका या इसी तरह की भूमिका वालो के लिए एक महान दिन है। आज आप जनता के साथ बेहतर संवाद करने में सक्षम होंगे और आपको उस के लिए उच्च भुगतान भी किया जा सकता है। तो आप आगे बढे और इस तरह प्रदर्शन करे की लोग आप की बाते सुनने के लिए लालायित रहे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपके नए व्यापार विचार जो आपने सुझाये थे वे अब फल देने लगेंगे । आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की सोच सकते है। यह अपने दम पर कुछ करने के लिए सबसे अच्छा समय है। संभावना है कि आप इस समय अपने नए व्यापार के लिए पर्याप्त वित्तपोषण प्राप्त करने में सक्षम होंगे । आपको इस व्यवसाय को स्थापित करने के लिए विदेश में से किसी के साथ साझेदारी में काम करना पड़ सकता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है , पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे । अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे । एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे । उस समय तक अपने सहकर्मियों के साथ किसी बहस में संलिप्त न हो ।

मकर भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
आज आपके मितव्ययी होने की संभावना हैं, और आप एक असाधारण अवस्था में रहेंगे । आप एक महंगी कला की वस्तु खरीद सकते है क्यों की आप कला के पुजारी है । आप अपने पास के किसी व्यक्ति के लिए एक महंगा उपहार खरीद सकते है जो की उस व्यक्ति को आश्रयचकित कर सकता है । आपके कार्यस्थल में सब कुछ सुचारू रूप से चलेगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे । शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा । लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।व्यावहारिक स्थिति से अपना मुख मोड़ना आज आपकी सबसे बड़ी समस्या है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर 6 नक्सलियों का एनकाउंटर

एक जिंदा पकड़ाया, शव और ऑटोमैटिक हथियार बरामद नक्सली हिड़मा की मां बोलीं- सरेंडर कर दो बेटा

बीजापुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर बीजपुर जिले में जवानों ने 6 नक्सलियों को मार गिराया है। मारे गए सभी नक्सलियों के साथ कई ऑटोमैटिक हथियार भी बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि जवानों ने बड़े नक्सल लीडर को घेर रखा है। मुठभेड़ नेशनल पार्क क्षेत्र में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, बीजापुर DRG, दंतेवाड़ा DRG और स्पेशल टास्क फोर्स (STF) की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ को अंजाम दिया। बीजापुर एसपी डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि इंसास, स्टेनगन, 303 राइफल, विस्फोटक और नक्सल सामग्री बरामद की गई है।

वहीं बस्तर रेंज IG सुंदरराज पी. ने कहा कि सुरक्षाबलों के लिए एक निर्णायक और महत्वपूर्ण बढ़त है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है, जब माओवादी संगठन नेतृत्वविहीन, दिशाहीन और मनोबलहीन स्थिति में अपने कुछ बचे हुए ठिकानों में सिमटकर रह गया है।

वहीं छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर तारलागुड़ क्षेत्र में अन्नाराम के जंगलों में भी पुलिस-नक्सलियों की मुठभेड़ हुई। सर्चिंग के दौरान एनकाउंटर स्पॉट से एक घायल

नक्सली को पकड़ा है। नक्सली को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इलाज भी चल रहा है।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, नक्सली सरेंडर करेंगे, उन्हें वापस आने का सुरक्षित रास्ता भी दिया जाएगा। आने के बाद पुनर्वास भी कराया जाएगा। वर्ना जो प्रक्रिया है सर्चिंग की वो चलेगी। अगर नक्सलियों की तरफ से हमला होता है, तो उसका मुंहतोड़ जवाब भी दिया जाएगा।

इन सबके बीच नक्सल कमांडर हिड़मा की मां माड़वी पुंजी और नक्सल लीडर बारसे देवा की मां बारसे सिंगे ने गृहमंत्री विजय शर्मा के सामने अपने-अपने बेटों से सरेंडर करने की अपील की है। दोनों की मां ने कहा कि घर लौट आओ बेटा। गांव में ही कमाई करेंगे और खाएंगे।

हिड़मा की मां माड़वी पुंजी ने अपने बेटे से कहा कि कहां पर हो, आ जाओ कह रही हूं। नहीं आ रहा है तो मैं कैसे करूं, कहीं आसपास रहता तो जंगल में ढूढ़ने भी जाती, और क्या कहूं बेटा, घर आजा बोल रही हूं। घर आजा। गांव में ही कमाई करके खाएंगे, जीएंगे। जनता के साथ जी लेना आ जाओ।

अब तक नक्सलियों की बटालियन नंबर-1 को लीड कर रहा खूंखार नक्सली हिड़मा को माओवादियों की सबसे बड़ी कमेटी COC यानि सेंट्रल ऑर्गनाइजिंग कमेटी में जोड़ा गया है। ये वह कमेटी होती है, जिसमें देशभर के माओवादी विचारधारा के मजबूत व्यक्तियों को लिया जाता है।

अब पढ़िए नक्सली बारसे देवा की मां ने क्या कहा ?

वहीं नक्सली बारसे देवा की मां बारसे सिंगे ने कहा कि बेटा घर आजा। यहां घर पर ही रहकर कमाई करके जीएंगे। मत जाओ बोली थी, लेकिन चला गया। घर में ही नांगर-कुली करने वाले कोई नही हैं। घर आकर सरेंडर कर दे। घर में कमाई करके खाएंगे। घर आने से अच्छा रहेगा। कुछ दिन पहले भी बोली हूं। कहीं आस-पास रहते तो ढूढ़ने भी जाती, लेकिन मैं कहां ढूंढूं।

हिड़मा के ही गांव पूवर्ती का ही देवा भी रहने वाला है, जो नक्सलियों का स्ट्रॉन्ग होल्ड एरिया है। देवा साथियों के बीच बारसा सुक्का, बारसे, देवन्ना और बड़ादेवा के नाम से भी जाना जाता है। इससे पहले देवा दरभा डिवीजन कमेटी का सेक्रेटरी था। देवा को हिड़मा का करीबी माना जाता है।

केंद्रीय मंत्री के सामने भिड़े बीजेपी एमएलए और प्रदेश मंत्री

एक-दूसरे को देख लेंगे बोले सुशांत और हर्षिता

बिलासपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मंगलवार को भाजपा की यूनिटी मार्च में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू के सामने बेलतरा से बीजेपी विधायक सुशांत शुक्ला और संगठन के प्रदेश मंत्री हर्षिता पांडेय के बीच जमकर विवाद हुआ। सुशांत शुक्ला और हर्षिता पांडेय एक-दूसरे को देख लेने की बात कहते नजर आ रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक दोनों नेता यूनिटी मार्च में फर्स्ट लाइन पर चलने को लेकर विवाद कर

रहे थे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री और समर्थक उन्हें शांत कराने की कोशिश करते रहे, लेकिन दोनों के बीच बहसबाजी होती रही। हालांकि बीजेपी के सीनियर विधायक धरमलाल कौशिक के समझाने के बाद शांत हुए।

वहीं इन सबके बीच यूनिटी मार्च के दौरान एक बीजेपी कार्यकर्ता हर्षिता पांडेय की बांह पकड़कर खींचते भी नजर आ रहा है, जो उनके कान में कुछ कहता दिख रहा है। विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

विवाद को लेकर कांग्रेस ने कहा कि भाजपा के अंदरूनी खाने में जो लड़ाई चल रही है, निपटो निपटाओ का खेल चल रहा है। वहीं बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस की संस्कृति भाजपा में नहीं है। पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह से पूछिए। इसके बाद हमें जवाब देने की जरूरत नहीं है।

गड्ढे में डूबे 2 भाई...48 घंटे बाद भी कार्रवाई नहीं: फॉर्च्यून डेवलपर्स ने खुदवाया था, भरा नहीं

रायपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)।रायपुर के सरकारी स्कूल के पास 2 बच्चे खेलते-खेलते सड़क किनारे बने पानी से भरे गड्ढे में गिर गए। दोनों बच्चे मौसेरे भाई थे। गड्ढे की गहराई ज्यादा होने के कारण वे बाहर नहीं निकल पाए और डूबने से उनकी मौत हो गई। मृतकों में सत्यम (8 साल) और आलोक (7 साल) शामिल थे। ये दोनों बच्चे अपनी मौसी के बेटे के जन्मदिन के मौके पर यहां आए थे।

यह गड्ढा फॉर्च्यून डेवलपर्स (बिल्डर) द्वारा खुदवाया गया था, लेकिन उसे भरा नहीं गया था। वहीं जमीन विपिन अग्रवाल के नाम पर है। इस मामले में 48 घंटे बाद भी अब तक कोई कार्रवाई पुलिस विभाग या प्रशासन की ओर से नहीं की गई है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मामले में जांच जारी है और जल्द कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल, बिल्डर की ओर से दोनों ही पीड़ित परिवार को 4-4 लाख रुपए मुआवजे का आश्वासन मिला है। हादसा रविवार दोपहर 3:00 बजे हुआ था। देर शाम जब बच्चे वापस नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। सोमवार को दोनों की डेडबॉडी मिली थी। मामला कबीर नगर थाना क्षेत्र के हीरापुर का है।

सोमवार को हादसे के बाद गुस्साए परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर चक्काजाम कर दिया था।

वहीं मां रो-रोकर बेसुध हो गई। रिंग रोड नंबर-3 पर करीब 3 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। आमानाका और कबीर नगर पुलिस मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाइश दी तब जाकर लोग शांत हुए।

सरगुजा में बड़े बेटे ने पिता को पीट-पीटकर मार डाला

छोटी बहू के नाम जमीन की रजिस्ट्री करने से नाराज था; डंडे से मारकर मर्डर

सरगुजा, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सरगुजा में बड़े बेटे ने अपने ही पिता को मार डाला। ग्राम गुतुरमा के रहने वाले 80 साल के बुजुर्ग ने एक जमीन की रजिस्ट्री अपनी छोटी बहू के नाम कर दी थी, जिससे नाराज बड़े बेटे ने डंडे से पिता को इतना मारा की उनकी जान चली गई। मामला सीतापुर थाना क्षेत्र का है।

पिता की हत्या के बाद आरोपी बेटा बाइक से भाग रहा था, तभी उसका एक्सीडेंट हो गया। जहां उसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है छोटे बेटे का परिवार साथ रहता था इसलिए बुजुर्ग ने जमीन की रजिस्ट्री छोटी बहू के नाम की थी। बड़ा बेटा बाहर नौकरी कर रहा था।

जानकारी के मुताबिक, गुतुरमा के रहने वाले रूपधर राम सतनामी (80 साल) अपने छोटे बेटों और बहुओं के साथ गांव में रह रहा था। उसका बड़ा बेटा नेतराम सतनामी बैकुंठपुर में नौकरी करता है और अपने परिवार के साथ रहता है।

नेतराम का पुत्र भी पशु विभाग में कार्यरत है। बताया जा रहा है कि रूपधर राम सतनामी ने अपनी छोटी बहू के नाम से जमीन के कुछ हिस्से की रजिस्ट्री कर दी थी। इससे नाराज होकर नेतराम 10 नवंबर को बैकुंठपुर से गृह ग्राम गुतुरमा आया था।

विवाद के बाद डंडों से पीटा, पिता की हो गई मौत

सोमवार (10 नवंबर) की शाम पिता रूपधर राम सब्जी बेचकर घर लौट रहे थे। तभी बीच रास्ते में नेताराम की इनसे जमीन रजिस्ट्री करने को लेकर विवाद हो गया। विवाद के बाद आक्रोशित नेतराम ने पिता के सिर पर डंडे से कई वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पिता की मौत के बाद आरोपी घर से बाइक लेकर भाग निकला, लेकिन बाइक से भागते समय ग्राम सुर में वह दुर्घटना का शिकार हो गया। आरोपी को दुर्घटना में काफी चोटें आई हैं। आसपास के लोगों ने नेत राम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उसे एडमिट किया गया है।

पुलिस ने शव को भेजा हॉस्पिटल

घटना की सूचना पर पुलिस देर शाम मौके पर पहुंची। रूपधर का शव घर के बाहर सड़क पर पड़ा मिला। पुलिस ने शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया है। 11 नवंबर को मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

घाटशिला उपचुनावः शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ मतदान, 73.88 प्रतिशत की हुई वोटिंग

रांची, 11 नवंबर (एजेंसियां)।झारखंड की घाटशिला विधानसभा सीट पर मंगलवार को हुए उपचुनाव में भारी उत्साह के साथ मतदान संपन्न हुआ। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार शाम पाँच बजे तक 73.88 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई। मुख्य निर्वाचन आयुक्त के. रवि कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी कि पूरे क्षेत्र में मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण और पारदर्शी माहौल में संपन्न हुआ।

उन्होंने बताया कि मतदान के दौरान जनता में उत्साह देखने को मिला, खासकर महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही। कुल 300 मतदान केंद्रों पर समय पर मतदान शुरू हुआ और बिना किसी बड़ी तकनीकी या सुरक्षा समस्या के संपन्न हुआ।

चुनाव आयुक्त ने बताया कि मतदान के दौरान दो एफआईआर दर्ज की गईं। पहली एफआईआर सोशल मीडिया पर फर्जी मतदान से जुड़ी अफवाह फैलाने के मामले में और दूसरी एक मतदान केंद्र के पास पैसे के साथ घूमने वाले व्यक्ति के खिलाफ दर्ज की गई।

उन्होंने कहा कि इससे पहले भी दो मामूली शिकायतें दर्ज की गई थीं, जिनकी जांच जारी है। रवि कुमार ने बताया कि सभी पोलिंग पार्टियां सुरक्षित रूप से मतदान केंद्रों से लौट रही हैं और किसी भी क्षेत्र से हिंसा या अव्यवस्था की कोई खबर नहीं मिली है। आयोग ने मतदाताओं के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि घाटशिला उपचुनाव में जनता ने लोकतंत्र के प्रति अपनी गहरी आस्था और सजगता का परिचय दिया है।

हाथियों के हमले में दो युवकों की मौत

तिलैया अंडरग्राउंड क्रॉसिंग के पास हादसा, ग्रामीणों में वन विभाग को लेकर नाराजगी

रामगढ़ (झारखंड), 11 नवंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के जगेश्वर ओपी क्षेत्र में सोमवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब हाथियों के एक झुंड ने दो युवकों को कुचलकर मार डाला। यह हादसा बोकारो से सटे तिलैया अंडरग्राउंड रेलवे क्रॉसिंग के पास हुआ। मृतकों की पहचान प्रकाश महतो और चरकू महतो के रूप में हुई है।

दोनों युवक किसी काम से देर रात गांव लौट रहे थे, तभी अचानक हाथियों का झुंड उनके सामने आ गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, अंधेरा और जंगल का इलाका होने के कारण दोनों को बचने का मौका नहीं मिल पाया।

युवकों की मौके पर ही हुई मौत

घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण वहां पहुंचे और इसकी जानकारी वन विभाग को दी। लोगों ने बताया कि जब तक टीम मौके

पर पहुंचती, तब तक हाथियों का झुंड आगे बढ़ चुका था। दोनों युवकों की मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक उसी इलाके के रहने वाले थे।

अक्सर इसी रास्ते से अपने घर जाया करते थे। हादसे के बाद गांव में मातम का माहौल है। लोगों ने बताया कि हाथियों के लगातार मूवमेंट से कई दिनों से दहशत बनी हुई थी, लेकिन कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई।

ग्रामीण बोले - वन विभाग नाकाम

घटना के बाद क्षेत्र में लोगों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने वन विभाग के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा कि लगातार शिकायतों के बावजूद हाथियों को रोकने या उन्हें सुरक्षित दिशा की ओर मोड़ने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया।

उनका कहना है कि हाथियों का झुंड कई दिनों से इलाके में घूम रहा है, पर वन विभाग की टीम केवल कागजी खानापूर्ति करके लौट जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि न तो गश्त बढ़ाई गई और न ही किसी तरह की चेतावनी या वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था की गई, जिससे लोग सुरक्षित रह सकें।

गिरिडीह में दो गुटों में झड़प, खूब चले पत्थर-गोली

दलिया गांव का खदान बना रणभूमि, फायरिंग में एक मरा, 6 से अधिक घायल

गिरिडीह, 11 नवंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड स्थित दलिया गांव की विवादित पत्थर खदान मंगलवार सुबह रणभूमि बन गई। दो पक्षों के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। पहले मारपीट और पत्थरबाजी हुई, फिर स्थिति बिगड़ते ही दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई।

इस खूनी संघर्ष में चचघरा निवासी सुरेश महतो की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हुए। ग्रामीणों के अनुसार, सुबह खदान के पास अचानक शोर-शराबा मचने लगा, जिसके बाद लोग वहां पहुंचे तो दोनों गुट एक-दूसरे पर हमला करते दिखे। संघर्ष के दौरान माहौल इतना तनावपूर्ण हो गया कि लोग घरों में छिपने को मजबूर हो गए।

6 से अधिक लोग हुए घायल, सदर अस्पताल रेफर

घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों ने घायलों को किसी तरह उठाकर जमुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को गिरिडीह सदर अस्पताल रेफर किया गया। घायलों में अरविंद वर्मा, सुगदेव महतो, रितलाल वर्मा, शिवम और साहिल सहित कई अन्य शामिल हैं। जानकारी मिली है कि एक युवक को पैर में गोली लगी है, जबकि अन्य लोग पत्थरों और लाठी-डंडों के हमले में जख्मी हुए हैं। इलाके में तनाव का माहौल अभी भी बना हुआ है।

बंद खदान को फिर शुरू करने को लेकर विवाद

स्थानीय लोगों के मुताबिक, दलिया स्थित यह पत्थर खदान कई वर्षों से बंद पड़ी थी। हाल ही में बिहार के नवादा जिले से आए एक संचालक ने कथित रूप से बाहरी लोगों की मदद से इसे दोबारा चालू कर दिया। आसपास के ग्रामीणों ने इसका विरोध किया और कहा कि बिना सहमति और उचित अनुमति के खदान संचालन नहीं हो सकता।

इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच कई दिनों से तनाव चल रहा था। मंगलवार को स्थिति अचानक बिगड़ गई और विवाद मारपीट में तब्दील हो गया। देखते-ही-देखते दोनों ओर से लाठी-डंडों के साथ हमला शुरू हो गया।

इसके बाद गोलीबारी की आवाज से पूरा इलाका दहशत में आ गया। ग्रामीणों का कहना है कि खदान के दोबारा शुरू होने से न सिर्फ प्रदूषण बढ़ेगा, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहेगा, इसलिए वे इसका विरोध कर रहे थे।

पुलिस ने संभाला मोर्चा, जांच जारी

घटना की जानकारी मिलते ही जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने इलाके में फैली अफरा-तफरी को शांत कराया और घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। थाना प्रभारी ने बताया कि संघर्ष में एक व्यक्ति की मौत हुई है और कई घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि मामला गंभीर है। पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है।

गोली चलाने वालों की पहचान की जा रही है। उनसे जुड़े लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए खदान क्षेत्र और आसपास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस का दावा है कि हालात नियंत्रण में हैं, लेकिन तनाव को देखते हुए लगातार निगरानी की जा रही है।

दिल्ली ब्लास्ट में रायपुर पासिंग कार जली

बालोद निवासी प्रशांत बघेल के नाम पर रजिस्टर्ड, पिता बोले- बेटा सुरक्षित, छत्तीसगढ़ में हाई अलर्ट

रायपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में लाल किले के पास कार में हुए धमाके से 12 लोगों की मौत हो गई है। दिल्ली ब्लास्ट की घटना में छत्तीसगढ़ की रायपुर पासिंग कार CG04 PY 6021 भी जल गई है। कार बालोद जिले के गुंडरदेही ब्लॉक के ग्राम सिर्री निवासी प्रशांत बघेल की है।

घटना की जानकारी मिलते ही बालोद पुलिस प्रशासन ने हिमांशु के घर पहुंचकर परिजनों से बात की। हिमांशु के पिता बलिराजा बघेल ने बताया कि कार बड़े बेटे के नाम पर है, जबकि छोटा बेटा हिमांशु उसे दिल्ली में उपयोग करता है। हिमांशु सुरक्षित है, लेकिन कार आग की चपेट में गई।

हिमांशु के मुताबिक कार की कांच और ड्राइवर साइड का हिस्सा जल गया है। हिमांशु दिल्ली में रहकर बिजनेस करता है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि कार पार्किंग में थी या किसी दोस्त के पास थी। इसकी जानकारी जांच के बाद ही मिलेगी।

वहीं दिल्ली में ब्लास्ट के बाद छत्तीसगढ़ में भी हाई अलर्ट जारी किया गया है। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मॉल समेत भीड़ वाली जगहों पर जांच की गई। वहीं रायपुर में भी पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया। गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने अपील की है कि जांच और पूछताछ में पूरा सहयोग करें और अफवाहों पर ध्यान न दें। इससे पहले सोमवार रात को रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, हाईकोर्ट, बस स्टैंड, होटल-प्रतिष्ठानों सहित भीड़भाड़ वाले इलाकों में फुट पेट्रोलिंग कर संवेदनशील स्थानों की जांच की गई।

रायपुर एसएसपी लखन पटले ने

बताया कि रायपुर में भी हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है 1 सभी एजेंसी अपने-अपने टास्क को लेकर जुट गई है 1 पर्यटन स्थल, धार्मिक स्थल, एयरपोर्ट पर निगरानी करने और संदिग्धों पर एक्शन लेने के निर्देश दिए गए हैं।

CM विष्णुदेव साय ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा- धमाके की घटना अत्यंत हृदय विदारक है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। केंद्र सरकार और हमारी केंद्रीय एजेंसियां स्थिति की सतत समीक्षा कर रही हैं।

वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि दिल्ली में बम धमाके की खबर दुखद और चिंताजनक है। इस कठिन समय में सरकार से सवाल पूछे जाएंगे और जवाब देना होगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को घटना की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। अमित शाह या तो चुनाव प्रचार कर लें या तो गृह मंत्रालय संभाल लें। उनसे गृह मंत्रालय नहीं संभल रहा है। उन्हें छोड़ देना चाहिए।

ट्रेवल्स संचालक-पत्नी ने हज के नाम पर 37 लाख ठगे

बिलासपुर में 16 लोगों से पैसे लिए, टिकट-वीजा नहीं दिए; आखिरी दिन तक घुमाते रहे

बिलासपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में इस्लामिक धार्मिक आस्था के नाम पर मुस्लिम परिवार के लोगों से 37 लाख रुपए ठगी हुई है। कटघोरा के रूही टूर एंड ट्रेवल्स के संचालक और उसकी पत्नी ने सउदी अरब के उमरा यात्रा कराने का झांसा देकर 16 लोगों से पैसे वसूल लिए। लेकिन, जब वीजा और टिकट देने की बारी आई तो दोनों पति-पत्नी भाग गए।

मामला दो साल पहले का है, जिसमें अब शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पीड़ित परिवार के मुताबिक, ट्रेवल्स वाले आखिरी दिन तक घुमाते रहे। जिस दिन यात्रा पर निकलना था, उसके ठीक 2 दिन पहले मोबाइल बंद कर दिया।

अब जानिए पूरा मामला

तारबाहर क्षेत्र में रहने वाले शेख अकरम (53) ने धोखाधड़ी की शिकायत की है। इसमें उन्होंने बताया कि दो साल पहले उन्होंने अपने रिश्तेदारों के साथ सउदी अरब के उमरा जाने का प्लान बनाया था।

कोरबा जिले के कटघोरा के रूही टूर एंड ट्रैवल्स के संचालक वसीम अली और उनकी पत्नी रेश्मा रूबी से परिचय था। लिहाजा, उन्होंने दोस्तों और परिवार के साथ उमरा यात्रा पर जाने के लिए उससे संपर्क किया। तब वसीम तालापारा के तैयबा चौक पर अपना ऑफिस संचालित करता था।

वसीम अली ने भरोसा दिलाया था कि सभी को जनवरी 2024 में उमरा यात्रा पर लेकर जाएंगे। इसके लिए सितंबर से 29 नवंबर 2023 के बीच अलग-अलग किस्तों में ऑनलाइन और कैश मिलाकर कुल 37 लाख 24 हजार एजेंसी ने लिए।

पैसे वसूली करने के बाद वसीम अली ने सभी यात्रियों को कहा था कि 27 जनवरी 2024 की सुबह 7:25 बजे हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस से मुंबई रवाना होना है। वहां से फ्लाइट द्वारा सऊदी अरब की यात्रा होगी। लेकिन, जब यात्रा की तारीख नजदीक आई, तब पता चला कि किसी का वीजा नहीं बना है।

जब 25 जनवरी को शेख अकरम और उनके साथी वसीम अली से मिलने कटघोरा पहुंचे, तो उन्होंने बहानेबाजी किया। साथ ही भरोसा दिलाया कि दो दिन बाद यात्रा पर जाएंगे। उसने सभी को तैयार रहने को कहा।

पति-पत्नी ने बंद कर लिया मोबाइल

जिसके बाद 27 जनवरी की सुबह जब यात्रियों ने उन्हें फोन किया, तो वसीम और उनकी पत्नी दोनों के मोबाइल बंद मिले। इस दौरान तीर्थ यात्री उसके ऑफिस भी गए, जहां ताला बंद मिला। लोग जब उनके घर पहुंचे, तो वो घर पर ताला लगाकर भाग चुके थे।

महीनों तक पीड़ित रुपए मिलने की उम्मीद में थे। इस बीच वसीम अली ने उन्हें पैसे लौटाने का वादा किया था। लेकिन, दो साल तक वो लोगों को घुमाते रहा। आखिर में जब रुपए नहीं मिले तो उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई।

बताया कि वसीम और रेश्मा ने धार्मिक भावनाओं को आहत कर फायदा उठाकर यह ठगी की। पुलिस ने दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में और भी लोगों से रुपए लेने की बात सामने आ रही है।

कोयला डील में एनएमडीसी के 120 करोड़ डूबने से बचे

अमेरिकन कंपनी के नाम पर फ्रॉड ने भेजा अपना अकाउंट,न्यूयॉर्क-बैंक ने गड़बड़ी पकड़ी

जगदलपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में नगरनार स्टील प्लांट के 120 करोड़ रुपए डूबने से अमेरिकन बैंक के न्यूयॉर्क ब्रांच ने बचा लिया हैं। प्लांट ने कोल खरीदी करने अमेरिकन कंपनी से डील की थी। जिसके बाद किसी फ्रॉड ने फर्जी ईमेल ID के जरिए अपना खाता नंबर दिया। एनएमडीसी ने डील के मुताबिक 120 करोड़ रुपए ट्रांजेक्शन भी कर दिए।

हालांकि, अमेरिका में न्यूयॉर्क की ब्रांच ने वेरिफिकेशन के दौरान नाम और एड्रेस में अंतर पाया। पैसे को ट्रांजेक्शन के पहले ही होल्ड कर दिया गया और खाते को फ्रीज किया गया। जिससे एक बड़ा साइबर फ्रॉड होने से बचा लिया। वहीं अब एनएमडीसी ने इस मामले को लेकर बस्तर पुलिस से शिकायत

की है। इसकी पुष्टि एसपी शलभ सिन्हा ने की है।

दरअसल, एनएमडीसी स्टील प्लांट ने लोहा पिघलाने के लिए कोल खरीदी करने यूएसए की एक कंपनी के साथ डील की थी। अमेरिकी कंपनी ने ईमेल के माध्यम से ही सारे डॉक्यूमेंट भेजे थे। वहीं नगरनार स्टील प्लांट प्रबंधन ने यह प्रपोजल एक्सेप्ट कर लिया। दोनों कंपनियों के बीच ईमेल के जरिए ही सारा प्रोसेस हो रहा था। 120 करोड़ रुपए में कोल खरीदने डील पक्की हो गई थी।

फ्रॉड ने भेज दिया अपना खाता

जिस ईमेल ID से दोनों कंपनियों के बीच बातचीत हो रही थी तो किसी फ्रॉड ने उसी तरह की कोई दूसरी ईमेल ID से कन्वर्सेशन शुरू कर दिया। एनएमडीसी को यह विश्वास हो गया कि ये सेम ईमेल ID है।

जिसके बाद फ्रॉड ने मेल पर ही बैंक की सारी डिटेल्स भेजी। सामने वाले ने जो खाता नंबर दिया उस पर एनएमडीसी ने 120 करोड़ रुपए ट्रांजेक्शन कर दिए।

न्यूयॉर्क की ब्रांच ने फ्रॉड होने से बचा लिया

वहीं इंटरनेशनल ट्रांजेक्शन होने की वजह से न्यूयॉर्क की बैंक में क्लियरेंस के लिए गया। जहां बैंक कर्मियों ने नाम और पता में अंतर पाया। जिसके बाद पैसे को होल्ड कर दिया गया। इसकी जानकारी इंडियन SBI ब्रांच प्रबंधन और एनएमडीसी को भी दी गई। जिसके बाद 120 करोड़ रुपए का फ्रॉड होने से बच गया। एनएमडीसी ने इसकी जानकारी बस्तर पुलिस को दी है। साइबर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एनएमडीसी के कर्मचारियों को सस्पेंड करने की खबर

120 करोड़ रुपए का फ्रॉड होने से एनएमडीसी भले ही बच गई है, लेकिन इस चूक को लेकर इंटरनल जांच चल रही है। ऐसी खबर है कि प्रबंधन ने इस चूक के लिए करीब 2 से 3 कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस संबंध में एनएमडीसी के PRO से भी बातचीत करने उन्हें फोन लगाया गया पर उनसे बात नहीं हो पाई।

अमेरिका में 41 दिन बाद खत्म होगा शटडाउन

सीनेट ने पास किया अहम बिल

वाशिंगटन, 11 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में 41 दिन का शटडाउन खत्म होने की कगार पर है। सोमवार को कुछ सासंदों ने शटडाउन खत्म करने के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा दी है। हालांकि, डेमोक्रेट्स पार्टी के कई नेता अभी भी वाशिंगटन से बाहर हैं। उनकी वापसी के बाद संसद में इसपर वोटिंग होगी, जिसके साथ ही अमेरिका में लगा इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन खत्म हो जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने शटडाउन खत्म करने वाले बिल का समर्थन करते हुए कहा, "हम जल्द ही अपना देश फिर से खोलने वाले हैं। ओबामा केयर फंड और स्वास्थ्य बीमा योजना को जारी न रखने के कारण विपक्षी दल यानी डेमोक्रेट्स पार्टी के लोगों ने पूरे देश में शटडाउन का एलान कर दिया था। डेमोक्रेट्स लगातार ट्रंप की पार्टी से बातचीत करने और अपनी मांगों को स्वीकार करवाने पर डटे थे। 40 दिनों के लॉकडाउन के बाद बीते दिन डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं की मुलाकात हुई थी। इस दौरान व्हाइट हाउस ने एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें शटडाउन को खत्म करने और अफोर्डेबल केयर एक्ट पर दिसंबर में वोटिंग करवाने की शर्त रखी गई है। न्यू हैम्पशायर सीनेटर जीन शाहीन के अनुसार, रिपब्लिकन पार्टी ने हमारी मांगे ठुकरा दी थीं। इसलिए हमारे पास यह शर्त मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। हमें लगा कि देश में स्वास्थ्य सेवाएं जारी रखने के लिए शटडाउन सबसे बेहतर रास्ता है। कुछ समय बाद इसपर वोटिंग होगी और मुझे विश्वास है कि यह सेवाएं जारी रहेंगी। सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा डेमोक्रेट्स इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दें। हालांकि, बातचीत में शामिल 10-15 सदस्यों में से महज 5 ने ही वोट किया है। कई डेमोक्रेट्स अभी भी इस प्रस्ताव के खिलाफ हैं और शटडाउन जारी रखने की अपील कर रहे हैं।

दिल्ली में हुए ब्लास्ट पर चीन ने कहा घटना से स्तब्ध

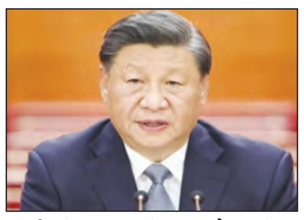

बीजिंग, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में हुए विस्फोट पर चीन की तरफ से बड़ा बयान सामने आया है। चीन ने दिल्ली में हुए विस्फोट पर दुख जताया है और कहा है कि वो इस घटना से स्तब्ध है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान ये बात कही। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, "हम इस घटना से स्तब्ध हैं। इसके अलावा लिन ने विस्फोट में मृत लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के जल्द ठीक की कामना की। उन्होंने ये भी बताया कि इस ब्लास्ट में किसी चीनी नागरिक के हताहत होने की खबर नहीं मिली है।

दिल्ली में कहां हुआ ब्लास्ट?

दिल्ली में सोमवार शाम को लाल किला के सामने एक कार में ब्लास्ट हुआ, जिसकी चपेट में कई वाहन और लोग आ गए। इस घटना में 12 लोगों की मौत हो गई और 29 लोग घायल हैं। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस मामले में जांच एजेंसियां गहन जांच कर रही हैं और सुरक्षाबलों के द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस मामले की जांच एनआईए को सौंप दी गई है। अभी तक इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस और स्पेशल सेल कर रही थी। इस मामले में पीएम मोदी का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूं। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मैं कल रात भर इस घटना की जांच में जुटी सभी एजेंसियों के साथ संपर्क में था। हमारी एजेंसियां इस साजिश की तह तक जायेंगी। इसके पीछे के साजिशकर्ताओं को बख्शा नहीं जायेगा। भूटान के महामहिम राजा ने थिम्पू के चांगलिमिथांग स्टेडियम में, दिल्ली विस्फोट के पीड़ितों के लिए हजारों भूटानियों के साथ प्रार्थना का नेतृत्व भी किया।

कंबोडिया और थाईलैंड में फिर छिड़ेगी जंग?

थाई सेना ने रद्द किया ट्रंप का शांति समझौता

बैंकॉक, 11 नवंबर (एजेंसियां)।थाईलैंड की सेना ने मंगलवार को कंबोडिया पर विवादित सीमा क्षेत्र में नई बारूदी सुरंगें बिछाने का आरोप लगाया। थाईलैंड ने दावा किया कि इन बारूदी सुरंगों के चलते उसके कई सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए।

सीमा पर लैंडमाइन्स बिछाए जाने को थाईलैंड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रस्तावित शांति समझौते का उल्लंघन बताया। थाईलैंड की सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विनथाई सुवारी ने बयान जारी करते हुए कहा कि फोरेंसिक अधिकारियों ने सोमवार (10 नवंबर,2025) को कंथारलक जिले में बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र की जांच-पड़ताल की। इस दौरान अधिकारियों को धमाके से बना एक गड्ढा और तीन अन्य बारूदी सुरंगों का पता चला। थाई सेना की ओर से सोमवार को जारी बयान में कहा गया था कि सीमा पर गश्त करने के दौरान लैंडमाइन पर पैर पड़ने की वजह से चार सैनिक घायल हो गए। इनमें से एक सैनिक ने अपना पैर भी गंवा दिया। बैंकॉक पोस्ट के मुताबिक मेजर जनरल विनथाई ने कहा, ''इस तरह की घटना संघर्ष को कम करने में कंबोडिया के दोहरे रवैये को दर्शाता है। ये शत्रुता को भी दर्शाता है, जो संयुक्त रूप से माने गए समझौते का भी उल्लंघन है।''

कंबोडिया ने आरोपों को किया खारिज

कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार की देर रात थाईलैंड के आरोपों को खारिज कर दिया। कंबोडिया की ओर से कहा गया कि कंबोडिया के गृह युद्ध के दौरान की एक पुरानी बारूदी सुरंग में धमाके की वजह से सोमवार को थाई सैनिक घायल हुए। कंबोडिया की ओर से कहा गया कि उसकी ओर से सीमा पर कोई भी नई लैंडमाइंस नहीं बिछाई गई हैं, जो आम नागरिकों के लिए खतरा बनें। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय ने शांति समझौते की शर्तों और जेनेवा कन्वेंशन का सख्ती से पालन करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

यूनुस सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरी बांग्लादेश की 8 कट्टर मुस्लिम पार्टियां

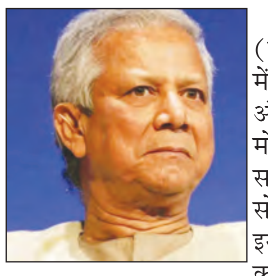

ढाका, 11 नवंबर (एजेंसियां)।बांग्लादेश में नोबेल विजेता और अंतरिम प्रधानमंत्री डॉ. मोहम्मद यूनुस की सरकार के खिलाफ सोमवार को जमाते-ए-इस्लामी समेत आठ कट्टर इस्लामी पार्टियां सड़कों पर उतर आईं. इन दलों ने ढाका के पुराना पलटन चौराहे पर विशाल रैली आयोजित कर यूनुस सरकार पर सीधा हमला बोला. इनका आरोप है कि यूनुस सरकार जनता की राय को दरकिनार कर रही है और जुलाई नेशनल चार्टर को कानूनी दर्जा देने से बच रही है. इन पार्टियों ने पांच सूत्री मांगें रखी हैं, जिनमें सबसे अहम है अगले आम चुनाव को अनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत कराने की मांग. इस रैली में शामिल दल हैं- जमाते-ए-इस्लामी, इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश, खेलेफत मजलिश, बांग्लादेश खेलेफत मजलिश, खेलेफत आंदोलन, निजामे इस्लाम पार्टी, जातीय लोकतांत्रिक पार्टी (जगपा) और बांग्लादेश डेवलपमेंट पार्टी. रैली से पहले इन सभी दलों के शीर्ष नेता इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश के कार्यालय में मिले और आंदोलन की रणनीति तय की. उनका कहना है कि अब यह सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि इस्लामी पहचान और जनता के अधिकारों की लड़ाई बन चुकी है. रैली की शुरुआत कुरान की तिलावत से हुई. इसके बाद जमात-ए-इस्लामी के असिस्टेंट सेक्रेटरी जनरल हामिदुर रहमान आजाद ने सभा का उद्घाटन किया और चेतावनी दी कि अगर सरकार ने उनकी मांगों को नहीं माना, तो उन्हें उंगली मोड़नी पड़ेगी. कार्यक्रम की अध्यक्षता इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश के प्रमुख और चर्मोनाई पीर मुफ़्ती सैयद मोहम्मद रेजाउल करीम ने की. दोपहर के बाद ढाका की सड़कों पर समर्थकों का सैलाब उमड़ पड़ा. भीड़ हरे और सफेद झंडों के साथ इस्लामी शासन लागू करो के नारे लगा रही थी. ट्रैफिक पुलिस और पार्टी वालंटियर व्यवस्था संभालने में जुटे रहे. दो ट्रकों को जोड़कर बनाए गए अस्थायी मंच से नेताओं ने सरकार पर तीखे हमले किए.जमात नेताओं ने बताया कि उन्होंने मुख्य विपक्षी दल बीएनपी से संवाद की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. वहीं यूनुस सरकार की ओर से भी अब तक कोई ठोस पहल नहीं दिखी है. इसी बीच, अंतरिम सरकार द्वारा राजनीतिक दलों को जनमत संग्रह की तारीख पर सहमति बनाने के लिए दी गई सात दिन की समयसीमा कल खत्म हो चुकी है.

11 साल बाद हमास ने इस्राइल को लौटाया सैनिक का शव, अंतिम संस्कार में उमड़ी हजारों की भीड़

यरुशलम, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य इस्राइल में मंगलवार (11 नवंबर,2025) को 11 साल बाद गाजा से लौटे इस्राइली सैनिक के शव के अंतिम संस्कार में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सैनिक के अंतिम संस्कार के दौरान हाथों में इस्राइल का झंडा लिए हुए भारी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। इसके चलते श्मशान और आस-पास की तमाम गलियां जाम हो गईं। लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन का अंतिम संस्कार उनके परिवार वालों के लिए भावुक कर देने वाला पल था। दरअसल, लेफ्टिनेंट के परिवार ने उनके शव को वापस इस्राइल लाने के लिए एक बड़ा सार्वजनिक अभियान चलाया था। हमास ने 9 नवंबर, 2025 को उनके शव का अवशेष इस्राइल को वापस भेजा। वहीं 7 अक्तूबर, 2023 को हमास के हमले में चार बंधकों के शवों को गाजा ले जाने के बाद इस्राइल के साथ युद्ध छिड़ गया था। ये शव अभी भी गाजा में ही हैं। 2014 में इस्राइल और हमास के बीच युद्धविराम के एलान के दो घंटे बाद 23 साल के गोल्डिन की मौत हो गई थी। कई वर्षों तक गोल्डिन और एक अन्य सैनिक ओरॉन शॉल के पोस्टर इस्राइल की गलियों में दिखते थे। वहीं, उनके परिवारों की ओर से शवों को वापस लाने के लिए अभियान चलाया जा रहा था। इस्राइली सेना की ओर से बहुत पहले साफ कर दिया गया था कि गोल्डिन की हत्या हो चुकी है और सबूत के तौर पर सुरंग में उसकी खून से सनी शर्ट बरामद की गई थी। बीते वर्षों में गोल्डिन के शव की पहचान होने के बाद उनके परिजनों ने कई बार निराशा जाहिर की। परिजनों ने कहा था कि उनके बेटे का शव न इस्राइली सेना और न ही कोई अन्य वापस लेकर आया। इसे एक तरह से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना के तौर पर देखा गया। वहीं, नेतन्याहू ने हालिया कैबिनेट बैठक में कहा, ''इस्राइली सैनिक का शव हमास के कब्जे में लंबे समय तक रहने से परिवार को बहुत पीड़ा झेलनी पड़ी। अब वे उसका अंतिम संस्कार कर सकेंगे।'' गौरतलब है कि ओरॉन शॉल का शव साल की शुरुआत में ही इस्राइल वापस आ गया था। गोल्डिन के परिजनों ने नाराजगी जताते हुए कहा, ''हैदर जंग लड़ने गया था और इस्राइली सेना ने उसे छोड़ दिया। इस्राइली सेना ने हमारे और उसके मानवीय अधिकारों को खत्म कर दिया।'' गोल्डिन के शव को वापस लाने की शुरुआती कोशिशों में दर्जनों फलस्तीनी मारे गए थे। फलस्तीन की ओर से इसे अंधाधुंध गोलीबारी बताया गया था। गोल्डिन के शव को पाने के लिए इस्राइल ने हैनीबेल प्रोटोकॉल लागू किया था। इसके तहत इस्राइली सेना को भारी हथियार और सैन्यबल के इस्तेमाल की छूट मिलती है। गोल्डिन की तलाश में इस्राइली सेना ने गाजा शहर में भीषण गोलीबारी और एयरस्ट्राइक की थीं, जिनमें 110 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई थी। 2016 में भारी आलोचना के बाद हैनीबेल प्रोटोकॉल को रद्द कर दिया गया था। 2014 में हुई इस्राइल और हमास की जंग में 2200 फलस्तीनियों की मौत हो गई थी। इनमें सैकड़ों आम नागरिक शामिल थे और गाजा में बुनियादी ढांचों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था।

गाजा पट्टी पर संघर्ष विराम के बाद लाल सागर में हूतियों ने हमले रोके

इस्राइल को लेकर कही ये बात

गाजा पट्टी, 11 नवंबर (एजेंसियां)।यमन के हूती विद्रोहियों ने संकेत दिया है कि उन्होंने इस्राइल और लाल सागर में जहाजों पर अपने हमले रोक दिए हैं, क्योंकि गाजा पट्टी में संघर्ष विराम लागू है।

हूती गुट ने सोमवार देर रात हमास की कसम ब्रिगेड को लिखे एक पत्र में यह संकेत दिया कि उनकी सैन्य कार्रवाई फिलहाल थमी है। पत्र में कहा गया, "हम घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रहे हैं और घोषणा करते हैं कि अगर दुश्मन ने गाजा पर फिर से आक्रमण शुरू किया, तो हम जायनिस्ट सत्ता के भीतर गहराई तक अपनी सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करेंगे और लाल सागर के साथ अरब सागर में इस्राइली नौवहन पर प्रतिबंध फिर से लागू करेंगे।"

बीएसएफ टेकनपुर में 'दुर्गा वाहिनी' महिला ड्रोन वॉरियर टीम तैयार, सीमाओं और दुश्मन पर रखेगी नजर

ग्वालियर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। देश की सीमाओं की सुरक्षा अब ड्रोन के माध्यम से भी की जाएगी। इसके लिए बीएसएफ अकादमी टेकनपुर में 6 महीने की ट्रेनिंग के बाद 'दुर्गा वाहिनी' महिला टीम तैयार की गई है। यह टीम ड्रोन वॉरियर के रूप में काम करेगी। इसके लिए बीएसएफ टेकनपुर में ड्रोन ड्रिल का आयोजन किया गया। बताया गया कि हर परिस्थिति में बीएसएफ सीमाओं पर देश विरोधी दुश्मनों से निपटने के लिए तैयार है। बीएसएफ के ए डी जी महानिदेशक डॉ. शमशेर सिंह ने बताया कि खास तौर पर ड्रोन कंट्रोल के लिए महिलाओं को बीएसएफ ने चुना है। टीम में शामिल सभी महिलाएं पूर्ण रूप से तैयार है। उन्होंने बताया कि ड्रोन के माध्यम से हम दुश्मनों तक पहुंचने में आसानी होगी। दुश्मन किसी भी परिस्थिति में छुपा हो हम उससे निपट सकते हैं। इतना ही नहीं कई बार सीमाओं पर होने वाली वॉर में जब हमारा जवान घायल होता है तो उसके पास ड्रोन के माध्यम से तत्काल (फर्स्ट एड बॉक्स) प्रथमिक उपचार भी पहुंचाया जा सकता है। पहले चरण में जम्मू-कश्मीर फ्रंटियर की महिला इकाइयों को प्रशिक्षण दिया गया था, जो प्रशिक्षण पूरा कर विशिष्ट ऑपरेशनल भूमिका निभा रही हैं। वर्तमान में पंजाब फ्रंटियर की महिला टीम इसी प्रशिक्षण में अग्रसर हैं। प्रशिक्षण के दौरान देश के भीतर सुरक्षा और नैतिकता से जुड़े मानकों पर भी कड़ा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। डाटा गोपनीयता नागरिक सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश सहभागियों को दिए जा रहे हैं। प्रशिक्षण समापन के बाद इन महिला टीमों को सीमा परिस्थितियों में ड्रोन-आधारित निगरानी, आपातकालीन सहायता और समन्वित ऑपरेशनों में तैनात किया जाएगा, ताकि सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा और त्वरित प्रतिक्रिया दोनों और प्रभावी बन सकें।

युवक को पीट-पीटकर मार डाला, आरोपियों में पूर्व सरपंच भी शामिल

सोनीपत, 11 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना गांव पिपली की है। मृतक की पहचान अजय के तौर पर हुई है। आरोप है कि गांव के ही युवकों पर अजय की हत्या की है। गांव के पूर्व सरपंच रामनिवास का नाम भी हत्या मामले में सामने आया है। रंजिश के चलते पिपली के अजय की हत्या की गई है। वह शाम को जिम से लौट रहा था। बीच रास्ते में रोककर आरोपियों ने उसपर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल अजय को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने गांव के ही कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

आलमी इज्तिमा की तैयारियां तेज, आज से जमायतों का आना होगा शुरू

भोपाल, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी में होने वाले आलमी तबलीगी इज्तिमा को लेकर व्यवस्थाएं अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। कल बुधवार रात से देशभर की जमाअतें भोपाल पहुंचना शुरू करेंगी, जबकि शुक्रवार से रविवार के बीच सबसे ज्यादा भीड़ की उम्मीद है। बढ़ती आमद को देखते हुए रेलवे, प्रशासन और पुलिस लगातार तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। इज्तिमा से पहले मंगलवार को भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म-1 स्थित सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में रेलवे, पुलिस और इज्तिमा कमेटी के पदाधिकारी शामिल हुए। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की आवाजाही, पार्किंग, ट्रैफिक प्रबंधन और सुविधाओं के वितरण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के बाद अधिकारियों का दल स्टेशन का निरीक्षण करने निकला। प्लेटफॉर्म नंबर 1 से लेकर 6 तक सुरक्षा चौकियों, प्रवेश-निर्गम द्वार, प्रतीक्षालय और पार्किंग क्षेत्र की स्थिति का जायजा लिया गया। रेलवे सुरक्षा बल, ट्रैफिक विभाग, थाना प्रभारी और अन्य

वरिष्ठ अधिकारी भी निरीक्षण में शामिल रहे। SP रेल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इज्तिमा के दिनों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा ताकि भीड़ बढ़ने की स्थिति में नियंत्रण बनाए रखा जा सके। रेलवे और पुलिस के बीच लगातार समन्वय रखने पर भी जोर दिया गया है।

जायरीनों की भीड़ को देखते हुए स्टेशन परिसर में 50 हजार लोगों के लिए भोजन तैयार किया जा रहा है। भीड़ बढ़ने पर दो ट्रेनों- भोपाल-इटारसी और भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस में अतिरिक्त कोच लगाए जाने पर विचार चल रहा है। साथ ही 2 दिसंबर से चार नए टिकट काउंटर शुरू करने की तैयारी है, जिनमें दो प्लेटफॉर्म-6 पर बने अस्थायी पंडाल में रहेंगे। इज्तिमा स्थल पर इस बार तैयारियों का विस्तार काफी बड़ा है। लगभग 120 एकड़ में विशाल पंडाल का निर्माण पूरा होने के कगार पर है। जलापूर्ति, लाइटिंग, खानपान और अन्य व्यवस्था में हजारों वॉलंटियर्स जुटे हुए हैं। इज्तिमा 17 नवंबर को सामूहिक दुआ के साथ समाप्त होगा और इस बार 12 लाख से अधिक जायरीनों के पहुंचने का अनुमान है। इस वर्ष की तैयारियां पिछले साल की तुलना में लगभग 20% अधिक हैं। पार्किंग क्षेत्र को बढ़ाकर 350 एकड़ कर दिया गया है और कुल 71 पार्किंग जोन तैयार किए जा रहे हैं। सुरक्षा के लिए रेलवे स्टेशन से नादरा बस स्टैंड तक लगभग 850 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे जो भीड़ और ट्रैफिक प्रबंधन देखेंगे। पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था 30 हजार लोगों की टीम के जिम्मे है, जिसमें 25 हजार वॉलंटियर इज्तिमा कमेटी के और 5 हजार कर्मचारी प्रशासन व नगर निगम से जुड़े हैं। दमकल विभाग 24 घंटे इज्तिमा स्थल पर मौजूद रहेगा, जबकि रेलवे स्टेशन पर प्रति शिफ्ट लगभग 500 वॉलंटियर यात्रियों की सहायता में लगाए जाएंगे।

चीन के बाद श्रीलंका, मालदीव और नेपाल ने भी दिल्ली विस्फोट पर जताया शोक, मगर चुप है बांग्लादेश

कोलंबो/काठमांडू, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में सोमवार को लाल किले के पास हुए भीषण ब्लास्ट और इसमें मारे गए लोगों के प्रति चीन के बाद श्रीलंका, मालदीव और नेपाल ने भी गहरा शोक प्रकट किया है। इन सभी देशों ने ब्लास्ट में मारे गए लोगों के परिवारजनों के प्रति गहरी शोक संवेदना जाहिर की है और घायलों के स्वस्थ होने की अपील भी की है। मगर पड़ोसी बांग्लादेश चुप है। बता दें कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते अगस्त 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से ही तनावपूर्ण चल रहे हैं। बांग्लादेश की चुप्पी इसलिए भी सवालों के घेरे में है कि लश्कर कमांडर और हाफिज सईद के करीबी आतंकी सैफुल्लाह ने बीते 30 अक्टूबर को ही बांग्लादेश के रास्ते भारत में हमले की खुली धमकी दी थी। सैफुल्लाह ने यह भी दावा किया था कि हाफिज सईद का एक करीबी सहयोगी बांग्लादेश (जिसे इस्लामाबाद पूर्वी पाकिस्तान भी कहता है) में भारत में हमले की योजना बना रहा है। सैफुल्लाह ने भीड़ को ललकारते हुए जिहाद में शामिल होने और भारत को जवाब देने के लिए प्रेरित किया था।

बता दें कि दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार की शाम धीमी गति से चल रही एक कार में यह शक्तिशाली विस्फोट हुआ था, जिसमें अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इस घटना को लेकर श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने सोशल मीडिया पर लिखा, "दिल्ली में कल रात हुए विस्फोट की खबर से गहरा दुख हुआ।

श्रीलंका भारत के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। हमारी संवेदनाएं सभी प्रभावितों के साथ हैं।"मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि उन्हें विस्फोट में लोगों की मौत पर गहरा दुख हुआ है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। मालदीव इस कठिन समय में भारत के लोगों और सरकार के साथ खड़ा है।" नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, "मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। नेपाल दुख की इस घड़ी में भारत के साथ एकजुट है।

"श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के अलावा विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने भी भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, "दिल्ली में कल रात हुए विस्फोट से गहरा दुख हुआ। श्रीलंका भारत के लोगों के साथ एकजुटता में खड़ा है। हमारी संवेदनाएं सभी प्रभावितों के साथ हैं।"

जो जिया-उल हक, यहया और मुशर्रफ सोच तक न सके

वो आसिम मुनीर कर रहा है! बन बैठा पाकिस्तान का निजाम

इस्लामाबाद, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान वो देश है, जहां कभी भी सत्ता पूरी तरह से सरकर के हाथ में नहीं रही। यहं सेना की ताकत राजनीतिक सत्ता पर हमेशा हावी होती दिख रही है। हालांकि इस बार मामला कुछ अलग है क्योंकि सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने वह कदम उठा लिया है, जिससे वे न केवल पाकिस्तान के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बन गए हैं, बल्कि देश के संविधान के ऊपर भी उनका नियंत्रण सुनिश्चित हो गया है। इस वक्त पाकिस्तान में 27वां संविधान संशोधन सबसे ज्यादा चर्चा में है, जो कमांड ऑफ डिफेंस फोर्सेस यानि सीडीएफ नाम की नई सैन्य संरचना का रास्ता खोलता है। यह नया सिस्टम पाकिस्तान की तीनों सेनाओं – थलसेना, नौसेना और वायुसेना को एक ही कमान के अधीन लाएगा, जिसका मुखिया होगा सिर्फ एक व्यक्ति- जनरल असीम मुनीर। अब आप समझ सकते हैं कि पाकिस्तान में बाकी सारे संवैधानिक पद दिखावे के होंगे, लेकिन चलेगी सिर्फ आसिम मुनीर की।इस संशोधन के बाद पाकिस्तान में चेयरमैन, जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमिटी की अब तक की सलाहकार वाली भूमिका पूरी तरह खत्म हो जाएगी। उसकी जगह सीडीएफ के पास सभी संयुक्त अभियानों, रणनीतिक योजनाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा संचालन पर सीधा अधिकार होगा, तो किसी और की जरूरत ही नहीं बचेगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह बदलाव पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था को पूरी तरह से केंद्रीकृत कर देगा, जिसमें अब प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति की राय की भी जरूरत नहीं होगी। राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि जनरल आसिम मुनीर की यह चाल पाकिस्तान की सत्ता व्यवस्था को एक व्यक्ति के अधीन कर देगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस संशोधन से सेना प्रमुख का कार्यकाल आजीवन हो जाएगा, यानि जब तक जनरल मुनीर जिंदा हैं, उन्हें हटाया नहीं जा सकेगा। कई जानकारों का यह भी मानना है कि इससे पाकिस्तान की नौसेना और वायुसेना के प्रमुखों की भूमिका लगभग समाप्त हो जाएगी और सेना प्रमुख एकछत्र शासन चला सकेंगे, बिना किसी रोकटोक के। कुल मिलाकर पाकिस्तान में अब तक का जो ढांचा है, वो तहस-नहस हो जाएगा और सत्ता सिर्फ एक शख्स के इर्द-गिर्द सिमटकर रह जाएगी। पाकिस्तानी रक्षा विश्लेषक बिलाल खान ने अपने ब्लॉग क्यूयूडब्ल्यूए में लिखा है कि यह नया पद किसी संस्थागत ढांचे पर नहीं, बल्कि एक व्यक्ति की इच्छा पर आधारित होगा। उनके मुताबिक अगर सीडीएफ का कोई स्थायी मुख्यालय या औपचारिक योजना तंत्र नहीं होगा, तो पूरा सिस्टम जनरल मुनीर की मनमर्जी से चलेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यह स्थिति पाकिस्तान की सैन्य संरचना में शक्ति-संतुलन के टूटने और आंतरिक असंतोष के बीज बो सकती है। इतना ही नहीं ये संशोधन न्यायपालिका पर भी अंकुश लगाता है और उसे सुप्रीम नहीं रहने देगा।शहबाज शरीफ की सरकार इस कदम को आधुनिक और समन्वित रक्षा व्यवस्था की दिशा में सुधार बता रही है। उनका कहना है कि अमेरिका, कनाडा और नाटो देशों की तरह अब पाकिस्तान की सेनाएं एकीकृत कमांड के तहत संगठित हो जाएंगी।

सीएम भजनलाल की घोषणा : सरकार की दूसरी वर्षगांठ पर 20 हजार करोड़ के विकास कार्यों का देंगे तोहफा

जयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा, सरकार की दूसरी वर्षगांठ पर आम जनता को तोहफा देंगे। सीएम भजनलाल शर्मा ने घोषणा की है कि राज्य सरकार अपने कार्यकाल की दूसरी वर्षगांठ पर दिसंबर में 20 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास करेगी। इन परियोजनाओं में पानी, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास और नगरीय आधारभूत संरचना से जुड़े कार्य शामिल होंगे। भजन लाल शर्मा ने 15 दिसंबर 2023 को राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

सीएम भजनलाल ने इन कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में उच्चतम गुणवत्ता के

मापदण्डों के साथ पूरा किया जाए। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक विकास योजना का लाभ सीधे जनता तक पहुंचे और इसका वास्तविक प्रभाव गांव, ढाणी, नगर और शहर के अंतिम व्यक्ति तक महसूस किया जा सके।

जनता से किए वादों को धरातल पर उतारना है मकसद

सीएम भजनलाल ने कहा कि विकास कार्य केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जनता के जीवन में सुधार के रूप में दिखाई देने चाहिए। राज्य सरकार का उद्देश्य जनता से किए गए वादों को धरातल पर उतारना है।

योजना में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं

सीएम भजनलाल ने कहा शिलान्यास किए जाने वाले कार्यों की टेंडर प्रक्रिया अग्रिम चरण में है ताकि परियोजनाओं के कार्य शीघ्र आरंभ हो सकें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी योजना में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

मील का पत्थर साबित होंगे सरकार के कार्य

राज्य सरकार के ये कार्य प्रदेश के समग्र विकास की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होंगे। इन कार्यों में जल जीवन मिशन, ग्रामीण सड़कों के विस्तार, ऊर्जा वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण, शैक्षणिक संस्थानों के उन्नयन, चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार और नगरीय विकास परियोजनाओं को मुख्य रूप से शामिल किया गया है।

राज्य का समग्र विकास सर्वोच्च प्राथमिकता

सीएम भजनलाल ने कहा, राज्य का समग्र विकास हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हर गांव, हर मोहल्ला और हर परिवार तक विकास की किरण पहुंचाने का हमारा संकल्प है। इन विकास कार्यों का शिलान्यास यह इंगित करता है कि राज्य सरकार के वादे केवल कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर तेजी से उतर रहे हैं।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद राजस्थान में बॉर्डर पर बढ़ाई पेट्रोलिंग
जयपुर समेत कई शहरों में हाई अलर्ट

दजयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके के बाद राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। जयपुर समेत जैसलमेर, श्रीगंगानगर, बीकानेर और बाड़मेर में पुलिस, खुफिया एजेंसियां और बीएसएफ ने चौकसी बढ़ा दी है।

जैसलमेर जिले के सभी थानों को संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, होटल, ढाबों और भीड़भाड़ वाले बाजारों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। शहर में प्रवेश करने वाले सभी मार्गों पर बैरिकेड्स लगाकर वाहनों की गहन जांच की जा रही है। यात्रियों और वाहन चालकों की पहचान सुनिश्चित की जा रही है।

सीमा क्षेत्रों में बीएसएफ और

पुलिस ने संयुक्त गश्त तेज कर दी है। सीमा चौकियों पर सतर्कता बढ़ाई गई है और दोनों बल संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रख रहे हैं। निगरानी तंत्र को भी और मजबूत किया गया है, ताकि किसी भी तरह की संदिग्ध हलचल पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

वहीं, बाड़मेर जिले में भी सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने शहर के विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया और सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की।

एसपी के निर्देश पर रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और बाजार क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया गया। यात्रियों के सामान और वाहनों की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि किसी भी आशंका को पहले ही टाला जा सके।

जयपुर में अलर्ट जारी होने के बाद रेलवे स्टेशन और सिंधी कैंप बस स्टैंड पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। रेलवे स्टेशन पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। वहीं, शहर के प्रमुख स्थानों पर वाहनों की सघन जांच की जा रही है। पुलिस ने होटलों, धर्मशालाओं और भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी जांच अभियान शुरू कर दिया है। जयपुर जिले की एंट्री पॉइंट्स पर नाकेबंदी कर हर वाहन और व्यक्ति की जांच की जा रही है ताकि कोई संदिग्ध शहर में प्रवेश न कर सके।

उधर, श्रीगंगानगर में सरहदी इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है। एसपी डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में पुलिस पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने सभी थानों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करें और सुरक्षा में कोई लापरवाही न हो।

आईएएस दंपती के बीच विवाद : पत्नी ने पति के खिलाफ प्रताड़ना व अन्य गंभीर आरोपों पर केस कराया

जयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य के वरिष्ठ आईएएस दंपती के बीच पारिवारिक विवाद सामने आया है। वित्त विभाग की संयुक्त सचिव भारती दीक्षित (2014 बैच, वर्तमान राजस्थान कैडर) ने अपने पति और सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के निदेशक आशीष मोदी के खिलाफ 7 नवंबर को एसएमएस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में दीक्षित ने पति पर शराब के नशे में धमकाने, अवैध संबंध रखने, तलाक के लिए दबाव बनाने, किडनैप करने और ब्लैकमेल करने जैसी गम्भीर धाराओं में आरोप लगाए हैं।

भारती दीक्षित की शिकायत के अनुसार शादी के समय आशीष मोदी ने अपने कैडर संबंधी जो जानकारी दी थी, वह वास्तविकता से मेल नहीं खाती थी। दीक्षित का कहना है कि आईएएस चयन के

समय उनके पिता कैंसर से पीड़ित थे और उस असहाय स्थिति का फायदा उठाकर मोदी ने उनसे शादी करवाई थी, ताकि उन्हें राजस्थान कैडर मिल सके। शादी के बाद ही कई बातों का सच पता चला और विवाद शुरू हो गया।

दीक्षित ने बताया कि शादी के बाद पति कई बार घर से लंबे समय तक गायब रहे और जब घर लौटते तो मारपीट व धमकियां शुरू कर देते। 2018 में आईवीएफ से बेटी के जन्म के बाद पति का व्यवहार और अधिक आक्रामक हो गया; वे कई बार गला दबाकर मारने तक का प्रयास करते रहे। भय के कारण दीक्षित छह महीने तक दिल्ली अपने माता-पिता के साथ रहीं और अंततः मैटरनिटी लीव खत्म होने के बाद भी पति के डर से परिवार के साथ ही रहीं।

शिकायत में एक घटना का जिक्र भी है जिसमें 2020 में जब आशीष की जैसलमेर पोस्टिंग थी, तब उनके साथ किसी अन्य महिला के दिखने और उसके बाद धमकाने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, दीक्षित ने बताया कि जैसलमेर व भीलवाड़ में भी पति की व्यभिचार जैसी गतिविधियों की खबरें स्थानीय मीडिया में आईं।

सबसे गंभीर आरोप 14 और 15 अक्टूबर की घटनाओं से जुड़ा है। भारती का कहना है कि 14 अक्टूबर को रात में पति ने तलाक देने की धमकी दी और अगले दिन 15 अक्टूबर की सुबह बेटी को स्कूल छोड़ने के बहाने सरकारी वाहन में बैठाकर अलग रास्ते पर ले जाया गया। वह आरोप लगाती हैं कि उन्हें कार से उतारकर पिस्तौल के दम पर करीब डेढ़ घंटे तक घुमाया गया, मोबाइल छीन लिया गया और धमकियां देकर तीन मंजिला मकान में बंद कर दिया गया।

शिकायत में कहा गया है कि उस समय घर में मौजूद लोगों से डराने-धमकाने वाले भी मौजूद थे और फोन पर पूछा गया कि कोई अस्पताल के कारण फोन उठा रहा है — ताकि बाहर किसी को सच्चाई न पता लगे।

दीक्षित ने पुलिस से सुरक्षा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पति ने कई मौकों पर उन्हें, उनके पिता और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। साथ ही आरोप है कि कमरे में स्पाई कैमरा और फोन को अन्य डिवाइस से जोड़कर ब्लैकमेल करने की कोशिश की गई।

आशीष मोदी राजस्थान सरकार के कई अहम विभागों में रहे हैं और उन्हें राज्य के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों में गिना जाता है। दोनों अधिकारी जयपुर में पदस्थ हैं और दोनों का कार्य-प्रवास अलग-अलग जिलों में भी रहा है।

दिनदहाड़े बीजेपी नेता पर फायरिंग
पीठ से आर-पार निकली गोली; इलाके में मचा हड़कंप

चित्तौड़गढ़, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में मंगलवार को दिनदहाड़े हुई एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया। भाजपा के पूर्व नगर मंत्री रमेश ईनाणी पर बाइक सवार हेलमेटधारी बदमाश ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमले में ईनाणी की पीठ और पैर में गोली लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली पीठ में लगकर आर-पार निकल गई।

घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के सिटी पेट्रोल पंप के पास हुई। घायल नेता को तुरंत जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए उदयपुर के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल उनका इलाज उदयपुर में जारी है।

रमेश ईनाणी 2019 से 2022 तक भाजपा में नगर मंत्री के पद पर रहे चुके हैं। इसके अलावा वे कूरियर का बिजनेस भी चलाते हैं। घटना के समय वे अपनी स्कूटी पर किसी काम से जा रहे थे। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि बदमाश हेलमेट पहने बाइक पर उनका पीछा कर रहा था। सिटी पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही बदमाश ने स्कूटी को ओवरटेक किया और अचानक फायरिंग शुरू कर दी। बदमाश ने कुल दो फायर किए। पहली गोली ईनाणी की पीठ में लगी, जो आर-पार हो गई, जबकि दूसरी गोली उनके पैर में धंस गई। गोली लगते ही ईनाणी स्कूटी से गिर पड़े। सीसीटीवी फुटेज में यह पूरा वाकया कैद हो गया है, जिसमें बदमाश फायरिंग कर तेजी से फरार होता दिख रहा है।

एसपी त्रिपाठी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। हमले के पीछे का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है। पुरानी रंजिश, बिजनेस विवाद या कोई अन्य कारण हो सकता है, इसकी गहन जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और तलाश जारी है।

मतदान शांतिपूर्ण संपन्न, शाम छह बजे तक 79.48% पड़े वोट

जयपुर/बारां, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव 2025 के लिए मंगलवार सुबह 7 बजे से मतदान जारी है। कुल 268 मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाता बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का उपयोग कर रहे हैं। शाम छह बजे तक 79.48% वोट पड़े हैं। शाम पांच बजे तक 77.17% मतदान दर्ज किया गया था, जबकि दोपहर 3 बजे तक 64.68 प्रतिशत मतदान हो गया था। ऐसे में अंतिम आंकड़े आने के बाद पता चल पाएगा कि पिछली बार की तरह इस बार भी रिकॉर्ड वोटिंग हुई या नहीं। मतदान केंद्रों पर महिलाओं, बुजुर्गों और पहली बार वोट डालने वाले युवाओं में खासा उत्साह देखा गया।

अंता उपचुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए जिला प्रशासन और निर्वाचन

त्रिकोणीय मुकाबले कौन मारेगा बाजी?

विभाग ने व्यापक तैयारी की है। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने बताया कि मतदान प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष रहे, इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर प्रत्येक मतदान केंद्र पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जबकि संवेदनशील और अति संवेदनशील बूथों पर सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) की मौजूदगी सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक बूथ पर मतदाताओं की सुविधा के लिए रैंप, पेयजल, छाया और व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। मतदान केंद्रों पर मोबाइल फोन जमा करने के लिए जूट बैग उपलब्ध कराए गए हैं और दो वॉलंटियर भी तैनात हैं, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

त्रिकोणीय मुकाबले में गरमाया चुनावी माहौल

अंता उपचुनाव इस बार एक त्रिकोणीय मुकाबला बन गया है। भाजपा ने मोरपाल सुमन को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने प्रमोद जैन भाया पर भरोसा जताया है। वहीं, निर्दलीय नरेश मीणा को आरएलपी और आम आदमी पार्टी का समर्थन प्राप्त है। तीनों उम्मीदवारों ने प्रचार के आखिरी दिन तक रोड शो, सभाएं और जनसंपर्क कर मतदाताओं को लुभाने की पूरी कोशिश की। मतदान से पहले भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन ने अपने गांव तिसाया पहुंचकर मंदिर में पूजा-अर्चना की और फिर मतदान केंद्र पर जाकर वोट डाला। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, सांसद दुष्यंत सिंह और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ जैसे नेताओं ने प्रचार संभाला। दूसरी ओर, कांग्रेस ने अशोक गहलोत, सचिन पायलट, गोविंद सिंह डोटासरा और टीकाराम जूली जैसे वरिष्ठ नेताओं को मैदान में उतारा।

मुख्य सचिव का क्यों हुआ अचानक ट्रांसफर?
13 महीने बाद होना था रिटायरमेंट

जयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बीती रात राजस्थान की नौकरशाही में भूचाल आ गया है। राज्य के मुख्य सचिव सुधांश पंत का अचानक दिल्ली ट्रांसफर हो गया है। 1991 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पंत को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति वर्तमान सचिव अमित यादव (1991 बैच, एजीएमयूटी कैडर) के रिटायरमेंट के बाद प्रभावी होगी।

सुधांश पंत ने राज्य के मुख्य सचिव का पद अपने रिटायरमेंट के 13 माह पहले ही छोड़ दिया, क्योंकि उनकी सेवानिवृत्ति फरवरी 2027 में निर्धारित है। इस फैसले ने प्रशासनिक हलकों में अटकलों का दौर शुरू कर दिया है- क्या यह केंद्र-राज्य समन्वय की मजबूती का संकेत है या फिर

राज्य सरकार के भीतर कुछ असंतोष का परिणाम?

दरअसल, सुधांश पंत ने 1 जनवरी 2024 को राजस्थान के मुख्य सचिव के रूप में पदभार संभाला था। पूर्व मुख्य सचिव उषा शर्मा के रिटायरमेंट के बाद केंद्र सरकार ने उन्हें दिल्ली से राजस्थान कैडर में वापस भेजा था। सुधांश पंत ने भजनलाल शर्मा सरकार के गठन के साथ नई टीम को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने वित्तीय स्थिरता, केंद्र-राज्य समन्वय और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर दिया। लेकिन इस ट्रांसफर के बाद राज्य में नई मुख्य सचिव की दौड़ तेज हो गई है।

ट्रांसफर के पीछे क्या कारण?

आधिकारिक तौर पर यह नियुक्ति सामाजिक न्याय मंत्रालय में रिक्त पद भरने के लिए बताई जा रही है। लेकिन गलियारों में फुसफुसाहट है कि पंत का दिल्ली लौटना उनकी केंद्र सरकार से निकटता का नतीजा है। पंत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी अफसर माना जाता है। वे पहले स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव रह चुके हैं, जहां कोविड प्रबंधन में उनकी भूमिका सराहनीय रही।

कहा जा रहा है कि सुधांशु पंत अपनी अनदेखी से काफी नाराज थे। ट्रांसफर और पोस्टिंग में उनके पसंदीदा अधिकारियों को जगह नहीं दी जा रही थी। उदाहरण के तौर पर, उनकी सिफारिश पर जहां अधिकारियों को तैनात करने की बात होती थी, वहां उन्हें नहीं लगाया जाता। हाल ही में डेपुटेशन पर आए एक आईपीएस अधिकारी को भी उनकी पसंद के मुताबिक पोस्टिंग नहीं मिली।

जानकारी के मुताबिक, ये भी कहा जा रहा है कि मुख्य सचिव सुधांशु पंत को दरकिनार कर विभागीय महत्वपूर्ण फाइलें सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय में तैनात IAS अधिकारी के पास भेजी जा रही थीं। जानकार बताते हैं कि सामान्यतः विभागीय फाइलें मुख्य सचिव के माध्यम से ही सीएमओ तक पहुंचती रही हैं।

वोटिंग के बीच साकली गांव ने किया मतदान का बहिष्कार

साकली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की अंता विधानसभा सीट पर चल रहे उपचुनाव में अधिकांश क्षेत्रों में शांतिपूर्ण मतदान जारी है, लेकिन साकली गांव के मतदान केंद्र संख्या 219 पर ग्रामीणों ने पूर्ण बहिष्कार कर दिया। गांव के 736 पंजीकृत मतदाताओं में से एक भी व्यक्ति वोट डालने नहीं पहुंचा। जिला प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार, सुबह 11 बजे तक पूरे विधानसभा क्षेत्र में करीब 28.74 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। ग्रामीणों की मुख्य मांगें श्मशान घाट तक सड़क निर्माण, खेतों तक जाने वाले रास्तों से अतिक्रमण हटाना, तालाब का सौंदर्यकरण एवं गहराई बढ़ाना तथा खेल मैदान की व्यवस्था हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मांगें पूरी होने तक मतदान नहीं करेंगे। उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन, कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया और निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा विभिन्न इलाकों में मतदान व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं।

तेज रफ्तार रोडवेज बस ने ली छात्रा की जान

जयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पृथ्वीराज मार्ग स्थित सेंट्रल पार्क गेट नंबर चार के पास दर्दनाक सड़क हादसे में एक कॉलेज छात्रा की मौत हो गई। तेज रफ्तार रोडवेज बस ने स्कूटी पर कैब राइड ले रही छात्रा को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह उछलकर सड़क पर गिर गई और सिर बस के पहिए के नीचे आ गया।

हादसे में आदर्श नगर, अशोक चौक निवासी 23 वर्षीय तनवी चांवरिया की मौके पर ही मौत हो गई। तनवी कनोडिया कॉलेज में एमए अंतिम वर्ष की छात्रा थी और सहपाठी के साथ सेंट्रल पार्क जाने के बाद घर लौट रही थी। टक्कर के बाद स्कूटी चालक वाहन लेकर भाग गया, जबकि बस चालक ने भी बस नहीं रोकी और उसे तेजी से भगा दिया।

गोविंद मार्ग स्थित बर्फखाना चौराहा के पास बस को सड़क किनारे खड़ा कर चालक बस की चाबी लेकर फरार हो गया। बस में यात्री मौजूद थे, लेकिन कोई भी चालक को पकड़ नहीं सका। राहगीरों ने लहूलुहान छात्रा को एसएमएस अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके बैग में मिली कॉलेज की रसीद और मोबाइल से उसकी पहचान हुई। दुर्घटना थाना दक्षिण पुलिस ने बताया कि बस अलवर डिपो की है। बस को सड़क से हटाने के लिए अलवर से दूसरे चालक को चाबी लेकर बुलाया गया, जिसके बाद देर रात बस हटाई जा सकी।

फंदे से लटकने की रील बनाई
वायरल होने से पहले ही पुलिस घर आ टपकी, सिखा दिया तगड़ा सबक

झुंझुनूं, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर फेमस होने का क्रेज अब सीधे हवालात तक पहुंचा रहा है। ताजा मामला राजस्थान में झुंझुनूं जिले के बगड़ थाना क्षेत्र से है, जहां 19 साल के युवक अमन सैनी ने पंखे से फांसी लगाने का सीन बनाकर इंस्टाग्राम पर रील अपलोड कर दी। इरादा था- रील वायरल होगी, व्यूज आएंगे, फॉलोअर्स बढ़ेंगे। लेकिन हुआ उल्टा ।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि रील अपलोड होते ही एटीएस और साइबर मॉनिटरिंग सिस्टम का अलर्ट बज गया। सूचना सीधे झुंझुनूं पुलिस तक पहुंची और संबधित पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। बगड़ थाना पुलिस ने इस्लामपुर वार्ड नंबर 4 में युवक के घर सीधी दबिश दी और उसे रील बनाने वाली उसी रस्सी के साथ गिरफ्तार कर लिया।थानाधिकारी सुभाषचन्द्र ने बताया कि युवक ने सुसाइड का नाटक करके सोशल मीडिया पर सनसनी फैलाने की कोशिश की थी। यह हरकत कानूनी रूप से गंभीर अपराध है। एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने स्पष्ट कहा- 'सुसाइड का प्रयास या उसका फर्जी वीडियो बनाना भी अपराध है। यह समाज में दहशत और गलत मैसेज फैलाता है।' पुलिस ने जब वजह पूछी तो अमन ने साफ कहा- 'रील्स वायरल करना चाहता था, फॉलोअर बढ़ाने थे, इसलिए किया।' इंस्टाग्राम और फेसबुक पर लाइक और व्यूज की चढ़ा ऐसा नशा कि जिंदगी और कानून दोनों का मजाक बन बैठा। बहरहाल, आज के युवाओं में रील-रील खेलते-खेलते मानसिकता ही रीलटाइम खतरे में बदल रही है।

सांगानेर में बनी कई कॉलोनियों पर चलेगा बुलडोजर
हाईकोर्ट ने कहा- अतिक्रमण ध्वस्त कर 4 हफ्ते में रिपोर्ट पेश करें

जयपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सांगानेर क्षेत्र में अवाप्तशुदा भूमि पर अतिक्रमण के मामले में जवाब पेश नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

साथ ही अंतिम मौका देते हुए आवासन मंडल और जयपुर विकास प्राधिकरण को चार सप्ताह में जवाब व पालना रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। अब नौ दिसंबर को सुनवाई होगी।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायाधीश बीएस संधू की खंडपीठ ने पब्लिक अगेंस्ट करप्शन संस्था की जनहित याचिका पर यह आदेश दिया। प्रार्थी पक्ष की ओर से अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी और डॉ. टीएन शर्मा ने कहा कि जेडीए व आवासन मंडल ने अभी तक अदालती आदेश की पालना नहीं की है।

ऐसे में जेडीए और आवासन मंडल को खाली भूखंडों पर कब्जा लेने के निर्देश दिए जाएं। कोर्ट ने सन्नी विकास समिति और श्रीराम कॉलोनी के प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई के दौरान समिति पदाधिकारियों के बारे में पूछा तो विकास समिति उसका जवाब नहीं दे पाई। कोर्ट ने कहा कि इंटर्वीनर के तौर पर संबंधित लोगों का पक्ष सुना जाएगा।

वहीं, राज्य सरकार और आवासन मंडल की ओर से कहा गया कि अवाप्त भूमि में से 92 प्रतिशत पर आवासन मंडल फ्लैट बना चुका है और करीब 882 बीघा भूमि पर बसी कॉलोनियों में लोग मकान बनाकर रह रहे हैं। करीब एक हजार बीघा से ज्यादा जमीन खाली है। इस पर कोर्ट ने कहा कि हमें सरकारी अवाप्तशुदा भूमि की चिंता है। सभी अतिक्रमण तुरंत हटाए जाएं। सरकारी पक्ष के आठ सप्ताह का समय मांगने पर कोर्ट ने नौ दिसंबर तक सुनवाई टालते हुए कहा कि अब समय नहीं दिया जाएगा।

अगस्त में दिया था अतिक्रमण हटाने का आदेश

हाईकोर्ट ने अगस्त में दिए गए अंतरिम आदेश में राज्य सरकार को आवासन मंडल की अवाप्तशुदा भूमि से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया था। साथ ही अवैध निर्माण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा था।

हम मछुआरों के विकास के लिए काम कर रहे हैं : वक्ति श्रीहरि

मत्स्य पालन विभाग को राज्य की अर्थव्यवस्था में सक्रिय बनाने की योजना

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मत्स्य पालन मंत्री वक्ति श्रीहरि ने कहा कि राज्य सरकार मछुआरों के विकास के लिए काम कर रही है।

मंगलवार को मत्स्य पालन मंत्री वक्ति श्रीहरि ने एचआईसीसी नोवाटेल में राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड द्वारा आयोजित विश्व जलीय कृषि भारत 2025 सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस सम्मेलन के अवसर पर, मंत्री की उपस्थिति में मत्स्य पालन विभाग पर रचित एक गीत का विमोचन किया गया। मुख्य रूप से, यह सम्मेलन मत्स्य पालन पर केंद्रित था, जिसमें मछुआरों के आर्थिक विकास पर मुख्य चर्चा होगी। इस अवसर पर लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया गया। बैठक में बोलते हुए, मंत्री वक्ति श्रीहरि ने कहा कि एक मछुआरा परिवार से होने के नाते इस कार्यक्रम में भाग लेने पर उन्हें गर्व है। उन्होंने इस अवसर पर याद दिलाया कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के बाद से, मत्स्य विभाग मुदिराज समुदाय के किसी व्यक्ति को नहीं दिया गया था, और पहली बार, कांग्रेस सरकार ने मुझे मंत्री बनने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि मत्स्य विभाग, जो अतीत में कमजोर हो गया था, का पुनर्गठन किया गया और पहली कैबिनेट में मत्स्य विभाग के लिए लगभग 123 करोड़ का बजट आवंटित किया गया, जिसमें मैंने मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। इसी तरह, उन्होंने कहा कि मछुआरों को 1 करोड़ 40 लाख रुपये का बीमा प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना न केवल गोदावरी और कृष्णा नदियों के बीच स्थित है, बल्कि जंजीर वाले टैंक भी एक बड़ा वरदान हैं। उन्होंने कहा कि ये जल संसाधन मत्स्य संपदा में बहुत योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि मत्स्य विभाग को राज्य की अर्थव्यवस्था में सक्रिय बनाने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लगभग 26,000 जलाशयों में फिश फ्राई वितरित की जा रही है। इनमें से 84 करोड़ फिश फ्राई और 10 करोड़ झींगा फ्राई जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पारदर्शिता के तौर पर, जलाशयों में अतिरिक्त कलेक्टर की देखरेख में, बड़े तालाबों में आरडीए की मौजूदगी में और छोटे तालाबों में एमआरओ की देखरेख में फिश फ्राई वितरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि तालाबों पर फिश फ्राई के वितरण की जानकारी देने वाले साइनबोर्ड लगाए जा रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे बिना किसी भेदभाव के सभी के सहयोग से राज्य में मत्स्य विभाग के विकास की दिशा में काम करेंगे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में बड़े पैमाने पर फिश फ्राई उत्पादन केंद्र स्थापित करने के लिए कदम उठाए जाएँगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे जल्द ही सीएम रेवंत रेड्डी से चर्चा करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि मछली को मिड-डे मील योजना में शामिल किया जाए। कार्यक्रम में परिषद के उपाध्यक्ष बंदा प्रकाश, तेलंगाना मत्स्य पालन निदेशक निखिला आईएएस, एनएफडीबी के सीईओ बेहरा, संयुक्त सचिव नीतू कुमारी, आईसीएआर के उप महानिदेशक जॉय कृष्णा, पीवीएनआर पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति ज्ञान प्रकाश, मत्स्य निगम के अध्यक्ष मेट्टू साईकुमार और अन्य ने भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सं. ईएलएस/बीजेडए-ईटीएन-14-2025-26 दि.7-11-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.28-11-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः बी/ई.221/टीआरएस/आरसी/557 ई-निविदा सं. ईएलएस/बीजेडए-ईटीएन-14-2025-26 दि.7-11-2025, कार्य विवरणः सीएबी की वेल्डेड उपरी एमएस शीट को हटाना तथा कैब एसी युनिट के प्रावधान हेतु ट्रो (टीआरओयुजीएच) का इंस्टाल्लेशन, इलेक्ट्रिक लोको शेड, विजयवाडा पर कैब एसी युनिट के फिटमेंट हेतु कैब प्रोफाइल सुटेबुल आवश्यक संशोधन करना। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, निविदा मूल्य रु.15,19,840.00, पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.30,400.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, निविदा बंद करने की तिथि व समयः दि.28-11-2025 के 15.00 बजे

प्रकाशित वेबसाइटःwww.ireps.gov.in के निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्तें/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य की जानकारी, उपरोक्त कार्य से जुडा तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मापदंड आदि उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (टीआरएस) इलेक्ट्रिक लोको शेड, विजयवाडा

निविदा संख्याः एम243-बोगी-20- दि.8-11-25

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/आरवायपीएस, दक्षिण मध्य रेलवे - द.म.रे., वैगन वर्कशाप, गुंटुपल्ली-521241 द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

कार्य विवरणः वैगन वर्कशाप, रायनपाडू, दक्षिण मध्य रेलवे -द.म.रे., परिसरों में कैसनब बोगियों की क्लीनींग स्ट्रीपिंग, कैसनब बोगियों की भारी मरम्मत, शाटब्लास्टिंग, स्क्रैपिंग, क्लीनींग व बोगी स्प्रींग्स की पेंटिंग तथा 24 महिनों की अवधि के लिए बोगी शाप में बीवीजेडआय ट्रालीयों की स्ट्रीपिंग व क्लीनींग कार्य। मात्राः निविदा दस्तावेज में विवरितानुसार, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, निविदा मूल्य रु. 5,07,68,252.80 (रु.पांच करोड सात लाख अडसठ हजार दो सौ बावन व अस्सी पैसे मात्र), पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.4,03,900.00 (रु. चार लाख तीन हजार नौ सौ मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, आफर वैधः खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकारः आयआरजीसीसी-2022 द्वारा अधिशासित कार्य निविदा, टेंडरिंग प्रणालीः खुली निविदा-एकल पैकेट, बोली बंद करने की तिथि व समयः दि.2-12-2025 के 15.00 बजे, निविदा दस्तावेज व शुध्दिपत्रः वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें, पत्राचार हेतु डाक का पताः चीफ वर्कशाप मैनेजर, वैगन वर्कशाप, गुंटुपल्ली-521241

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, वैगन वर्कशाप/गुंटुपल्ली

खुली ई-निविदा सूचना संख्या एन/इ.29/टीआरडी/ टेंडर/21/2025-26 दि.6-11-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः एन/इ.29/टीआरडी/टेंडर/21/2025-26, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः टीबीडी के बदलाव एवं प्रि एनआय/एनआय कार्यों के मध्देनजर अदिलाबाद यार्ड में मौजूदा बाण्डिंग प्लान का एडीशन्स या जोड तथा परिवर्तन करना। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, अनुमानित मूल्य रु.2610410.00, बोली सुरक्षा रु. 52,200.00, बंद करने की तिथि व समयः 27-11-2025 के 11.00 बजे

टिप्पणीः यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित रहता है तो निविदा को उसके अगले कार्य दिवस में खोला जायेगा।

विभागीय बिजली अभियंता/ टीआरडी/ नांदेड

निविदा सूचना संख्याः एलजीडी/ एल/13/2025-26-ओटी दि.10-11-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से डीवाय. सीईई/एलजीडीएस द्वारा निविदा संख्याः एलजीडी/एल/13/2025-26-ओटी-ई-टेंडर- तत्संबंधित बंद करने की तिथि 09-12-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों को इस बात की अनुमति है कि, इस निविदा की पूर्व धरोहर राशि-पूधरा (बोली सुरक्षा राशि) का भुगतान नकद रुप में या ई-पेमेंट गेटवे करें या भारत के किसी भी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से गारंटी बांड क रुप में प्रस्तुत करें या निविदा दस्तावेजों में विवरितानुसार करें। यह बैंक गारंटी बांड जो एनेक्सर-VIA नुसार होना चाहिए तथा यह बांड बोली वैधता अवधि से परे 60 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए। मूल बैंक गारंटी को, निविदा दस्तावेज में सूचित नुसार बोली प्रस्तुति की अंतिम तिथि (डेडलाइन) के 5 कार्य दिनों के भीतर, व्यक्तिगत रुप में नामित पदाधिकारी के सुपुर्द करना चाहिए। ई-टेंडरिंग पोर्टल (आईआरईपीएस) पर बिड सहित बी.जी. की स्कैन्ड कापी की अप्रस्तुति पर तथा/ निर्धारित अवधि के भीतर ओरिजिनल बी.जी. की अप्रस्तुति पर बिड या बोली को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

निविदा संख्याः एलजीडी/एल/13/2025-26-ओटी, कार्य विवरणः /दो वर्ष की अवधि हेतु सीडब्ल्यूएस/एलजीडी पर कन्वेन्शनल एसी कोच आरएमपीयुएस की पीओएच गतिविधियों हेतु विस्तृत रखरखाव ठेका। विज्ञापित मूल्य रु. 7,16,74,217.71 (रु.सात करोड सोलह लाख चौहत्तर हजार दो सो सत्रह व इकहत्तर पैसे मात्र), बोली सुरक्षा रु.508400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः लेटर आफ एक्सेप्टेन्स या स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से लेकर 24 महिने, बंद करने की तिथिः 09-12-2025 के 15.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य बिजली अभियंता, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा

बारह घंटे तक लगातार चला हरिनाम संकीर्तन

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीएई हाउसिंग कालोनी, सिकंदराबाद के हनुमान मंदिर पर उड़ीसा समाज के लोगों ने हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया। कार्यक्रम में सभी कॉलोनीवासी ,एनएफसी के कर्मचारियों ने भारी संख्या में भाग लिया और हरिनाम संकीर्तन को सफल बनाया गया । बारह घंटे चलने वाले हरि नाम संकीर्तन में ईसीआईएल की जय बजरंगबली कीर्तन मंडली और पठानचेरूवु के ओड़िया कीर्तन मंडली का ने अपना प्रदर्शन किए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रभाकर, प्रभु, गोपाल ,मनोरंजन, सुधांशु, भजन , जितेंद्र, प्रणय ,प्रमोद, पिंटू, सुब्रत, जेना, सुशांत, बिसंबर, सागर,राजीव , राजेंद्र, निरंजन , राकेश प्रदीप और देवाशीष आदि उपस्थित रहे।

स्वर्ण मंदिर में 14 से 19 नवम्बर तक ब्रह्मोत्सवम

छह दिवसीय धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियाँ पूरी

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हरे कृष्ण स्वर्ण मंदिर 14 से 19 नवम्बर तक आयोजित होने वाले अपने सातवें वार्षिक ब्रह्मोत्सवम समारोह के लिए पूरी तरह तैयार है। 2018 में उद्घाटन हुआ यह भव्य मंदिर प्राचीन स्वयंभू श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी और श्री श्री राधा गोविंदा सहित कई देवताओं का निवास स्थल है।

ब्रह्मोत्सवम मंदिर के देवताओं की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला एक पवित्र उत्सव है, जिसकी परंपरा भगवान ब्रह्मा द्वारा भगवान नारायण की पूजा से जुड़ी है। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए स्वर्ण मंदिर में विस्तृत धार्मिक अनुष्ठानों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

उत्सव की शुरुआत 14 नवम्बर को श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मूलवर और उत्सव अभिषेकम से होगी, जिसके बाद वैनाथेय प्रतिष्ठा और अंकुरार्पण संपन्न होगा। 15 नवम्बर को द्वाज आरोहणम और उंजला सेवा, 16 नवम्बर को महा सुदर्शन होम, हनुमद वाहनम और श्री राधा गोविंद झूलन उत्सव आयोजित होंगे।

17 नवम्बर को छप्पन भोग और श्री भू समिता नरसिम्हा स्वामी कल्याणोत्सव, 18 नवम्बर को गरुड़ वाहनम और झूलन उत्सव, जबकि 19 नवम्बर को महा पूर्णाहुति, चक्र स्नानम और भव्य 108 कलश महा चूर्णाभिषेकम् के साथ समारोह का समापन होगा। छह दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में मंदिर विशेष अलंकरण, पुष्प सजावट, पारंपरिक परिधान और भक्तिमय हरिनाम संकीर्तन से जगमगाएगा।

निविदा सूचना संख्या 107_डीआरएम_डब्ल्यू एचवायबी 25 दि.07-11-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरेमेंट के माध्यम से दि.03-12-2025 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या 107_डीआरएम_डब्ल्यू एचवायबी_25, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः एससी-एमयुइ सेक्शनः ए) पीएफ नं. 1 पर 25 मी. लंबाई हेतु एनजेडबी पर सीओपी का प्रावधान तथा पीएफ नं.2/3 के 160 मी. पर तत्संबंधित का प्रावधान। बी) पीएफ नं. 1 पर 300 मी. लंबाई हेतु केएमसी कार्य तथा पीएफ नं.2/3 के 200 मी. पर तत्संबंधित कार्य। सी) पीएफ नं.1 पर 210 मी. लंबाई हेतु तथा पीएफ नं.2 पर 160 मी. लंबाई हेतु बीएसएक्स कार्य। अनुमानित मूल्य रु.16,86,18,809.00, पूधरा रु.9,93,100.00

A1782 सीनि. डीइएन/को-आर्ड./हैदराबाद

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

ड्रोन से हुई जुबली हिल्स उपचुनाव की निगरानी

पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने आईसीसीसी से की समीक्षा

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने मंगलवार को बंजारा हिल्स स्थित एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) से जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान मतदान प्रक्रिया की समीक्षा की। ड्रोन तकनीक का उपयोग करते हुए उन्होंने विभिन्न मतदान केंद्रों की वास्तविक समय में निगरानी की। यह देश का पहला चुनाव था, जिसमें मतदान प्रक्रिया पर नज़र रखने के लिए ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल किया गया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत इस उद्देश्य के लिए 150 ड्रोन कैमरे लगाए गए थे।

आयुक्त सज्जनार ने बताया कि पूरे निर्वाचन क्षेत्र में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो रहा है और मतदाताओं को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष वातावरण में मतदान का अवसर सुनिश्चित करने के लिए सख्त सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि आईसीसीसी के माध्यम से करीब 900 निगरानी कैमरों से भी हालात पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने जुबली हिल्स के मतदाताओं से अपील की कि वे आगे आकर शांतिपूर्ण और जिम्मेदारीपूर्वक मतदान करें।

त्योहारी भीड़ को देखते हुए एससीआर चलाएगा विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की भीड़ को कम करने के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, नरसापुर-सिकंदराबाद विशेष ट्रेन (07455) 12 नवम्बर को और अनकापल्ली-सिकंदराबाद विशेष ट्रेन (07179) 15 नवम्बर को चलेगी। एससीआर ने यात्रियों से अपील की है कि वे भीड़भाड़ से बचने के लिए इन विशेष ट्रेनों की सेवाओं का लाभ उठाएं।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप

बीआरएस ने कार्रवाई की माँग की, चुनाव आयोग ने दर्ज कराई तीन एफआईआर

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने मंगलवार को जुबली हिल्स उपचुनाव में मतदान के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की माँग की। बीआरएस का कहना है कि भट्टी विक्रमार्क का मतदान क्षेत्र का दौरा लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अपमान है और उन्होंने मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया।

बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री और अन्य कांग्रेस नेताओं ने मतदाताओं को नकद का लालच देकर चुनाव नियमों का खुला उल्लंघन किया। उनका कहना है कि जब कुछ मतदाताओं ने इन अनियमितताओं का विरोध किया तो कांग्रेस समर्थकों ने उन पर हमला कर दिया, जबकि पुलिस और चुनाव अधिकारी मूकदर्शक बने रहे।

पार्टी ने इन घटनाओं को लोकतांत्रिक प्रणाली के लिए खतरा बताते हुए कहा कि इस तरह के आचरण से जनता का चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा कमजोर होता है। बीआरएस का एक प्रतिनिधिमंडल बीआरके भवन में मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) से मिला और सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा किए जा रहे आचार संहिता उल्लंघन तथा बीआरएस कार्यकर्ताओं पर हमलों के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

पूर्व विधायक बोल्लम मल्लैया यादव ने आरोप लगाया कि पुलिस कांग्रेस के एजेंट की तरह काम कर रही है और शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को हार का डर सता रहा है, इसलिए वे मतदाताओं को धमकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता उन्हें वोट से जवाब देगी। उन्होंने बताया कि बीआरएस ने अब तक 60 से अधिक शिकायतें चुनाव आयोग में दर्ज कराई हैं, जिनमें बीरला इलैया, रामचंद्र नाइक, शंकर नाइक और गुथा अमित रेड्डी जैसे नेताओं के खिलाफ साक्ष्य मौजूद हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने बताया कि निर्वाचन क्षेत्र में गैर-स्थानीय नेताओं की मौजूदगी को गंभीरता से लिया गया है और उनके खिलाफ तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि मॉक पोलिंग के दौरान तकनीकी खराबी आने पर नौ मतदान केंद्रों पर ईवीएम बदले गए और संवेदनशील इलाकों में अर्धसैनिक बल तैनात किए गए। सीईओ के अनुसार, सुबह 11 बजे तक 20.76 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया और मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही।

रायदुर्गम की ज़मीन ने रिकॉर्ड 3.4 लाख रुपए प्रति वर्ग गज की कमाई की

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) ने हैदराबाद नॉलेज सिटी के केंद्र, रायदुर्ग में रणनीतिक रूप से विकसित लगभग एक एकड़ ज़मीन की नीलामी सफलतापूर्वक पूरी कर ली है, जिससे उसे 3,40,000 रुपए प्रति वर्ग गज का महत्वपूर्ण विक्रय मूल्य प्राप्त हुआ है। 3.40 लाख रुपए प्रति वर्ग गज की यह ऐतिहासिक कीमत, प्रति वर्ग गज आधार पर आयोजित पिछली नीलामी के रिकॉर्ड को तोड़ देती है, जो 2017 में स्थापित किया गया था (88,000 रुपए प्रति वर्ग गज)। यह सफल नीलामी हैदराबाद की एक शीर्ष-स्तरीय निवेश गंतव्य के रूप में प्रतिष्ठा को पुष्ट करती है, जहाँ सीमित, उच्च-गुणवत्ता वाली इन्वेंट्री तेलंगाना सरकार के लिए अपार मूल्य प्राप्ति को आकर्षित करती है। टीजीआईआईसी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, के. शशांक ने टिप्पणी की कि इन नीलामियों का लगातार उच्च प्रदर्शन, विशेष रूप से बुटीक बहुउद्देशीय विकास के लिए उपयुक्त भूखंडों के लिए, हैदराबाद आर्थिक विकास की असाधारण गहराई और परिपक्वता को दर्शाता है। शहर के सबसे लचीले और उच्च-लाभ वाले व्यावसायिक गलियारे में प्रमुख इन्वेंट्री हासिल करने के लिए डेवलपर्स रणनीतिक रूप से उच्च-गुणवत्ता वाले निवेश कर रहे हैं। इस नीलामी की ऐतिहासिक सफलता मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू के पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल तेलंगाना के निर्माण के परिवर्तनकारी दृष्टिकोण का प्रमाण है। रायदुर्ग का यह ऐतिहासिक सौदा भारत के प्रमुख निवेश केंद्र के रूप में हैदराबाद के प्रभुत्व को और मजबूत करता है, जिससे अभूतपूर्व विश्वास और पूंजी आकर्षित होती है।

19 नवम्बर को होगा जियोमैप क्विज़ 2025

स्कूली बच्चों में मानचित्र और जीआईएस जागरूकता बढ़ाने का उद्देश्य

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जियोमैप सोसाइटी 19 नवम्बर को जियोमैप क्विज़ 2025 का आयोजन करने जा रही है। यह वार्षिक प्रतियोगिता स्कूली बच्चों में मानचित्र और भू-स्थानिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है।

1992 में शुरू हुई इस क्विज़ में अब तक दो लाख से अधिक छात्र भाग ले चुके हैं। इस वर्ष का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय जीआईएस सप्ताह के अवसर पर किया जा रहा है, जिसमें 19 नवम्बर को विश्व स्तर पर जीआईएस दिवस मनाया जाएगा। क्विज़ दो चरणों में होगी - प्रारंभिक चरण संबंधित स्कूलों में और अंतिम चरण बाहरी स्थान पर आयोजित किया जाएगा। प्रश्नों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग और एनआरएससी के मानचित्रण विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया है ताकि प्रतियोगिता का स्तर और प्रासंगिकता बनी रहे। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में स्थानिक सोच विकसित करना है, जो इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य, कृषि, पुलिस, बुनियादी ढांचे और पर्यावरण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से उपयोगी होती जा रही है।

सिंगरेनी में सरलीकृत चिकित्सा उपस्थिति दिशानिर्देश जल्द : बलराम

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन. बलराम ने कहा कि पिछले वर्षों के विपरीत, इस वर्ष मान्यता प्राप्त एवं प्रतिनिधि कर्मचारी संघों और अधिकारी संघों के साथ बैठक शांतिपूर्ण और रचनात्मक तरीके से हुई, जिसमें गरिमापूर्ण सुझाव और चर्चाएँ हुईं। उन्होंने आश्वासन दिया कि यूनियनों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया और उनका सकारात्मक समाधान किया जाएगा।

मंगलवार को सिंगरेणी भवन में आयोजित संयुक्त सलाहकार समिति की बैठक में बोलते हुए, बलराम ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यूनियन की सिफारिशों के अनुसार चिकित्सा उपस्थिति नियमों को सरल बनाया जाएगा और कर्मचारियों एवं अधिकारियों की देय पदोन्नति बिना किसी देरी के की जाएगी। जिन मामलों में आरोप पत्र जारी किए गए हैं, उनकी जाँच निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी की जाएगी। बैठक में, मान्यता प्राप्त श्रमिक संघ सिंगरेणी कोलियरीज वर्कर्स यूनियन के वासीरेड्डी सीतारामैया और महासचिव राज कुमार, इंटक के महासचिव और राज्य न्यूनतम वेतन सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष जनक प्रसाद और अधिकारी संघ के अध्यक्ष लक्ष्मीपति गौड़ सहित यूनियन नेताओं ने कई मुद्दे उठाए, जिनका अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बलराम ने स्पष्टता और प्रतिबद्धता के साथ जवाब दिया। उन्होंने कंपनी की भविष्य की योजनाओं और विकास रणनीतियों को उत्साहपूर्वक रेखांकित किया। बलराम ने स्वीकार किया कि कंपनी ने पिछली कोयला ब्लॉक नीलामी में अवसर गँवा दिए, लेकिन विश्वास व्यक्त किया कि सिंगरेणी आगामी 100 से अधिक कोयला ब्लॉकों की नीलामी में भाग लेगी और कम से कम 10 लाभदायक ब्लॉक हासिल करेगी। बलराम ने सिंगरेणी को 10 करोड़ टन कोयला उत्पादन करने वाली कंपनी में बदलने के लक्ष्य पर ज़ोर दिया और श्रमिक संघों से पूर्ण सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कार्य संस्कृति में सुधार के महत्व पर ज़ोर दिया और कहा कि कंपनी का अस्तित्व श्रमिकों और अधिकारियों दोनों द्वारा पूरे आठ घंटे की शिफ्ट के इष्टतम उपयोग पर निर्भर करता है। उन्होंने बताया कि कोयला बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने और ग्राहकों को बनाए रखने के लिए, सिंगरेणीने हाल ही में कोयले की कीमतों में न्यूनतम 1,000 रुपअ की कमी की है और गुणवत्ता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने दुर्घटना रोकथाम के लिए कड़े प्रयासों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और यूनियनों से सक्रिय रूप से योगदान देने और श्रमिकों के बीच जागरूकता बढ़ाने का आग्रह किया। बलराम ने घोषणा की कि सिंगरेणी भारत के 10 राज्यों में अपने परिचालन का विस्तार कर रही है और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में चिली, अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया सहित पाँच देशों में उद्यम स्थापित करने की योजना बना रही है।

जुबली हिल्स उपचुनाव में अनियमितताओं के आरोप

बीआरएस एमएलसी ने फर्जी मतदान का लगाया आरोप

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव में मंगलवार को गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगे, विशेषकर शेखपेट डिवीजन के डायमंड हिल्स कॉलोनी स्थित अल फलाह स्कूल मतदान केंद्र पर। धांधली की खबरों के बाद बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने मतदान केंद्र का निरीक्षण किया और आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता दूसरे इलाकों से बुर्का पहने महिलाओं को लाकर फर्जी मतदान करा रहे हैं। उन्होंने मतदान अधिकारियों द्वारा बिना पहचान पत्र के लोगों को मतदान की अनुमति देने पर आपत्ति जताई और कहा कि यह चुनाव प्रक्रिया का खुला उल्लंघन है। श्रवण ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग, पुलिस और सरकार कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए मिलीभगत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह लोकतांत्रिक चुनाव नहीं बल्कि उसका मज़ाक है।

बीआरएस नेताओं ने भी दावा किया कि बूथ संख्या 66 और 67 पर पुलिस अधिकारियों ने अनियमितताओं को नजरअंदाज किया और पार्टी एजेंटों की शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने चुनाव अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रारूप 10-1
सार्वजनिक अधिसूचना

इसके द्वारा अधोलिखित खंड के तहत पूर्ण खंड पर स्थित सभी रेलवे लाइनों के उपयोगकर्ताओं एवं परिसरों हेतु सूचना दी जाती है किः

सेक्शनः सिकंदराबादः काझीपेट-विजयवाडा सेक्शन के बीच विद्युतीकरण सहित नई बीजी तीसरी लाइन का निर्माण कार्य-यात्रियों की ढुलाई हेतु किमी. 463.25% से किमी.482.850 तक, डोर्नकल जंक्शन (बायपास) (डीकेजे) तथा खम्मम (केएमटी) स्टेशनों के बीच विद्युतीकरण सहित नई बीजी तीसरी लाइन के प्रारंभ के बारे में।

विद्युतीकरण सहित नई बीजी तीसरी लाइनः दक्षिण मध्य रेलवे के डोर्नकल जंक्शन (बायपास) (डीकेजे) तथा खम्मम (केएमटी) स्टेशनों के 463/सी3 (किमी/सीएचः463/108.90) से 483/सी5 (किमी./सीएचः 483/209.50) तक डोर्नकल जंक्शन (बायपास) (डीकेजे) तथा खम्मम (केएमटी) के बीच विद्युतीकरण सहित नई बीजी तीसरी लाइन के बारे में, यह घोषणा की जाती है कि, दि.16-11-2025 को या इसके पश्चात् 25000 वोल्ट्स, 50एचजेड, एसी ओवरहेड ट्रैक्शन वायरों को उर्जावान (एनर्जाइज) किया जायेगा। तत्संबंधित उपरोक्त तिथि पर या वही तिथि के सभी समय पर ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को सक्रिय माना जायेगा एवं उपरोक्त ओवरहेड लाइन के परिसर में कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न जा सकेगा या कोई कार्य ही कर सकेगा।

प्रारूप 10-2
(एसीटीएम पैरा 21020, वाल्यूम।।, पार्ट।, सुधार पर्ची सं.32, दि.09-10-2020)
एसी 25केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ
सडक इस्तेमाल करनेवालों को चेतावनी

अधोलिखित खंड के 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में यह सार्वजनिक अधिसूचना दी जाती है किः

सेक्शनः सिकंदराबादः काझीपेट-विजयवाडा सेक्शन के बीच विद्युतीकरण सहित नई बीजी तीसरी लाइन का निर्माण कार्य-यात्रियों की ढुलाई हेतु किमी. 463.257 से किमी.482.850 तक, डोर्नकल जंक्शन (बायपास) (डीकेजे) तथा खम्मम (केएमटी) स्टेशनों के बीच विद्युतीकरण सहित नई बीजी तीसरी लाइन के प्रारंभ के बारे में।

****

दक्षिण मध्य रेलवे के डोर्नकल जंक्शन (बायपास) (डीकेजे) तथा खम्मम (केएमटी) स्टेशनों के 463/सी3 (किमी/सीएचः463/108.90) से 483/सी5 (किमी./सीएचः 483/209.50) तक डोर्नकल जंक्शन (बायपास) (डीकेजे) तथा खम्मम (केएमटी) के बीच विद्युतीकरण सहित नई बीजी तीसरी लाइन के बारे में, यह घोषणा की जाती है कि, अत्यधिक उंचाई के भार के संपर्क में आने से रोकने या सक्रिय ट्रैक्शन वायर के खतरनाक परिसर के संपर्क में आने से रोकने हेतु सडक स्तर के उपर अधिकतम स्पष्ट 4.78एम सहित सभी लेवल क्रासिंग्स पर हाइट गेजेस लगाए गये हैं।

इसके द्वारा आम जनता को अधिसूचित किया जाता है कि, वाहनों में भार के लदान के समय उपरोक्त निर्धारित उंचाई पर ध्यान दें तथा यह भी अवश्य ध्यान ऱखें कि, सडक वाहनों में लदान किये गये भार, किसी भी परिस्थिति में तत्संबंधित हाइट गेजेस का उल्लंघन कतई न करते हों। अत्यधिक उंचाई के भार के खतरों को नीचे दिया गया हैः

।) हाइट गेज को खतरा तथा रेलवे लाइन के साथ साथ सडक पर अवरोध।
।।) वाहन में लदान किये गये मटेरियल्स या तत्संबंधित वाहन को खतरा।
।।।) अग्नि का खतरा तथा कंडक्टर्स के संपर्क में आने से खतरनाक परिसर के संपर्क सहित जिंदगी का जोखीम।

A1807 उप मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण/विजयवाडा

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-Central-WAT-41-2025 दिनांक: 07.11.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के केके-I लाइन पर सहायक मण्डल अभियन्ता/अरकु के अधीन चिमिडि पाल्लि - बोर्रा गुहलु के बीच तार रस्सी जाल, रॉक फॉल बैरियर, गैबियन, रिटेनिंग वॉल आदि द्वारा कटिंग में साइड ढलानों की सुरक्षा का संतुलन कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 5,61,24,110.80, EMD : ₹ 4,30,600.00

(2) सूचना सं.: eT-Central-WAT-42-2025 दिनांक: 08.11.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के केके-I लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/अरकु के अधिकार क्षेत्र के अधीन थ्रू बैलस्ट रिकंडिशनमेन्ट टीबीआर-25.844 ट्रैक किमी (बीसीएम-8.392 ट्रैक किमी और मैनुअल-17.452 ट्रैक किमी) का निष्पादन।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 2,38,85,474.34, EMD : ₹ 2,69,400.00

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (दोनों क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 02.12.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने को कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-789/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

रणजी ट्रॉफी इतिहास में हुआ सबसे बड़ा उलटफेर

65 साल में पहली बार जीता जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी इतिहास का सबसे बड़ा उलटफेर देखने को मिला है. 7 बार की रणजी ट्रॉफी विजेता दिल्ली को जम्मू कश्मीर के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा. सात विकेट से जम्मू कश्मीर ने जीत अपने नाम कर ली और वो इतिहास में पहली बार दिल्ली को हराने में सफल हुए. 65 साल पहले जम्मू कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी खेलना शुरू किया था और अब उन्होंने सालों का सूखा खत्म किया. आकिब नबी अपनी गेंदबाजी के दम पर टीम को जीत दिलाने में सफल हुए.

जम्मू कश्मीर ने दिल्ली को हराया

रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन में दिल्ली और जम्मू कश्मीर के बीच 8 तारीख को मैच शुरू हुआ. दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी की और 211 रन पर ऑलआउट हो गए. कप्तान आयुष बडोनी ने 64, आयुष सुमित दोसेजा ने 65 और सुमित माथुर ने 55 रन बनाए. जम्मू कश्मीर के गेंदबाज आकिब नबी ने 16 ओवरों में 5 विकेट झटके. वंशराज शर्मा और आबिद मुस्ताक ने दो-दो विकेट अपने नाम किए. जम्मू कश्मीर ने जवाब में अपनी पहली पारी में 310 रन बनाए. कप्तान पारस डोंगरा ने 106 और अब्दुल समद ने 85 रन की तगड़ी पारी खेली.

दिल्ली को बड़ी लीड को पीछे छोड़ना था और टारगेट सेट करना था. दिल्ली की शुरुआत अच्छी हुई. आयुष बडोनी ने 72, आयुष सुमित दोसेजा ने 65 रन बनाए. हालांकि, जम्मू कश्मीर के वंशराज शर्मा ने 6 विकेट झटकते हुए दिल्ली का काम तमाम कर दिया और उन्हें 277 रन पर रोक दिया. जम्मू कश्मीर को जीत के लिए 179 रनों की जरूरत थी. सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल ने 147 गेंदों का सामना करके 133 रन बनाए. उन्हें किसी बल्लेबाज का साथ नहीं मिला लेकिन 179 रनों का लक्ष्य चेज करने के लिए वो काफी थे. जम्मू कश्मीर ने 7 विकेट रहते जीत दर्ज की.

65 साल में पहली बार जीता जम्मू कश्मीर

जम्मू कश्मीर अपने 65 साल के रणजी इतिहास में पहली बार दिल्ली को हराया. उनके बीच सालों से मैच हो रहे हैं लेकिन हर बार दिल्ली का पलड़ा भारी रहा था. अब जाकर जम्मू कश्मीर की किस्मत खुली है.

कप्तान पारस डोंगरा, कामरान इकबाल और आकिब नबी के प्रदर्शन ने फैंस का दिल जीता. ओपीएल ऑक्शन से पहले उनका अच्छी फॉर्म में नजर आना बड़ी बात है. उन्हें इस प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह मिल सकती है.

भारतीय टीम को लगा बड़ा झटका

मैच विनर खिलाड़ी हुआ वनडे सीरीज से बाहर!

मुंबई, 11 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद टीम इंडिया घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है. जिसका पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में खेला जाएगा. इस वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है. टीम इंडिया का मैच विनर खिलाड़ी वनडे सीरीज से बाहर हो सकता है. फॉर्म में चल रहे इस खिलाड़ी के बाहर होने से भारत का बड़ा झटका लगा है.

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद टीम इंडिया 3 मैचों की वनडे सीरीज भी खेलने वाली है. वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया को बहुत बड़ा झटका लगा है. मैच विनर खिलाड़ी श्रेयस अय्यर इस सीरीज से बाहर हो सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान चोटिल होने के बाद अय्यर लंबे समय तक हॉस्पिटल में रहे थे. जिसके कारण उन्हें इंजरी से उबरने में लंबा समय लग सकता है. उम्मीद जताई जा रही है कि अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से कमबैक कर सकते हैं.

श्रेयस अय्यर हो सकते हैं वनडे सीरीज से बाहर

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार इंजरी के कारण श्रेयस अय्यर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो सकते हैं. अय्यर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के तीसरे वनडे के दौरान एक कैच पकड़ते हुए चोटिल हुए थे. जिसके बाद उन्हें लंबे समय तक अस्पताल में भी रहना पड़ा था. सिडनी के अस्पताल से अय्यर बाहर आ चुके हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह से फिट होने में अभी और समय लग सकता है. अय्यर जनवरी में होने वाले 3 मैचों की वनडे सीरीज से दोबारा ब्लू जर्सी में वापसी कर सकते हैं. अय्यर का दबदबा टीम इंडिया के मध्यक्रम में दिखाई देता है. ऐसे में उनकी कमी टीम इंडिया को खलने वाली है.

रोहित-विराट पर बढ़ जाएगी जिम्मेदारी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान भारतीय टीम के सुपरस्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली पर जिम्मेदारी बढ़ने वाली है. अय्यर की गैरमौजूदगी में दोनों दिग्गजों को ज्यादा जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी करनी होगी. नंबर 4 पर ऋषभ पंत को बल्लेबाजी करने का मौका मिल सकता है. पंत लंबे समय से वनडे टीम से बाहर हैं.

एक्सीडेंट के बाद से पंत ने बहुत ही कम वनडे मैच खेले हैं. ऐसे में पंत के पास भी दोबारा वनडे टीम में खुद को साबित करने का मौका है. पंत फिलहाल सिर्फ टेस्ट फॉर्मेट में ही खेलते हुए नजर आते हैं.

सम्राट 10 मीटर एयर पिस्टल में विश्व चैंपियन

मनु-ईशा पदक से चूकीं, तालिका में पांचवें स्थान पर भारत

काहिरा, 11 नवंबर (एजेंसियां)। युवा भारतीय निशानेबाज सम्राट राणा ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। करनाल के सम्राट ने फाइनल में 243.7 अंक हासिल कर चीन के हू काई को पछाड़ा। काई ने 243.3 अंक हासिल कर रजत पदक जीता।

उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले भारत के वरुण तोमर ने 221.7 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। इस बेहद रोमांचक फाइनल में तीनों निशानेबाजों का स्थान लगातार ऊपर-नीचे होता रहा।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और कई एशियाई खेलों की पदक विजेता ईशा सिंह सोमवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पदक जीतने से चूक गयी।

पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम कांस्य पदक विजेता मनु का फाइनल में प्रदर्शन अच्छा चल रहा था लेकिन 14वें निशाने में 8.8 का खराब स्कोर करने के कारण वह शीर्ष स्थान से फिसलकर सातवें स्थान पर आ गईं और 139.5 अंक के साथ पदक की दौड़ से बाहर हो गयी।

हाल ही में चीन के निंगबो में विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने वाली ईशा भी दबाव में धैर्य नहीं दिखा सकी। 20 वर्षीय यह निशानेबाज आठ निशानेबाजों के फाइनल में 10.7 के शानदार प्रदर्शन के बाद 14वें निशाने में 8.4 अंक ही बना पाईं और छठे स्थान पर रहीं।

चीन की 20 वर्षीय याओ कियानक्सुन ने 243.0 अंक हासिल करके अपने करियर का सबसे बड़ा पदक जीता, जबकि हांगकांग-चीन की हो चिंग शिंग (241.2) और वेई कियान (चीन, 221.4) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।

भारत को टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतकर थोड़ी सांत्वना मिली जिसमें ईशा (583), मनु (580) और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सुरुचि इंदर सिंह (577) ने 1740 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया।

भारतीय रिकर्व पुरुष और कंपाउंड महिला तीरंदाजों का कमाल, एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में

ढाका, 11 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिकर्व तीरंदाज एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में पदक के लंबे सूखे को खत्म करने की दहलीज पर हैं जिन्होंने सोमवार को सेमीफाइनल में कड़े मुकाबले में जीत के बाद स्वर्ण पदक के मुकाबले में जगह बनाई जहां उनका सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

गत चैंपियन कंपाउंड महिला टीम भी लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंच गई है जिससे भारत ने इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में दो पदक पक्के कर लिए हैं। यशदीप भोगे, अतनु दास और राहुल की पुरुष रिकर्व तिकड़ी ने काजाखस्तान को बेहद कड़े मुकाबले में 5-3 से हरा दिया।

भारतीयों ने पहला सेट 54-52 से जीतकर अपने प्रतिद्वंद्वियों पर दो अंक की बढ़त बनाई। इलफत अब्दुलिन, दास्तान करीमोव और एलेक्जेंडर येरेमेन्को की कजाखस्तान की तिकड़ी ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी की और चार 10 अंक बनाकर 58-58 से बराबरी कर ली। तीसरे सेट में भारतीय खिलाड़ी दबाव में दिखे। भारत ने एक निशाना आठ अंक पर लगाया जिससे कजाखस्तान ने 56-54 से सेट जीतकर स्कोर 3-3 कर दिया। हालांकि भोगे और उनके साथियों ने दबाव में बेहतरीन संयम दिखाया। चौथे सेट में भारत ने 57 अंक जुटाए जबकि कजाखस्तान की टीम 52 अंक ही जुटा सकी जिससे भारत ने 5-3 की जीत से फाइनल में जगह पक्की कर ली। फाइनल में भारत का सामना दक्षिण कोरिया की मजबूत टीम से होगा जिसने उज्बेकिस्तान को 6-2 से हराया।

गेंदबाजों ने बढ़ाई गिल-गंभीर की टेंशन

ऐसा ही रहा हाल तो खत्म हो जाएगी 15 साल की बादशाहत

मुंबई, 11 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में 14 नवंबर से खेला जाएगा. इस मुकाबले से पहले भारतीय गेंदबाजों ने टीम की टेंशन बढ़ा दी है, जो हाल ही में साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ पूरी तरह फ्लॉप साबित हुए.

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 14 नवंबर से 2 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है. सीरीज का पहला मैच 14 नवंबर से 18 नवंबर के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा. शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया की नजर अपने घर पर एक और टेस्ट सीरीज जीतने पर रहेगी. लेकिन इस सीरीज के लिए चुने गए गेंदबाजों ने कप्तान गिल और हेड कोच गौतम गंभीर की टेंशन बढ़ा दी है, इसकी वजह गेंदबाजों का खराब प्रदर्शन है. जिसके चलते इंडिया ए को हाल ही में साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा.

भारतीय गेंदबाजी का बुरा हाल

साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जाने वाली इस सीरीज के लिए टीम इंडिया के स्क्वॉड में गेंदबाजों के तौर पर आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को चुना गया है.

ये चारों ही गेंदबाजी बड़ी से बड़ी टीम की बल्लेबाजी को धराशायी करने के लिए पहचाने जाते हैं. लेकिन हाल ही में इन 4 में से 3 गेंदबाजों ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट मैच खेला था. ये तीन गेंदबाज आकाश दीप, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज हैं. लेकिन ये तीनों ही गेंदबाज उस मुकाबले में फेल रहे.

इस अनऑफिशियल टेस्ट मैच की आखिरी पारी में साउथ अफ्रीका के सामने 417 रनों का टारगेट था, जो भारत की कंडीशन में टेस्ट मैच की आखिरी पारी में चेज करना ना के बराबर होता है. लेकिन इस स्टार गेंदबाजी लाइनअप के सामने साउथ अफ्रीका ने इसे सिर्फ 5 विकेट के नुकसान पर हासिल करने सभी को हैरान कर दिया. आकाश दीप और कुलदीप यादव ने तो लगभग 5 की इकॉनमी से रन खर्च किए, जो टीम के लिए सबसे बड़ी टेंशन है. ये दोनों गेंदबाज रन बचाने में भी नाकाम रहे.

आकाश दीप ने खर्चे 106 रन

आकाश दीप इस सीरीज से टीम में वापसी करने जा रहे हैं. लेकिन इस अनऑफिशियल टेस्ट मैच में आकाश दीप काफी महंगे साबित हुए.

उन्होंने 22 ओवर में 106 रन खर्च किए और सिर्फ 1 विकेट ही हासिल किया. वहीं, सिराज ने 17 ओवर में 53 रन देकर 1 विकेट चटकाया. कुलदीप यादव तो 17 ओवर में 81 रन खर्च करने के बाद भी एक विकेट नहीं ले सके. ऐसे में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन ऐसा ही रहता है तो साउथ अफ्रीका के खिलाफ 15 साल से चली आ रही बादशाहत खत्म हो सकती है.

15 साल की बादशाहत पर खतरा

दरअसल, भारत में साउथ अफ्रीकी टीम का टेस्ट में बहुत ही खराब रिकॉर्ड है. अफ्रीकी टीम पिछले 15 साल से भारतीय जमीन पर टेस्ट मैच जीतने के लिए तरस रही है. साउथ अफ्रीका ने आखिरी बार ये कारनामा साल 2010 में किया था. तब भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट नागपुर के मैदान पर खेला गया था, जिसमें अफ्रीकी टीम ने पारी और 6 रनों से बाजी मारी थी.

तब हाशिम अमला और जैक कैलिस के दमदार प्रदर्शन के बदौलत साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 558 रन बनाए थे. लेकिन भारतीय बल्लेबाज दोनों ही पारियों में फ्लॉप रहे थे.

वैभव सूर्यवंशी का नीली जर्सी में होगा टी20 डेब्यू

14 नवंबर को खेल सकते हैं पहला मैच

खेल डेस्क, 11 नवंबर (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी का टी20 डेब्यू तो पिछले साल ही हो चुका था, जब उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में राजस्थान के खिलाफ बिहार के लिए अपना पहला मैच खेला था. उसके बाद उन्होंने ओपीएल 2025 के मुकाबले भी खेले. लेकिन, नीली जर्सी, जो कि भारतीय क्रिकेट की पहचान रही है, उसमें उनका टी20 डेब्यू अब होता दिखेगा. वैभव सूर्यवंशी पहली बार भारत की किसी टीम के लिए टी20 खेलते नजर आएंगे. 14 साल के खिलाड़ी का ये डेब्यू राइजिंग स्टार्स एशिया कप में देखने को मिल सकता है.

14 नवंबर से शुरू हो रहे राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए जो इंडिया ए की टीम चुनी गई है, उसमें वैभव सूर्यवंशी का भी नाम है. अब चूंकि ये टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा तो जाहिर सी बात है कि उसमें वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू भी देखने को मिल सकता है. अब सवाल है कि इंडिया ए टीम की नीली जर्सी में वैभव सूर्यवंशी अपना पहला मैच खेलते कब दिखेंगे?

नीली जर्सी में वैभव सूर्यवंशी का टी20 डेब्यू टूर्नामेंट के ओपनिंग डे पर ही देखने को मिल सकता है. यानी, वो 14 नवंबर को ही अपना पहला T20 मैच नीली जर्सी में खेल सकते हैं. ये मुकाबला यूएई के खिलाफ होगा. वैभव सूर्यवंशी ने इससे पहले नीली जर्सी में भारत की अंडर 19 टीम के लिए वनडे मुकाबले खेले हैं. लेकिन कभी भी टी20 नहीं खेला. ऐसे में ये पहली ही बार होगा जब वो नीली जर्सी में खेलते दिखेंगे.

नीली जर्सी पहनकर टी20 फॉर्मेट में उतरने से पहले वैभव सूर्यवंशी के पास कुल 8 टी20 मैचों का अनुभव है. उन 8 टी20 मैचों में उन्होंने 207.03 की स्ट्राइक रेट के साथ 265 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और 1 अर्धशतक शामिल है.

वैभव सूर्यवंशी ने बिहार के लिए T20 डेब्यू पर 13 रन बनाए थे. जब उन्होंने आईपीेल डेब्यू किया तो 20 गेंदों में 34 रन बनाए थे. अब देखना ये है कि नीली जर्सी में जब वो टी20 डेब्यू करते हैं तो कितना बड़ा स्कोर कर पाते हैं.

पाकिस्तान क्रिकेटर नसीम शाह के घर पर फायरिंग

परिवार बाल-बाल बचा, 5 आरोपी गिरफ्तार

शाह श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल

इस्लामाबाद, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह के घर पर हमला हुआ है. हमले में घर पर जमकर गोलियां बरसाई गई है, जिसमें काफी चीजों को नुकसान पहुंचा है. नसीम शाह का घर जिस पर गोलियों से हमला हुआ उसका नाम हुज्र है और वो खैबर पख्तूनख्वा के लोअर डिर जिले में है. पुलिस ने हमले के बाद एक्शन लेते हुए जांच शुरू कर दी है.

इन चीजों को नुकसान, परिवार पर ये अपडेट

मिली जानकारी के मुताबिक नसीम शाह के घर पर खुलेआम ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गईं, जिसमें कई सारी चीजों को नुकसान पहुंचा.

हमले में नसीम शाह के घर की खिड़की, मेन गेट और गाड़ियों की पार्किंग वाली जगह को बड़ा नुकसान पहुंचा है.

हमले के वक्त नसीम शाह का परिवार घर पर ही था. मगर गनीमत ये रही कि इसमें उनकी जान पर कोई आंच नहीं आई. परिवार के सभी लोग हमले से सहम जरूर गए मगर सुरक्षित हैं.

5 लोग गिरफ्तार, घर की सुरक्षा बढ़ी

पुलिस ने इस पूरी वारदात को अंजाम देने में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है. साथ ही उनसे पूछताछ कर घटना की जांच शुरू कर दी है. हमले के बाद पुलिस ने नसीम शाह के घर के बाहर सुरक्षा भी बढ़ा दी है.

हमले के वक्त पाक टीम के साथ थे नसीम शाह

जहां तक नसीम शाह की बात है, हमले के वक्त वो पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साथ रावलपिंडी में मौजूद थे. वो फिलहाल टीम के साथ बने हैं. नसीम शाह को श्रीलंका के खिलाफ 3 वनडे की सीरीज के लिए पाक टीम में चुना गया है, जिसके मुकाबले 11 नवंबर से 15 नवंबर के बीच खेले जाएंगे.

वनडे सीरीज के बाद नसीम शाह 3 देशों के बीच होने वाली टी20 सीरीज में भी पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करते दिखेंगे. टी20 सीरीज में पाकिस्तान और श्रीलंका के अलावा तीसरी टीम जिम्बाब्वे की होगी. टी20 सीरीज के मुकाबला रावलपिंडी और लाहौर में 17 से 29 नवंबर के बीच खेले जाएंगे.

संजू सैमसन को अब तक राजस्थान रॉयल्स ने दिया 93 करोड़

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों से संजू सैमसन का नाम चर्चा में है. और, उसकी वजह है उनकी विंडो ट्रेडिंग. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, CSK रवींद्र जडेजा और सैम करन की जगह संजू सैमसन को राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड कर सकती है. उम्मीद के मुताबिक ये ट्रेड डील हकीकत में तब्दील हुई तो ये पहली बार होगा जब संजू सैमसन आईपीएल में पीली जर्सी में खेलते दिखेंगे. अब बड़ा सवाल ये है कि सीएसके में जाने से पहले संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स से कितना पैसा कमाकर जाएंगे? ये रकम 100 करोड़ या 150 करोड़ की नहीं बल्कि कुछ और ही है.

राजस्थान रॉयल्स के लिए कितने सीजन खेले?

संजू सैमसन और राजस्थान रॉयल्स का साथ कुल मिलाकर 11 सीजन का रहा है. वो पहले 2013, 2014 और 2015 सीजन के लिए राजस्थान रॉयल्स से जुड़े. फिर 2018 से वो लगातार आईपीएल 2025 तक राजस्थान रॉयल्स से जुड़े रहे. संजू सैमसन ने आईपीएल में अपना डेब्यू 2012 सीजन में केकेआर के लिए किया था. उसके बाद वो 2016 और 2017 सीजन दिल्ली फ्रेंचाइजी से खेले.

11 सालों में राजस्थान रॉयल्स से कितना पैसा कमाया?

साफ है कि अपने 15 साल के आईपीएल करियर में संजू सैमसन 11 साल सिर्फ राजस्थान रॉयल्स से खेले हैं. मगर इन 11 सालों में उन्होंने राजस्थान रॉयल्स से कितना पैसा कमाया है? राजस्थान रॉयल्स से हुई उनकी कुल कमाई 11 सालों में 93 करोड़ रुपये रही है. इसमें सबसे ज्यादा एक सीजन में 18 करोड़ रुपये उन्होंने आईपीएल 2025 में कमाए हैं.

कब-कब राजस्थान से कितना मिला पैसा?

2013 में राजस्थान रॉयल्स ने संजू सैमसन को जब खुद से जोड़ा था, तब उसने उन्हें 1 करोड़ रुपये दिए थे. उसके बाद अगले दो सीजन उन्हें 4-4 करोड़ रुपये मिले. 2 साल के अंतराल के बाद 2018 में जब वो फिर से राजस्थान रॉयल्स से जुड़े तो उन्हें 8 करोड़ रुपये दिए गए. यही रकम उन्हें अगले तीन सीजन में भी मिली. आईपीएल 2022 में संजू सैमसन के पैसे को बढ़ाकर 14 करोड़ रुपये किया गया. और ये रकम उन्हें IPL 2024 तक राजस्थान रॉयल्स से मिली. जबकि आईपीएल 2025 में उन्हें 18 करोड़ रुपये दिए गए.

सीएसके हो सकती है सैमसन की चौथी आईपीएल टीम

राजस्थान रॉयल्स से कुल 93 करोड़ रुपये की कमाई करने के बाद संजू सैमसन के अब चेन्नई सुपर किंग्स में जाने की खबरें हैं. ऐसा होने पर चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल में उनकी चौथी टीम होगी.

तेलंगाना संघर्ष में आंदेश्री ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने भारी मन से आंदेश्री की अंतिम यात्रा में भाग लिया

केन्द्र से आंदेश्री को पद्म श्री पुरस्कार देने का अनुरोध

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रसिद्ध कवि, लेखक, कार्यकर्ता और तेलंगाना राज्य के गीतकार आंदेश्री के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने भारी मन से आंदेश्री की अंतिम यात्रा में भाग लिया, जो लंबे समय से उनके बहुत करीब थे। हजारों प्रशंसकों और साहित्य प्रेमियों की उपस्थिति में आयोजित अंतिम यात्रा में मुख्यमंत्री ने दिवंगत लोकप्रिय लेखक की अर्थी को कंधा दिया।

सभी ने साहित्य के इस योद्धा को अंतिम विदाई दी। यह यात्रा लालपेट जयशंकर स्टेडियम से तारनाका और उप्पल होते हुए घटकेसर एनएफसी नगर पहुँची। आंदे श्री की पत्नी मल्लूबाई, बेटियों वक्कुलम्मा, वेनेला, वेकुवा और बेटे दत्तू ने पारंपरिक तरीके से अंतिम संस्कार की रस्में निभाईं। आंदे श्री के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार पूरे पुलिस सम्मान के साथ किया गया। मुख्यमंत्री ने कवि के परिवारजनों को सांत्वना दी और अंतिम संस्कार में शामिल हुए। मंत्री डी श्रीधर बाबू, जुपल्ली कृष्णा राव, दनसारी अनसूया सीतक्का, पोन्नम प्रभाकर, अदलुरी लक्ष्मण कुमार, सरकारी सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, के केशव राव, टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़, जन प्रतिनिधि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अंतिम संस्कार में भाग लिया।

यहाँ प्रेस को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल केंद्र सरकार को अंदे श्री को पद्म श्री पुरस्कार देने का अनुरोध करते हुए एक पत्र लिखा था, लेकिन कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। सरकार फिर से एक पत्र लिखकर केंद्र से अंदे श्री को पद्म श्री पुरस्कार देने की मांग पर विचार करने की अपील करेगी, जिनका सोमवार को निधन हो गया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और बंडी संजय से तेलंगाना के आधिकारिक गीत – "जय जयहे तेलंगाना" के रचयिता को पद्मश्री प्रदान करने में मदद करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आइए, राज्य और केंद्र सरकारें इस महान तेलंगाना लेखक को पद्म पुरस्कार दिलाने के लिए प्रयास करें।

अपने घनिष्ठ संबंधों को याद करते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि आंदे श्री का निधन उनके लिए व्यक्तिगत रूप से और तेलंगाना समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने कहा, "जब मैं टीपीसीसी अध्यक्ष था, तब मैंने उनसे मुलाकात की थी और लेखक से तेलंगाना के लोगों की समस्याओं के समाधान में भूमिका निभाने का आग्रह किया था।"

उन्होंने कहा कि गद्दर और आंदे श्री द्वारा लिखा गया प्रत्येक गीत लोगों के लिए प्रेरणादायी है। यही कारण है कि राज्य मंत्रिमंडल ने आंदे श्री के गीत "जय जयहे तेलंगाना" को पाठ्यक्रम में एक विषय के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आंदेश्री की स्मृति में एक स्मारक पार्क स्थापित करेगी और लेखक के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गीतों का संग्रह "निप्पुला वागु" तेलंगाना के मुद्दों पर लड़ने वालों के लिए भगवद गीता, बाइबिल और कुरान की तरह एक मार्गदर्शक के रूप में काम करेगा। 20,000 पुस्तकें प्रकाशित की जाएंगी और राज्य के हर पुस्तकालय में पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी।

चुनाव आयोग ने जुबली हिल्स में मौजूद गैर-स्थानीय नेताओं के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में मतदान प्रक्रिया के दौरान गैर-स्थानीय कांग्रेस विधायकों और विधान पार्षदों की संलिप्तता पर गहरी चिंता व्यक्त की है, जिसके बाद अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई की है। ईसीआई की नाराजगी उन रिपोर्टों के बाद पैदा हुई जिनमें कहा गया था कि कांग्रेस विधायक बीरला इलैया, रामचंद्र नाइक और विधान पार्षद शंकर मतदाताओं को प्रभावित करने के इरादे से मतदान केंद्रों पर मौजूद थे। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि कांग्रेस विधान पार्षद शंकर ने अपने समर्थकों के साथ रहमत नगर संभाग के एसडी पॉइंट होटल में हंगामा किया, जबकि विधायक रामचंद्र नाइक को एक अलग मतदान केंद्र पर देखा गया। इसके अलावा, आलेर विधायक बीरला इलैया को रहमत नगर के एक मतदान केंद्र के पास मतदाताओं से बातचीत करते देखा गया। बीआरएस ने शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें दावा किया गया है कि ये नेता मतदाताओं के फैसलों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे। वेंगलराव नगर बूथ संख्या 79 पर तनाव चरम पर था, क्योंकि सथुपल्ली से कांग्रेस विधायक मट्टा रागमयी के पति मट्टा दयानंद कथित तौर पर मतदान पर्चियाँ बाँट रहे थे और मतदाताओं को लुभा रहे थे।

बीआरएस के नेताओं ने निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराई कि वह सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे। इस बीच, उपचुनाव में मतदान धीमी गति से चल रहा था, कई मतदान केंद्रों पर ईवीएम में खराबी के कारण हुई देरी के कारण सुबह 9 बजे तक 10.2 प्रतिशत मतदान हुआ।

जुबली हिल्स विधानसभा में 48.42 प्रतिशत मतदान

मतगणना 14 नवंबर को होगी

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया मंगलवार शाम 6 बजे समाप्त हो गई। अधिकारियों ने मतदान समाप्त होने के समय कतार में खड़े सभी लोगों को मतदान करने की अनुमति दी। छिटपुट घटनाओं को छोड़कर, मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान हुआ। शाम को छह बजे तक करीब 48.42 प्रतिशत मतदान हुआ। युसुफगुडा महबूब फंक्शन हॉल में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। सत्तारूढ़ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फर्जी मतदाता पहचान पत्र जारी करने के कथित आरोप का विरोध कर रहे बीआरएस कार्यकर्ताओं पर हमला किया। इसके बाद, पुलिस मौके पर पहुँची और दोनों दलों के नेताओं को शांत कराया। बीआरएस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी के कथित अत्याचारों की पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ नारे लगाए। शाम 6 बजे तक कुल 48.42 प्रतिशत मतदान हुआ। मतगणना 14 नवंबर (शुक्रवार) को होगी। बीआरएस विधायक मगंती गोपीनाथ के निधन के बाद जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव अनिवार्य हो गया है। इस उपचुनाव में बीआरएस से मगंती सुनीता, कांग्रेस से नवीन यादव और भाजपा से लंकाला दीपक रेड्डी ने चुनाव लड़ा था। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में कुल 4,01,365 मतदाता हैं, जिनमें 2,08,561 पुरुष, 1,92,779 महिला और 25 अन्य मतदाता हैं। उपचुनाव के लिए 407 मतदान केंद्र और 139 मतदान केंद्र बनाए गए थे। जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में 58 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को 12.99 करोड़ रुपये की तत्काल सहायता

सरकार ने धनराशि जारी करने के आदेश दिए

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवाती तूफ़ान मोन्था के कारण हाल ही में हुई बारिश से प्रभावित राज्य भर के कई ज़िलों में परिवारों को तत्काल सहायता प्रदान करने के आदेश सरकार ने जारी किए हैं।

राजस्व विभाग के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार ने बारिश से क्षतिग्रस्त हुए घरों के लिए 15,000-15,000 रुपये की सहायता प्रदान करने के आदेश जारी किए हैं। जिला कलेक्टरों द्वारा भेजी गई रिपोर्टों के अनुसार, 15 ज़िलों में 8662 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। सरकार ने उन्हें तत्काल सहायता के रूप में 12.99 करोड़ रुपये जारी किए हैं। यह धनराशि सीधे प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में जमा की जाएगी। 27 से 30 अक्टूबर तक लगातार चार दिनों तक राज्य के 16 जिलों में भारी बारिश हुई। वारंगल, हनमकोंडा, विकाराबाद, वनपर्ती, रंगा रेड्डी, करीमनगर, महबूबनगर, नागरकुर्नूल, यदाद्री भुवनगिरी, सिद्दीपेट, राजन्ना सिरसिला, मुलुगु, महबूबाबाद, सूर्यापेट, भद्राद्री कोठागुडेम और नलगोंडा जिले गंभीर रूप से प्रभावित हुए है।

जुबली हिल्स उपचुनाव में भारी मतदान

ईवीएम खराबी, झड़पें और राजनीतिक आरोपों के बीच हुआ मतदान

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए मंगलवार सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ, जिसमें मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हालांकि, दिनभर कई मतदान केंद्रों पर ईवीएम में खराबी, मामूली झड़पें और राजनीतिक दखल के आरोप लगते रहे। मतदान शाम छह बजे तक जारी रहेगा। जानकारी के अनुसार, बोराबंडा, रहमतनगर, वेंगलराव नगर और शेखपेट सहित 11 मतदान केंद्रों पर ईवीएम में तकनीकी खराबी की शिकायतें मिलीं। बोराबंडा के बूथ संख्या 348 पर मशीन में दिक्कत आने से मतदान कुछ देर के लिए रुका और मतदाताओं को लंबा इंतजार करना पड़ा। इसी तरह रहमतनगर के बूथ संख्या 165 और 166 तथा वेंगलराव नगर के बूथ संख्या 76 और 78 पर भी ऐसी ही समस्याएँ आईं। शेखपेट के बूथ संख्या 30 पर मतदान देरी से शुरू हुआ।

जिला निर्वाचन अधिकारी आर.वी. कर्णन ने बताया कि छह केंद्रों पर मामूली गड़बड़ियाँ थीं जिन्हें ठीक कर लिया गया और मतदान अब सुचारू रूप से चल रहा है। बीआरएस उम्मीदवार मगंती सुनीता ने येल्लारेड्डीगुडा में अपना वोट डाला और नागरिकों से जिम्मेदारी से मतदान करने की अपील की। वहीं, कांग्रेस नेता बाबा फसीउद्दीन पर बोराबंडा में एक बीआरएस कार्यकर्ता पर हमला करने का आरोप लगा, जिससे वहां तनाव बढ़ गया।

बीआरएस उम्मीदवार मगंती सुनीता ने इस घटना की निंदा करते हुए पुलिस पर निष्पक्षता न बरतने का आरोप लगाया और कहा कि यदि ऐसे हमले जारी रहे तो वे चुप नहीं रहेंगी। उन्होंने मतदाताओं से निर्भय होकर मतदान करने की अपील की। इस बीच, कुछ गैर-स्थानीय कांग्रेस विधायक और पार्षद भी मतदान केंद्रों के पास देखे गए। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने वेंगलराव नगर के जवाहरनगर स्थित एक बूथ के पास एक स्थानीय कांग्रेस नेता को कथित रूप से मतदाताओं को नकद देने की कोशिश करते पकड़ा और उसे चुनाव अधिकारियों के हवाले कर दिया।

जुबली हिल्स क्षेत्र के कुल 407 मतदान केंद्रों पर 4,01,365 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। 139 संवेदनशील केंद्रों पर वेबकास्टिंग और ड्रोन निगरानी के जरिए मतदान प्रक्रिया पर नजर रखी जा रही है।

जुबली हिल्स उपचुनाव में झड़प, हल्का तनाव

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के दौरान मंगलवार को वेंगलराव नगर क्षेत्र में कांग्रेस और बीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। धन वितरण के आरोपों को लेकर दोनों दलों के समर्थकों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि मौके पर हल्का तनाव व्याप्त हो गया।

सूत्रों के अनुसार, बूथ संख्या 180 पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कुछ बीआरएस समर्थकों पर मतदाताओं को पैसे बाँटने का आरोप लगाया और उन पर हमला करने की कोशिश की। वहीं, बीआरएस कार्यकर्ताओं का कहना था कि वे केवल लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जाँचने में मदद कर रहे थे और कांग्रेस कार्यकर्ता झूठे आरोप लगाकर तनाव पैदा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को तितर-बितर कर स्थिति पर काबू पाया। फिलहाल स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

नॉर्थ ईस्ट कनेक्ट कार्यक्रम के तहत कई भाषाओं की फिल्में दिखाई जाएंगी : प्रियंका

आयुक्त ने आईमैक्स थिएटर का दौरा किया

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की विशेष आयुक्त चौ. प्रियंका ने बताया कि नॉर्थ ईस्ट कनेक्ट कार्यक्रम के तहत 21 और 22 नवंबर को आईमैक्स थिएटर के स्क्रीन-4 और स्क्रीन-5 पर विभिन्न भाषाओं की फिल्में दिखाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि आईमैक्स में पूर्वोत्तर राज्यों की 8 फिल्मों के साथ-साथ 4 तेलुगु फिल्में भी दिखाई जाएंगी। इन फिल्मों के निर्देशक और अन्य हस्तियां इन महोत्सवों में भाग लेंगी। विशेष आयुक्त ने आज आईमैक्स थिएटर का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों और थिएटर प्रबंधकों को फिल्मों के प्रदर्शन के लिए उचित व्यवस्था करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि आमंत्रित लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि नॉर्थ ईस्ट कनेक्ट - एक तकनीकी सांस्कृतिक महोत्सव: 2025 के तहत विभिन्न प्लेटफार्मों पर आईटी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि फिल्मों का प्रदर्शन टीजीएफडीसी के तत्वावधान में किया जा रहा है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक एलएलआर किशोर बाबू, सीआईई राधा किशन, उप निदेशक यासा वेंकटेश्वरलु, आईमैक्स थिएटर के महाप्रबंधक वेंकट प्रसाद, क्यूब प्रतिनिधि रघुराम, यूएफओ प्रतिनिधि संजय, मचीराजू साई प्रसाद और अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। आईमैक्स थिएटर में प्रदर्शित विभिन्न फ़िल्मों में यॉइंग (त्रिपुरी), तारा- द लॉस्ट स्टार सिक्किम (नेपाली), कूकी (हिंदी), ओनाता: ऑफ़ द अर्थ: मेघालय (खासी), अनुर (असमी), बूम्बा राइड (असमी), एइखोगी यम (मणिपुरी), राडोर, पाखी (असमिया), बलागम (तेलुगु), ना बंगारू थल्ली (तेलुगु) , पोट्टेल (तेलुगु) , मल्लेशम (तेलुगु) शामिल है। विशेष आयुक्त ने शहर के लोगों से सांस्कृतिक विविधता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए इस फिल्म की स्क्रीनिंग देखने की अपील की।

समाजवादी व्यवस्था जल्द ही भारत में जड़ें जमा लेंगी : भाकपा

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव और विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव ने कहा कि देश का भविष्य समानता, भाईचारे और आर्थिक न्याय पर आधारित समाजवादी व्यवस्था में निहित है। पंजला रमेश द्वारा आयोजित जनसेवा दल राष्ट्र समिति की एक बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए, भाकपा नेता ने कहा कि असमानताओं, जातिगत भेदभाव और अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई को मिटाने का एकमात्र रास्ता समाजवाद है। उन्होंने दावा किया कि युवा क्रांतिकारी हस्तियों से प्रेरणा लेकर समाजवादी आदर्शों को तेजी से अपना रहे हैं। इसके अलावा, भाकपा नेता ने घोषणा की कि भगत सिंह की प्रेरणा से गठित युवा और छात्र संघों के तत्वावधान में 26 दिसंबर को खम्मम में 15,000 युवा कम्युनिस्टों की एक विशाल रैली आयोजित की जाएगी। यूरोप में कम्युनिस्ट आंदोलनों के पुनरुत्थान और नेपाल में वामपंथी दलों के बीच एकता के प्रयासों की ओर इशारा करते हुए, उन्होंने कहा कि ये घटनाक्रम समाजवाद की वापसी का संकेत देते हैं। इस अवसर पर, उन्होंने भारत में कॉर्पोरेट शक्तियों के बढ़ते नियंत्रण की आलोचना की और ज़ोर देकर कहा कि गरीबों के लिए सच्चा न्याय उत्पादन के साधनों को लोगों को वापस लौटाने पर निर्भर करता है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उत्पीड़ित समुदायों के उत्थान के लिए संवैधानिक अधिकारों के साथ-साथ आर्थिक संसाधनों का समान वितरण भी आवश्यक है।

गाँव में तेंदुआ दिखा, मची दहशत

सिद्दीपेट, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। दौलताबाद मंडल के गोदुगुपल्ली गाँव में मंगलवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब किसानों ने बस्ती के पास एक तेंदुआ देखा। खेतों में काम करने गए कुछ किसानों ने झाड़ियों में छिपे तेंदुए को देखा और उसका वीडियो बनाकर वन अधिकारियों को दिखाया।

सूचना मिलने पर वन अधिकारी तुरंत मौके पर पहुँचे और तेंदुए को जंगल की ओर लौटाने की कोशिश शुरू की। उन्होंने ग्रामीणों से सतर्क रहने, सुबह और देर शाम अकेले बाहर न निकलने तथा खेतों में जाते समय लाठी साथ रखने की सलाह दी। इस घटना से गांव में दहशत का माहौल है और लोगों में यह डर बना हुआ है कि तेंदुआ दोबारा बस्ती में लौट सकता है।

दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्राधिकार के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर गहन सुरक्षा जाँच

बम निरोधक दस्तों व डॉग स्क्वॉड ने व्यापक सुरक्षा जाँच की

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नई दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट की घटना को देखते हुए, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने यात्रियों और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) क्षेत्राधिकार के सभी प्रमुख और महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा उपायों को कड़ा कर दिया है। सिकंदराबाद, हैदराबाद, काचीगुडा, कुरनूल, निज़ामाबाद, विजयवाड़ा, एलुरु, राजमुंदरी, ओंगोल, कावली, नेल्लोर, गुडूर, गुंटूर, नांदेड़, छत्रपति संभाजी नगर और अन्य प्रमुख स्टेशनों पर आरपीएफ, जीआरपी और बम निरोधक दस्तों (बीडीडीएस)/डॉग स्क्वॉड द्वारा संयुक्त रूप से व्यापक सुरक्षा जाँच की गई। तोड़फोड़-रोधी जाँच प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों, परिभ्रमण क्षेत्रों, क्लोक रूम, पार्किंग क्षेत्रों और ट्रेनों में की गई। यात्रियों की तलाशी, हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर (एचएचएमडी) से सामान की जाँच और ट्रेनों व स्टेशन परिसर के अंदर आकस्मिक जाँच पर विशेष ज़ोर दिया गया। किसी भी संदिग्ध वस्तु या पदार्थ का पता लगाने के लिए प्रमुख स्थानों पर डॉग स्क्वॉड का इस्तेमाल किया गया। सीसीटीवी निगरानी को मज़बूत किया गया और सभी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों, संविदा कर्मचारियों और विक्रेताओं को कड़ी सतर्कता बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीमों ने भी स्थानीय पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया ताकि निर्बाध सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। यात्रियों से अनुरोध किया गया कि वे जाँच के दौरान सहयोग करें और किसी भी लावारिस सामान या संदिग्ध गतिविधि की तुरंत निकटतम आरपीएफ या रेलवे कर्मचारियों को सूचना दें। इन गहन जाँचों के दौरान, कोई भी संदिग्ध गतिविधि या वस्तु नहीं मिली और ट्रेन संचालन सुचारू रूप से जारी रहा। सभी सुरक्षा कर्मियों को मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए कड़ी सतर्कता और चौबीसों घंटे निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। दक्षिण मध्य रेलवे सभी यात्रियों से सतर्क रहने, सुरक्षा कर्मियों के साथ सहयोग करने तथा सुरक्षित यात्रा वातावरण बनाए रखने में योगदान देने की अपील करता है।

इंदिराम्मा इंडलु लाभार्थियों को 202.93 करोड़ रुपये जारी : वी.पी. गौतम

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आवास निगम के प्रबंध निदेशक वी.पी. गौतम ने एक बयान में कहा कि इस सप्ताह इंदिराम्मा इंदला लाभार्थियों को बिल के रूप में 202.90 करोड़ रुपये जारी किए गए। ज्ञातव्य है कि आवास निर्माण कार्य के चरणों के आधार पर जारी की जाने वाली बिल राशि प्रत्येक सोमवार को लाभार्थियों के खातों में सीधे जमा की जाती है। इसी प्रक्रिया के तहत, 11 नवंबर तक की प्रगति के अनुसार 18,247 लाभार्थियों को बिल जारी किए जा चुके हैं। बताया गया कि इस सप्ताह लाभार्थियों को किए गए भुगतान में 4,615 बेसमेंट स्तर के ढांचे, 8,517 छत स्तर (दीवारें पूरी) वाले घर और 5,115 स्लैब-बिछाए गए घर शामिल हैं।

यूनियन बैंक Union Bank of India UNION BANK OF INDIA

अंचल कार्यालय, विशाखापत्तनम

डोर नं 42-1-45/1/1, प्रथम तल, दक्षिण विंग, एलआईसी न्यू इनवेस्टमेंट बिल्डिंग (जीवन समृद्धि बिल्डिंग) तिक्ना रोड, विशाखापट्टणम-530 004.

निविदा सूचना

अंचल कार्यालय, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, विशाखापत्तनम तीन वर्षों की अवधि के लिए "प्रिंट और गैर सुरक्षा स्टेशनरी वस्तुओं की आपूर्ति के लिए प्रिंटर और आपूर्तिकर्ताओं के एमपैनलमेंट" के लिए आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के प्रतिष्ठित वाणिज्यिक प्रिंटिंग प्रेस से आवेदन आमंत्रित किया है। तकनीकी और वाणिज्यिक बोलियां में प्रत्येक बोली के लिए सीलबंद लिफाफे में ₹1000/- रुपये के निविदा शुल्क के डीडी और 10,000/- रुपये के ईएमडी के डीडी के साथ (दोनों डीडी "यूनियन बैंक ऑफ इंडिया" के पक्ष में विशाखापत्तनम में देय) को 03.12.2025 अपराह्न 3:00 बजे या उससे पहले अंका, विशाखापत्तनम में निविदा बॉक्स में रखा जाना चाहिए। पात्रता मानदंड, नियम और शर्तों वाले विस्तृत निविदा दस्तावेज www.unionbankofindia.co.in और http://eprocure.gov.in वेबसाइटों पर उपलब्ध हैं। बैंक बिना कोई कारण बताए प्राप्त किसी भी या सभी आवेदनों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। शुद्धिपत्र/संशोधन आदि, यदि कोई हो, केवल हमारी वेबसाइट या ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर अधिसूचित किए जाएंगे और अलग से कोई विज्ञापन नहीं दिया जाएगा।

दिनांक : 12-11-2025 उप अंचल प्रमुख

फिल्म निर्माता बेलमकोंडा सुरेश पर अतिक्रमण का आरोप

फिल्म नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज, जांच शुरू

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध फिल्म निर्माता बेलमकोंडा सुरेश के खिलाफ फिल्म नगर पुलिस ने एक स्थानीय निवासी की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। शिकायत में सुरेश पर संपत्ति पर अतिक्रमण और दुर्व्यवहार का आरोप लगाया गया है। जानकारी के अनुसार, फिल्म नगर के रोड नंबर 7 में रहने वाले शिव प्रसाद ने बताया कि वे कुछ समय के लिए अपने रिश्तेदारों के यहां गए हुए थे। जब वे लौटे, तो उन्होंने पाया कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है, घर का सामान बिखरा पड़ा है और दीवारों को नुकसान पहुंचा है। उन्हें शक हुआ कि किसी ने उनकी संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश की है।

शिव प्रसाद ने आरोप लगाया कि इस अतिक्रमण के पीछे बेलमकोंडा सुरेश और उनके सहयोगियों का हाथ है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने अपने कर्मचारियों को सुरेश से बात करने भेजा, तो सुरेश ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और कथित रूप से हमला करने की कोशिश की। शिकायत के आधार पर फिल्म नगर पुलिस ने सुरेश और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए मुफ्त ऑटो सेवा

हैदराबाद, 11 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान मंगलवार को मतदाता भागीदारी बढ़ाने के लिए कई नागरिक और संगठन आगे आए। मतदान को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिला। फिल्म निर्माता एसएस राजामौली ने सुबह ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिससे कई मतदाताओं को प्रेरणा मिली। इस अवसर पर ऑटो चालक संघ ने एक सराहनीय पहल की। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों, विकलांगों और नई माताओं को मतदान केंद्रों तक पहुँचाने के लिए विशेष मुफ्त सेवा शुरू की। इसके तहत करीब 150 ऑटो-रिक्शा मतदान क्षेत्रों में तैनात किए गए हैं। संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुँचने में परेशानी न हो और निर्वाचन क्षेत्र में अधिक से अधिक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.